सुविचार

कांच का कटोरा, नेत्रों का जल, मोती और मन, ये एक बार टूटने पर पहले जैसे नहीं रह जाते. अत: सावधानी बरतनी चाहिए।

लोकोक्ति

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

12

माधुरी दीक्षित की मराठी फिल्म पंचक 5 जनवरी...

Ranchi ● Sunday, 29 October 2023 ● Year : 01 ● Issue : 280 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	63,782.80
निफ्टी	:	19,047.25

SARAFA

सोना	:	5,900
चांदी	:	77.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

फादर रजत एक्का को मिली थी जान से मारने की धमकी

GUMLA : पल्ली पुरोहित डीन फादर रजत एक्का की मौत कैसे हुई, इसकी जांच में गुमला पुलिस जुट गयी है। गुमला पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह इस घटना को लेकर गंभीर हैं। फादर रजत एक्का का शव उनके आवासीय परिसर स्थित बागान के कुआं से बरामद हुआ था। शुक्रवार की रात फादर रजत एक्का के शव का पोस्टमार्टम कर उनका पार्थिव शरीर उनके परिजनों को सौंप दिया गया। उनका शव चैनपुर पहुंचते ही उनकी एक झलक पाने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। उनके निधन से खीतीय समाज मर्माहत है। सूचना के मुताबिक फादर डीन रजत एक्का को एक वर्ष पूर्व जान से मारने की धमकी भी मिली थी। इसके बाद फादर रजत एक्का के भाई ने डुमरी थाना में मामला भी दर्ज कराया था।

भाजपा नहीं चाहती गरीब का बेटा अंग्रेजी बोले : राहुल

RAIPUR : छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने 6 चुनावी वादे किए हैं। पार्टी का कहना है कि राज्य में दोबारा सरकार बनते ही सरकारी स्कूलों में केजी से लेकर पीजी तक की पढ़ाई मुफ्त कर दी जाएगी। इससे सभी वर्ग के छात्रों को फायदा मिलेगा। कांग्रेस ने कहा कि सरकार बनते ही जातिगत जनगणना शुरू कर दी जाएगी। साथ ही तेंदूपत्ता का सालाना बोनस 4 हजार रुपए कर दिया जाएगा। दरअसल, दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को छत्तीसगढ़ पहुंचे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बस्तर में दो बड़ी रैलियां कीं। राहुल ने सबसे पहले उत्तर बस्तर की भानुप्रतापपुर सीट और फिर कोंडागांव के फरसगांव में आमसभा को संबोधित किया। राहुल ने कहा– कांग्रेस गरीबों के लिए काम करती है, लेकिन बीजेपी गरीबों का पैसा अडाणी को दो रही है। भाजपा के नेता नहीं चाहते कि गरीब का बेटा अंग्रेजी बोले।

बब्बर खालसा संगठन के चार आतंकी गिरफ्तार

CHANDIGARH : पंजाब पुलिस ने आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के चार आतंकियों को गिरफ्तार करके भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मोहाली जिला पुलिस द्वारा गिरफ्तार आतंकी आगामी त्योहारों के दिनों में टारगेट किलिंग कर पंजाब का माहौल खराब करने की फिराक में थे। डीजीपी के अनुसार एसएएस नगर (मोहाली) पुलिस के सीआईए विंग ने एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। संगठन के सदस्यों के संबंध पाकिस्तान में बैठे आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा के साथ हैं। रिंदा के आतंकी संगठन बीकेआई के साथ मिलकर ये पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी कर रहे थे। पकड़े गए आरोपित ड्रोन की सहायता से पाकिस्तान से हथियार मंगवा कर पंजाब में सप्लाई करने का भी काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इनके कब्जे से छह विदेशी पिस्टल, 275 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। ये हथियार कहां प्रयोग किए जाने थे और इन्हें किसे डिलीवर करना था, इसकी जानकारी हासिल करने के लिए पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।

दिवाली से पहले युवाओं पर रोजगार की बारिश पीएम मोदी ने 51000 को दिया जॉइनिंग लेटर

कहा- नौकरी पाने वाले परिवारों के लिए यह दिवाली से कम नहीं

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 10वें रोजगार मेले के तहत 51 हजार युवाओं को जॉइनिंग लेटर बांटे। ये युवा पिछले कुछ दिनों में केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों में भर्ती हुए हैं। पीएम मोदी दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस मौके पर पीएम ने कहा- दिवाली में अभी कुछ ही वक्त बाकी है, लेकिन नियुक्ति पत्र पाने वाले 50 हजार युवाओं के परिवार के लिए यह मौका दिवाली से जरा भी कम नहीं है, आपने कड़ी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। इसके लिए आप सभी नौजवान साथी और विशेष कर हमारी बेटियां बधाई की पात्र हैं। आपके परिवार को मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं। पीएम ने इस मौके पर कहा कि उनकी सरकार और भाजपा शासित प्रदेश पिछले साल अक्टूबर से ही रोजगार मेले का आयोजन कर रहे हैं। इन मेलों में लाखों की संख्या में युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर मिला है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेला युवाओं के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपते केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा।

झारखंड के 23 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

रांची के सीसीएल दरभंगा हाउस में आयोजित रोजगार मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की मौजूदगी में 123 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया गया। इसमें सर्वाधिक रेलवे के 85, डाक विभाग के 24, डिफेंस सेवा में 06 और बैंकिंग सेवा में 06 युवा शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह रोजगार मेला सिर्फ नियुक्ति के लिए नहीं है, बल्कि मिशन कर्मयोगी है, जो राष्ट्र को मजबूत बनाने का काम करेगा। मेले में सांसद संजय सेठ, सांसद सुदर्शन भगत, विधायक सीपी सिंह, विधायक समरी लाल के अलावा रेलवे के डीआरएम सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

मुकेश अंबानी से मांगी रंगदारी, जान से मारने की धमकी

MUMBAI : मशहूर उद्योगपति मुकेश अंबानी को अज्ञात शख्स ने ईमेल भेजकर 20 करोड़ रुपये की रंगदारी न देने पर जान से मारने की धमकी दी है। इस ईमेल की शिकायत अंबानी के सुरक्षा प्रमुख ने गांवदेवी पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई है। इस धमकी की सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस सतर्क हो गई और अंबानी के आवास के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई। फिलहाल मामले की छानबीन जारी है। पुलिस के अनुसार मुकेश अंबानी के ईमेल पर शुक्रवार को रंगदारी और धमकी भरा ईमेल आया था। अंबानी को मिले ईमेल में कहा गया है, "अगर तुम हमें 20 करोड़ रुपये नहीं दोगे तो हम तुम्हें मार देंगे, हमारे पास भारत के सबसे अच्छे शूटर हैं।" इस ईमेल की छानबीन शुरू कर दी गई है। समाचार लिखे जाने तक ईमेल भेजने वाले का पता नहीं चल सका है। उल्लेखनीय है कि मुकेश अंबानी को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पिछले साल बिहार के दरभंगा से आरोपित राकेश कुमार मिश्रा को गिरफ्तार किया था।

इंग्लैंड के खिलाफ 20 साल के हार का बदला लेने उतरेगी टीम इंडिया

106 वनडे मैच अबतक खेले गए भारत-इंग्लैंड के बीच

57 मैच भारत और

44 मुकाबले इंग्लैंड ने जीता

1975 पहली बार विश्वकप में आमने-सामने थे

2011 विश्वकप में भारत बनाम इंग्लैंड ग्रुप स्टेज का मैच टाई हुआ था

2003 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत को विश्वकप में आखिरी जीत साल मिली थी

AGENCY NEW DELHI : विजय रथ पर सवार टीम इंडिया रविवार 29 अक्टूबर को डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में उतरेगी। टीम इंडिया ने अपने सभी पांच मुकाबले जीते हैं। वहीं, इंग्लैंड के लिए ये विश्वकप किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है। इंग्लैंड अपने पांच में से चार मैच हारकर विश्वकप से लगभग बाहर हो गया है। हालांकि, इंग्लैंड किसी भी दिन किसी भी टीम का खेल बिगाड़ सकती है। भारत ने पिछले 20 साल में इंग्लैंड को वनडे विश्वकप में नहीं हराया है। भारत को मैच से पहले झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ये मैच नहीं खेलेंगे। वहीं, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टॉप्ली भी चोट के कारण इस टूनामेंट से बाहर हो गए हैं।

भारत और इंग्लैंड के बीच अभी तक कुल 106 वनडे मुकाबले हुए हैं। इसमें भारत ने 57 मैच और इंग्लैंड ने 44 मुकाबले जीते हैं। दो मुकाबले टाई हुए हैं और तीन मैचों के नतीजे नहीं आए थे। विश्वकप की बात करें तो पहली बार साल 1975 में आमने-सामने थे। इसके बाद से अभी तक दोनों टीमें विश्वकप में कुल आठ तक आमने-सामने आई है। इसमें इंग्लैंड को पांच मैचों में जीत मिली है। वहीं, भारत ने तीन मैच जीते हैं। 2011 विश्वकप में भारत बनाम इंग्लैंड ग्रुप स्टेज का मैच टाई हुआ था।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत को विश्वकप में आखिरी जीत साल 2003 में मिली थी।

झारखंड में फरेबियों की सरकार इसको जाना चाहिए : JP NADDA

संकल्प यात्रा का समापन समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हेमंत पर किया जमकर कटाक्ष

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि फरेबियों की सरकार है। सरकार में अपराध चरम पर है। भ्रष्टाचार में सरकार आकंठ डूबी हुई है। मुख्यमंत्री के पीछे ईडी पड़ी हुई है। यह ऐसी सरकार है, जहां शराब माफिया, लैंड-सैंड माफिया दनदना रहे हैं। ऐसी सरकार को जाना चाहिए। नड्डा रांची के हरमू मैदान में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा के समापन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस आदिवासियों के नाम पर राजनीति करती है। आदिवासियों को जितना नुकसान हेमंत की सरकार में हुआ है, उतना पहले किसी दूसरी सरकार में नहीं हुआ है। इस सरकार का जाना तय है लेकिन झारखंड की भोली जनता एक बात समझ ले भाजपा की सरकार जनता की सेवा के लिए है।

संकल्प यात्रा के समापन समारोह में जेपी नड्डा, बाबूलाल मरांडी व अन्य।

आदिवासियों के नाम पर सिर्फ वोट की राजनीति

जेपी नड्डा ने कहा कि आदिवासियों की चर्चा तो बहुत लोगों ने की लेकिन जनजातीय गौरव दिवस के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मनाने का फैसला लिया। हम यहां के बारे में सुनते थे लेकिन मौजूदा सरकार ने कभी यहां का दर्द नहीं समझा। अटल बिहारी वाजपेयी थे, जिन्होंने झारखंड की स्थापना की। झारखंड में अटल बिहारी वाजपेयी हमेशा याद किए जायेंगे। हेमंत सोरेन ने ट्राइबल की चर्चा की। इसी नाम पर वोट मांगे और जितना नुकसान हेमंत सरकार ने आदिवासियों का किया उतना किसी ने नहीं किया। नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि झारखंड में सात हजार सात सौ 91 किमी की हाइवे है। एक हजार एक सौ करोड़ की लागत से एम्स बनाकर दिया। चार साल के अंदर देवघर का मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हुआ।

लुटेरों को संरक्षण दे रही सरकार : बाबूलाल मरांडी

शहर के हरमू मैदान में शनिवार को संकल्प यात्रा के समापन समारोह में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री के कामकाज और भ्रष्टाचार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार में विकास का कोई काम नहीं हो रहा है। पूरी सरकार कमाने में लगी हुई है। जब प्रदेश में भाजपा की सरकार थी, तब प्रदेश की आधारभूत संरचना मजबूत हुई। सड़क, पुल, पुलिया बने। चुनाव से पहले हेमंत सरकार ने कई घोषणाएं की थीं। रोजगार और बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हेमंत सरकार के रहते विकास नहीं हो सकता। यह सिर्फ अपना विकास कर रही है। सरकारी दफ्तरों में बिना पैसे का कोई काम नहीं होता। खनिजों की लूट मची हुई है। हेमंत सरकार लुटेरों को संरक्षण दे रही है। लुटेरों को बचाने के लिए सरकार सुप्रीम कोर्ट के महंगे वकील लाती है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि प्रदेश की हालत से जनता अवगत है। सरकार राज्य के साथ धोखाधड़ी कर रही है। जनता को सताने का काम कर रही है। हमें राज्य को हर स्तर पर बचाना है। सरकार को उखाड़ फेंकने तक हमें सजग होकर संघर्ष करना पड़ेगा। मौके पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत राज्य के 263 प्रखंडों और 49 नगर निकायों से संग्रहित की गई मिट्टी भी मंच पर रखी गई है। राज्य भर से अमृत कलश में मिट्टी एकत्रित कर यहां लाई गई है। रांची सांसद संजय सेठ ने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने राज्य में अलख जगाने का काम किया है। राज्य में खनिज, आदिवासी भाई बहन के जमीन लूटने वालों के लिए चुनौती है।

रोमांचक मुकाबले में 5 रन से जीता ऑस्ट्रेलिया

DHARAMSHALA : वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड को हरा दिया। धर्मशाला में शनिवार को खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी चुनी और 389 रन का टारगेट दिया। ट्रेविस हेड ने शतक लगाया और वॉर्नर ने 81 रन की पारी खेली। टारगेट चेज कर रही न्यूजीलैंड भी अच्छा खेली। रचिन रविंद्र ने शतक लगाया और जिमी नीशम ने लोअर ऑर्डर में 58 रन की पारी खेली।

नीदरलैंड ने वर्ल्ड कप में दूसरा मैच जीता

DHARAMSHALA : नीदरलैंड ने वनडे वर्ल्ड कप में दूसरा मैच जीत लिया है। टीम ने कोलकाता में बांग्लादेश को 87 रन से हराया। नीदरलैंड ने इससे पहले साउथ अफ्रीका को भी हराया था। डच टीम दूसरी जीत के साथ टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड से ज्यादा मैच जीत चुका है। इंग्लैंड अब तक एक ही मैच जीत सका और पॉइंट्स टेबल में 10वें नंबर पर हैं। ईडन गार्डन स्टेडियम में टॉस जीतकर नीदरलैंड ने पहले बैटिंग चुनी।

योगेंद्र से पूछताछ में हुए अहम खुलासे अब फिर 6 दिन ईडी उगलवाएगी राज

झारखंड शराब घोटाला का मामला : कोर्ट ने रिमांड की दी मंजूरी

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड शराब घोटाला के आरोपी शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी से इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) फिर छह दिनों तक पूछताछ करेगी। कोर्ट ने इसकी इजाजत दे दी है। इससे पहले ईडी ने योगेंद्र तिवारी से आठ दिनों तक पूछताछ की थी। इस पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं। शनिवार को रिमांड की अवधि खत्म होने के बाद योगेंद्र तिवारी को रांची पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान ईडी की ओर से उपस्थित विशेष लोक अभियोजक बी एम पी सिंह ने योगेंद्र तिवारी से दोबारा पूछताछ करने के लिए छह दिनों की रिमांड देने की अनुमति मांगी। जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

19 अक्टूबर को हुई थी गिरफ्तारी

शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी को इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने 19 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। उन पर शराब घोटाला के जरिए अवैध कमाई करने और मनी लाउंड्रिंग का आरोप है। इस मामले में ईडी ने 23 अगस्त को 34 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इन ठिकानों में योगेंद्र तिवारी के देवघर स्थित होटल सिद्धार्थ के सामने स्थित गोदाम, बोंपासस टाउन स्थित डॉ. राजीव पांडेय अस्पताल के पास स्थित आवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी के डी-2 स्थित मेसर्स संथाल परगना बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड और जामताड़ा के दो ठिकाने शामिल हैं।

लातेहार में आठ लाख रुपये का इनामी नक्सली अगनु गिरफ्तार

LATEHAR : पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए भाकपा माओवादी के सब जोनल कमांडर अगनु गंझू को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार सब जोनल कमांडर आठ लाख रुपये का इनामी था। वह चंदवा थाना क्षेत्र के मड़मा गांव का रहने वाला है। लातेहार एसपी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा माओवादी का एक दस्ता जोनल कमांडर रविंद्र गंझु के नेतृत्व में किसी घटना को अंजाम देने के लिए चंदवा थाना क्षेत्र के बेतर जंगल के आसपास भ्रमणशील है। इस सूचना के बाद छापेमार कर अगनु गंझू को गिरफ्तार कर लिया।

पलामू में आठ साल की गूंगी-बहरी बच्ची का 35 वर्षीय युवक ने किया रेप

आरोपी गिरफ्तार, मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में बच्ची का चल रहा इलाज

CRIME REPORTER PLAMU : आठ साल की गूंगी और बहरी बच्ची के साथ 35 साल के एक शादीशुदा व्यक्ति ने दुष्कर्म किया। घटना पलामू जिले के थाना नावाबाजर थाना क्षेत्र के सदाबह नदी की है। बच्ची को गंभीर स्थिति में मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उसकी मेडिकल जांच करायी गयी है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जाता है कि शुक्रवार की शाम बच्ची घर से थोड़ी दूर पर स्थित सदाबाह नदी की ओर गई थी। इसी दौरान पंडवा मोड़ का रहने वाला कंचन वहां पहुंचा। सुनसान इलाके में बच्ची को ले गया और उसके साथ जघन्य अपराध को अंजाम दिया। हॉस्पिटल बच्ची की ईलाज के लिए पहुंचीं उसकी दादी ने शनिवार को बताया कि बच्ची काफी देर तक घर नहीं लौटी तो उसे परिवार वाले ढूंढने लगे। बच्ची की मां को स्थानीय लोगों ने बताया कि एक व्यक्ति बच्ची को सदाबह नदी के सुनसान इलाके में ले गया है। लोगों के बताए अनुसार परिवार के लोग उस जगह पर पहुंचे तो वहां देखा एक युवक बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था। बच्ची रो रही थी। आवाज सुनकर जब आसपास के लोग पहुंचे लेकिन आरोपित मौके से फरार हो गया। हालांकि, बाद में पंडवा थाना की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

भारत की लगातार दूसरी जीत, मलेशिया को 5-0 से रौंदा

झारखंड की संगीता ने दो मैच में दागे 4 गोल

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में आयोजित वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे दिन तीसरा मुकाबला मेजबान भारत और मलेशिया के बीच खेला गया। झारखंड की संगीता कुमारी ने दो मैच में चार गोल दागा। मुकाबले की शुरूआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक रूख अपनाते हुए पहले क्वार्टर के 7वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर 1-0 की बढ़त बना ली। भारत के लिए पहला गोल वंदना कटारिया ने किया। भारत के लिए दूसरा गोल दूसरे क्वार्टर में आया। जब भारत ने मुकाबले के 21 वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। दूसरा गोल भी वंदना कटारिया ने किया। मुकाबले का तीसरा और चौथा गोल मैच के 28वें मिनट में आया। झारखंड की संगीता कुमारी ने शानदार फील्ड गोल कर भारत की लीड को 3-0 किया। वहीं चौथा गोल भी फील्ड गोल के रूप में आया। लालरेमसियामी ने भारत के लिए चौथा गोल किया। पहले हॉफ तक भारत ने 4-0 की लीड ले ली। दूसरे हॉफ में भी भारत हावी रहा। मुकाबले के 38वें मिनट में ज्योति ने शानदार फील्ड गोल कर 5-0 की लीड लेकर मलेशिया पर पूरी तरह दबाव बना दिया।

> अद्भुत! झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में टीम इंडिया का विजयी अभियान दूसरे दिन भी जारी है। मलेशिया पर 5–0 की शानदार जीत के लिए भारतीय टीम को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। जापान और चीन को भी अपने-अपने मैच जीतने के लिए हार्दिक बधाई।

हेमंत सोरेन, सीएम।

मणिपुर में रविवार की जगह जुमे को छुट्टी की मांग

IMPHAL : मणिपुर में रविवार की जगह जुमे (शुक्रवार) की छुट्टी की मांग की गई है। चुराचांदपुर की जॉइंट स्टूडेंट बॉडी ने पर्चे बांटकर इसका ऐलान किया है। उन्होंने 26 अक्टूबर को इसे लेकर एक बयान जारी किया था, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। स्टूडेंट बॉडी ने बयान में कहा था कि हम इस कठिन समय में भी अपनी रहने की जगह पर ठीक से पढ़ाई करना चाहते हैं। इसके लिए हमने एक रेजोल्यूशन अपनाया है। हम सभी सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों और स्कूल में रविवार की जगह शुक्रवार की छुट्टी रखना चाहते हैं। वहीं, 27 अक्टूबर को राज्य के मुख्य सचिव विनीत जोशी ने स्टूडेंट बॉडी के इस नोटिस को अवैध करार दिया है।

मिस्र के राष्ट्रपति से पीएम मोदी ने फोन पर की बात

जंग पर चर्चा, बंधकों के परिजन से मिले नेतन्याहू

AGENCY TEL AVIV : इजराइल-हमास जंग का शनिवार को 22वां दिन था। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बंधकों के परिजन से मुलाकात की है। हमास की कैद में 229 बंधक हैं। इनके परिजन काफी समय से पीएम नेतन्याहू से मिलने की मांग कर रहे थे। सभी लोग बंधकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। उनका कहना था कि सेना हमास के अंडरग्राउंड ठिकानों को निशाना बना रही है। इन्हें सुरंगों में बंधकों को रखे जाने की खबर हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, प्रधानमंत्री नेतन्याहू भारतीय समयानुसार रात 11:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से फोन पर बात की। दोनों लीडर्स ने जंग को लेकर चर्चा की। उन्होंने भारत-मिस्र के रिश्तों को मजबूत करने पर भी बातचीत की।

कला-साहित्य

कविता

जयशंकर प्रसाद सिंह
वाराणसी

'मां! पथ आलोकित कर देना'

पशुता मनुष्य के सिर चढ़कर जब
महिषासुर बन जाती है,
निज मद में चूर क्षत्रपों को वह
रण में धूल चटाती है,
जन-गण का तेज संगठित हो,
नव शक्ति पुंज फिर निर्मित हो,
पशुता का भाव विसर्जित हो,
मां! पथ आलोकित कर देना।

विज्ञापन की दुनिया ऐसी, ज्यों
चण्ड-मुण्ड के नेत्र खुले,
विपणन के लिए वस्तु कुछ भी,
पैकिंग पर नारी गात खुले,
मन-वाणी-कर्म संयमित हो,
नैतिकता से अभिमंत्रित हो,
सबकी मयार्दा रक्षित हो,
मां! पथ आलोकित कर देना।

कट्टरता के शोणित बीजों ने धरती
लाल कर रखी है,
सौहार्द्र नहीं भाता इनको इतिहास
युगों से साक्षी है,
संचार थमे उन्मादों का,
व्यापार रुके जज्बातों का,
चौपाल लगे संवादों का,
मां! पथ आलोकित कर देना।

मानव विकास के अश्व चढ़ा
दिग्विजय हेतु जो निकल रहा,
निज लाभ हेतु जल-थल-अम्बर
की नैसर्गिकता छेड़ रहा,
मानवता का कल्याण रखें,
प्राकृतिक स्रोत का ध्यान रखें,
पारिस्थितिकी का मान रखें,
मां! पथ आलोकित कर देना।

शालिनी कपूर
नोएडा

पहचान

मैं वह स्त्री हूँ जिसकी देह रौंदी
गई बूटों तले
और
जिसके जेहन में पैबस्त हो गई है
बारूदी पसीने की गंध

युद्ध के रक्तरंजित सैनिकों के
हाथ में थमे राइफल ने
छोड़ दिये हमारी देह पर अनगिन
रिसते घाव
और
चमकते खंजरों ने काट डाले
फूलों से खिलकते शिशु

जिन गलियों की धूल में पलकर
मैं बड़ी हुई,
वह बदलकर लाल कीचड़ हो गई
और
मैं बेतहाशा भागती पृथ्वी का
चक्कर लगा फिर लौट आई,
कि
खून और राख से बेसुध धरती
शायद फिर जी उठे
जबरन रोप दिये गये अनचाहे
बीजों की
अंखुवाती मासूम मुस्कान से
लेकिन
युध्द के उन्माद ने बुद्ध को छुपा
दिया
और
मैं हताश हो, चिल्लाकर कहती हूं-
युद्ध मेरी दुनिया की किसी भी
भाषा में
नफरत से बोला गया शब्द है।

प्रेम, शांति और विश्वास का प्रतीक बुद्धमय सांची

घुमक्कड़ की पाती

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

"क्या यह वही सांची है जिसे दुनिया भर में महात्मा बुद्ध की ऐतिहासिक और पुरातत्विक विरासत के रूप में जाना जाता है? उसने कहा बिल्कुल यह वही जगह है और यहां पर एक नहीं अनेकों मठ, मंदिर और बौद्ध स्मारक हैं। इन सभी संरचनाओं का निर्माण तीसरी शताब्दी के आसपास कराया गया था जिसकी वजह से यह स्मारक देश की सबसे पुरानी पत्थर की संरचनाओं में आते हैं। मुझे यह सब जानकर पहले ताज्जुब हुआ फिर खुशी से मन झूम गया क्योंकि यह जगह हमेशा से मेरी प्राथमिकता में थी पर कभी यात्रा का संयोग नहीं बन पाया था और अब अचानक से इस जगह पर पहुंच गया तो खुशी तो हुई लेकिन आश्चर्य भी हुआ।

भोपाल यात्रा के दौरान एक दोस्त से मिलने विदिशा गया हुआ था और बेतवा नदी के खूबसूरत तट पर टहलते हुए मुझे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि हम सब भारत की सबसे पुरानी पत्थर की संरचना के इर्द गिर्द खड़े हैं। तभी उसने कहा चलो कल शाम सांची चलते हैं।सांची? मैंने सवाल किया, उसने जवाब में कहा हां सांची और एक दिन बाद हम सब रायसेन जिले में स्थित इस छोटी सी ग्राम पंचायत में पहुंच गए।

क्या यह वही सांची है जिसे दुनिया भर में महात्मा बुद्ध की ऐतिहासिक और पुरातत्विक विरासत के रूप में जाना जाता है? उसने कहा बिल्कुल यह वही जगह है और यहां पर एक नहीं अनेकों मठ, मंदिर और बौद्ध स्मारक हैं। इन सभी संरचनाओं का निर्माण तीसरी शताब्दी के आसपास कराया गया था जिसकी वजह से यह स्मारक देश की सबसे पुरानी पत्थर की संरचनाओं में आते हैं।

मुझे यह सब जानकर पहले ताज्जुब हुआ फिर खुशी से मन झूम गया क्योंकि यह जगह हमेशा से मेरी प्राथमिकता में थी पर कभी यात्रा का संयोग नहीं बन पाया था और अब अचानक से इस जगह पर पहुंच गया तो खुशी तो हुई लेकिन आश्चर्य भी हुआ।

यह बात मुझे पहले से मालूम थी कि मध्यप्रदेश का सांची स्तूप देश के बेहद खूबसूरत जगह में से एक है। यहां घूमने के लिए लाखों लोग आते हैं इसलिए मेरा मन इस जगह पर आने के लिए पहले से तैयार था। इसीलिए यहां आने को लेकर कोई असमंजस वाली स्थिति नहीं थी। मेरे मन में बुद्ध भगवान के प्रति आस्था का भाव आया और मैंने उन्हें सच्चे हृदय से याद किया।

इस जगह पर आकर ऐसा लगता है कि किसी और ही दुनिया में आ गए हैं। यह जगह अपने आपमें अदभुत है। जिधर देखो उधर ही शान्ति और आस्था का भाव दिखाई देता है। यहां के नजारें बेहद खूबसूरत हैं। अमूल्य धरोहर के चलते यह जगह विश्व विरासत के नक्शे पर भी आती है, जिसकी वजह से स्थानीय लोगों के साथ साथ कई विदेशी सैलानी भी दिखाई देते हैं।

मुझे यह जगह काफी अच्छी लगी। खासकर इस जगह का वातावरण, मठ, मंदिर और बौद्ध स्मारकों की अद्भुत संरचना। साथ ही साथ मन में यह भी ख्याल आया कि हम अब तक क्यों नहीं आए। मेरा मानना है कि यदि आप घूमने फिरने के शौकीन हैं और बौद्ध धर्म के प्रति तनिक भी आस्था रखते हैं तो आपको इस जगह पर आना चाहिए।

हम तो रायसेन में थे लेकिन भोपाल से भी ये सिर्फ 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भगवान बुद्ध के स्तूप होने के नाते जगह का महत्व बहुत ही ज्यादा है। लोग इस जगह पर आकर सबसे ज्यादा यहां स्तूपों में छिपे भगवान बुद्ध के संदेशों को तलाशते हैं। आप यहां रेल मार्ग से भी आ सकते हैं। सांची पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन विदिशा है। नहीं तो आप भोपाल से सीधा सड़ग मार्ग से भी पहुंच सकते हैं। मध्यप्रदेश के बाहर से आ रहे हैं तो भोपाल का राजा भोज विमानतल नजदीकी एयरपोर्ट है।

विश्व प्रसिद्ध सांची स्तूप सांची में स्थित है। जिसकी वजह से भोपाल, रायसेन और विदिशा आने वाले यात्री इस जगह पर आते ही आते हैं। फिर भला हम क्यों पीछे रहते। हम जैसे ही यहां पहुंचे एक विशाल अर्ध-परिपत्र, गुंबद के आकार के कक्ष के रूप में सांची का स्तूप सामने दिखाई देने लगा और जैसे-जैसे करीब गए एक अद्भुत शांति का अनुभव मन में उतरता गया। कुछ देर के लिए मैं बैठ गया और एकटक इस अद्भुत संरचना को निहारता रहा। इस जगह पर बैठना और तरह तरह की संरचनाओं को देखना मेरे मन को सुकून दे रहा था।

गुम्बद के चारों ओर परिक्रमा पथ है जिसमें प्रवेश के लिए चार द्वार बनाए गए हैं जो कला और स्थापत्य के उत्कृष्ट नमूने हैं। इन पर भगवान बुद्ध के जीवन को शब्दों और प्रतीकों के रूप में दशार्या गया है। यह एक ऐसी जगह है जहां पहुंचकर बिल्कुल शांत हो जाने का मन करता है। मन करता है कि किसी जगह पर बस बैठ जाएं और महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं को दोहराते रहें। इस जगह की आसपास की वीरानी में जो शांति का अनुभव होता है वह शायद ही कभी पहले हुआ हो।

यह जगह ऊंचाई पर स्थित है और कहीं से भी देखो गुम्बद स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इसी गुम्बद नुमा कक्ष में भगवान बुद्ध के अवशेषों को शांतता से दशार्या है। यह पूरी संरचना ईंट से बनायी गई है, इस पर जगह-जगह तीसरी शताब्दी की तारीखें दिखाई गयी है। कहा जाता है कि इस स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक ने अपनी पत्नी के कहने पर कराया था लेकिन बाद के दिनों में यह खंडहर में परिवर्तित होकर मिट्टी के नीचे दब गया था। वर्ष 1818 में इनकी फिर खोज हुई और इसकी खोई हुई रौनक धीरे-धीरे फिर से लौटी।

महात्मा बुद्ध के निर्वाण के बाद सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रति अपनी असीम श्रद्धा और आस्था का परिचय देने और प्रसार प्रचार के लिए भारत और अफगानिस्तान में बड़ी संख्या में स्तूपों का निर्माण कराया। कहीं कहीं तो इस बात का भी जिक्र मिलता है कि इस दौरान सम्राट अशोक ने लगभग 84000 स्तूपों का निर्माण कराया।

सांची स्थित इस स्तूप में महात्मा बुद्ध के कुछ अंगों को दफनाया गया है जिसकी वजह से ये भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में प्रेम शांति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। इसकी बनावट और कारीगरी इतनी लाजवाब है कि 1989 में इसे यूनेस्को ने अपनी वैश्विक धरोहर में शामिल कर लिया और इसके संरक्षण का कार्य कर रहा है।

भोपाल से महज कुछ ही दूरी पर स्थित यह जगह सदियों तक गुमनामी के अंधेरे में रहने के बावजूद भी वास्तुकला की अद्भुत मिशाल के तौर पर जानी जाती है। भोपाल अगर आते हैं तो कम से कम सांची तक जरूर आईये और इस अद्भुत जगह पर आकर अपनी आत्मिक शांति को सुनिए, खुद में उतरने की कोशिश कीजिए, अपने आपको उस रूप में पहचानिए जैसे कि महात्मा बुद्ध ने खुदको पहचाना था। यह एक ऐसी जगह है जो आपको निराश नहीं करेगी।

व्यंग्य

मन का रावण

दिलीप कुमार

हां, तुम्हारी मृदुल इच्छा
हाय मेरी कटु अनिच्छा
था बहुत मांगा ना तुमने,
किंतु वह भी दे ना पाया।
था मैंने तुम्हे रुलाया,,

ये एक तसल्ली भरा सन्देश है उन लोगों की तरफ से जिन्होंने इस बार मन के रावण को पुष्पित-पल्लवित नहीं होने दिया। इस बार का दशहरा बहुत फीका फीका रहा।फेसबुक के कॉलेज से ग्रेजुएट और व्हाट्सप्प विश्वविद्यालय से दीक्षा प्राप्त लोग अभी मन के रावण को झाड़ पोंछ कर सामने ही लाये थे ।उसे कैसे मारा जाये ये लोगों को समझाने का सोच ही रहे थे कि विगत वर्षों से खार खाये लोगों ने पहले ही हमला कर दिया कि हम पुतले वाले रावण को जलाएंगे भी और मारेंगे भी। दशहरे का मेला भी देखने जाएंगे और आतिशबाजी का आनन्द भी लेंगे और उस पर तुर्रा ये कि फेसबुक पर फोटो भी लगायेंगे। कुछ लोग ने विगत वर्षों की उस पोस्ट को झाड़ा पोंछा और मानवता की दुहाई देते हुए ये कहने को उद्धत थे कि किसी का मृत्यु गाजे-बाजे और उत्सव के साथ कैसे मनायी जा सकती है भले ही वो रावण ही क्यों ना हो । एक मोहतरमा ने रावण के संयम की तारीफ की और लिखा कि उसने तो सीता जी को फीमेल बॉडीगॉर्ड दे रखे थे,वो बहुत कंसर्न वाला था, इस पर किसी नॉटी बॉय ने उनकी वाल पर टिप्पणी चेप दी, कि भगवान आपको रावण जैसा पति दे, मैडम ने अपना फेसबुक अकाउंट डीएक्टिवेट कर दिया शायद अपने मन के रावण की साध पूरी करने के लिये अपना रावण खोजने निकल गईं।

ये सिलसिला यहीं तक नहीं रुका पर्यावरण प्रेमी एक और खातून ने ये दलील दी कि आतिशबाजी से उन्हें दमा का दौरे जैसे हालत हो जाती है ,ये बात उन्होंने सिगरेट का कश लगाते हुए कही तो लोगों ने उन्हें प्रियंका चोपड़ा की याद दिलायी जिन्हें कॉक्स बाजार के शरणार्थी तो नजर आ जाते हैं मगर दिल्ली में बेहद बुरे हाल में रह रहे कश्मीरी पंडित नहीं दिखते ।तब से वो भी कोप भवन लिये बैठी हैं कि अच्छी बात सुनने को कोई तैयार नहीं,,,नानक दुखिया सब संसार ।

सबके अपने अपने दुःख हैं सोने की महंगाई से दुखी और अपने इच्छानुसार गहना ना खरीद पाने की टीस में बनारस के लंका इलाके में रहने वाली महिला ने ट्वीट करके अपना दुःख निकाला कि काश मैं इस लंका में ना रहती होती ,बल्कि वो टाइम में रावण की सोने की लंका में रहती होती तो अपनी चॉइस के हिसाब से मन भर सोना ले सकती थी,, हाय रावण, कितनी गजब रही होगी तेरी सोने की लंका। लोगों ने उसकी इस इच्छा की तुलना कराची में अमन की गारंटी से की। वैसे रावण मरा या नहीं मरा ये तो नहीं पता मगर ऐन दशहरे के वक्त इमरान खान नियाजी ने अपनी आत्मा में रावण का भरपूर प्रवेश हो जाने दिया। भूखे नँगे पाकिस्तान ने सिख श्रद्धालुओं को करतार पुर जाने के लिये जो बीस डॉलर की शर्त रखी है उससे तो रावण भी शर्मिंदा हो गया होगा ।ये किसी ने नहीं सोचा मगर ये जजिया कर तो पाकिस्तान वसूलेगा ही। पाकिस्तान भूखा नँगा और इरादतन बदमाश है पैसे से गोपाल सिंह चावड़ा जैसे खालिस्तान समर्थकों की मदद भी करेगा दशहरे का जिक्र चला तो एक प्रसिद्द प्रोग्रसिव महिला ने पोस्ट लगायी कि सूर्पनखा के नाक कान लक्ष्मण को नहीं काटने चाहिए थे, ये एक किस्म का वायलेंस अगेंस्ट वीमेन है। उनकी बात पर लाइक और कमेंट की शुरूआत हो गयी। दशहरे की छुट्टी के दिन किया गया ये कमेंट मशहूर हो ही रहा था कि एक खाली बन्दे ने छुट्टी का सदुपयोग करने का सोचा ।उसने मणिरत्नम का नाम देखकर रावण फिल्म देख ली। अभिषेक बच्चन की फिल्म रावण पूरी देखकर वो बन्दा अपना सर दीवाल पर फोड़ने ही जा रहा था कि उसे सूर्पनखा वाली पोस्ट नजर आ गयी। उसने मैडम से पूछा कि क्या सूर्पनखा का विवाहित राम पर शादी करने का दबाव डालना उचित था। क्या ये अन एथिकल एक्ट नहीं था ,क्या ये स्टॉकिंग नहीं था, क्या ये मानसिक उत्पीड़न नहीं था राम और सीता का। इस पर कौन सी दफा लगेगी।

मैडम उसका ये जवाब सुनकर बहुत नाराज हो गयीं शीघ्र ही वो जंतर मंतर पर इसके खिलाफ एक मोर्चा निकालेंगीं ।मन का रावण के फ्लॉप शो के बाद करवा चौथ पर लम्बी तैयारी थी कुछ अति उत्साही महिलाओं की, उनके एजेंडे में था इस पुरातन त्यौहार का बहिष्कार। बरसों से ऐसा करके वो सोशल मीडिया पर अपना सिक्का चलाती रहीं थीं ,कि किसी की जिंदगी, तरक्की के लिये हम व्रत क्यों रहें ,वो पुरुष क्यों नहीं रहते व्रत,, मगर इस बार मन के रावण के फ्लॉप शो के बाद उनकी अनुयायी बिदक गयीं और वो अकेली पड़ गईं,,, उनकी तमाम अपीलों के बाद भी वो अकेली पड़ गईं, अधिकांश महिलाओं ने व्रत,पूजा पाठ, श्रृंगार, आभूषण का विकल्प चुना,,, इस बार भी करवा चौथ सफलतापूर्वक और धूमधाम से हुआ। वो बहुत बिगड़ीं ,लेकिन क्रांति के लिये करवा चौथ को कुछ लोगों ने ड्राई डे घोषित कर दिया।। हाय रे मन का रावण,,,, उसके बाद दीपावली, अयोध्या में पांच लाख दिए जले, हंगर इंडेक्स वाले आंकड़ों से सरकार पर ऊँगली उठाते रहे और लोगों ने खाद्य तेल की नदियां बहा दीं। मंदी का रावण न जाने कहाँ गायब हो गया, ऑटोमोबाईल सेक्टर,सोना चांदी और बाकी वस्तुओं की बिक्री ने रिकॉर्ड तोड़ दिये,,, हाय हाय मन की रावण की तीसरी सीरीज भी फेल रही। मरता क्या ना करता, ध्वनि और वायु प्रदूषण वालों ने तख्तियां उठा रखी हैं,,,, ई दिवाली और ग्रीन दिवाली वालों ने कमर कस रखी है,, मन के रावण को चौथी बार हेल्थ ड्रिंक पिलाकर खड़ा किया जा रहा है,,, देखते हैं,,, मन का रावण चौथी बार क्या क्या करता है ?

'जारे जागे सुभाउ हमारा
अनभल देख ना जाइ तुम्हारा'

चित्र पदर्शनी

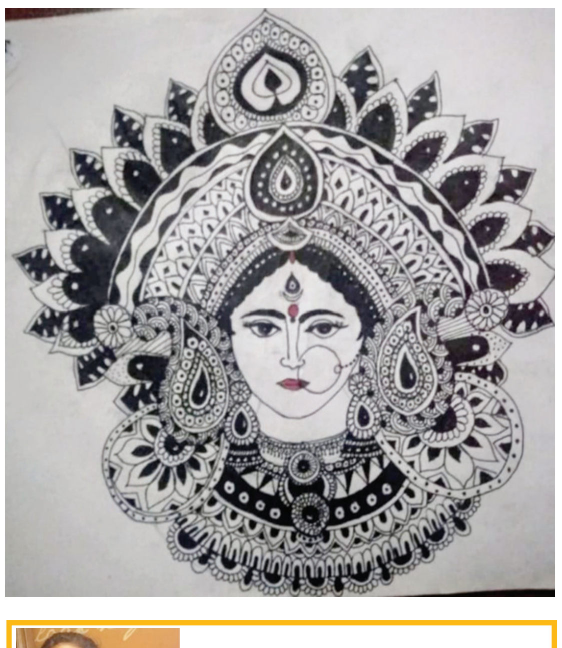

आकांक्षा उपाध्याय
गोरखपुर

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

गुडविल पब्लिक स्कूल ने चलाया नशा मुक्ति अभियान

RANCHI : गुडविल पब्लिक स्कूल कोनकी के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने शनिवार को नशा मुक्ति अभियान चलाया। इस अभियान में बच्चों ने नशा से होने वाले नुकसान और बचने के उपाय से संबंधित विषयों पर चित्रकारी की। साथ ही अभियान का पोस्टर लेकर आसपास के 6 गावों तक गूंजते नारों से संदेश पहुंचाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य तौफीक राजा ने बताया कि हमारे इस अभियान का उद्देश्य है कि हमारा समाज नशा से मुक्त हो और ये जो छोटे बच्चे हैं जो ये नारे लगा रहें हैं, वो अगर कल को कोई नशा करने जाए तो पहले उसको अपना ही ये अभियान जरूर याद आए। इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रधानाचार्य ने सभी बच्चों विशेषकर शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को बधाई दी।

जापान टीम की खिलाड़ी नगाई हाजुकी को किया सम्मानित

RANCHI : झारखंड वूमेंस एशियन चैंपियनशिप ट्रॉफी मैच में जापान टीम की खिलाड़ी नगाई हाजुकी ने शनिवार को 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच पूरा किया। इस मौके पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड सरकार के मंत्री मिथलेश ठाकुर एवं विकास आयुक्त, झारखंड अरुण कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से इस जापानी महिला खिलाड़ी की उपलब्धि पर मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने वाल्मीकि जयंती की दी शुभकामनाएं

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने वाल्मीकि जयंती की सभी को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि प्रभु श्री राम के आदर्श चरित्र को लिपिबद्ध कर महाग्रंथ ह्यरामायणह्ण की रचना करने वाले, महान रचनाकार ह्यआदिकविह्ण महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन किया है। साथ ही सभी लोगों को वाल्मीकि जयंती की शुभकामनाएं दी है।

आईजी मुख्यालय की समीक्षा बैठक 30 को

RANCHI : झारखंड पुलिस मुख्यालय में आईजी मुख्यालय मनोज कौशिक 30 अक्टूबर को समीक्षा बैठक करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आईजी मुख्यालय सभी जिलों के एसएसपी और एसपी के साथ बैठक करेंगे। इस संबंध में सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को पत्र लिखा गया है। पत्र में कहा गया है कि झारखंड पुलिस मुख्यालय पीजी पोर्टल में कुल 807 शिकायत लंबित पायी गयी है। इसमें सभी एसएसपी और एसपी को शामिल होने के लिए कहा गया है। लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादित करने के लिए यह समीक्षा बैठक बुलायी गयी है।

मुख्यमंत्री ने पत्रकार के निधन पर जताया शोक

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कौमी तंजीम अखबार के स्थानीय संपादक एएच रिजवी के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता को उन्होंने हमेशा मजबूत करने का काम किया। पत्रकारिता में उनके योगदान को कभी भूला नहीं सकते। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति दें। मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद ने भी एएच रिजवी के निधन पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि वे सरल व्यवहार और कुशल व्यक्तित्व के धनी थे। पत्रकारिता को उन्होंने अलग आयाम दिया। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में जगह दें और शोक संतप्त परिजनों को दुःख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24 Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने नेतृत्व विकास मिशन शिविर कार्यक्रम का किया आयोजन

वंचितों के बीच नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए एलडीएम का लिया गया है संकल्प : अविनाश

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश कांग्रेस कमिटी की ओर से शनिवार को नेतृत्व विकास मिशन (एलडीएम) शिविर कार्यक्रम का आयोजन मोरहाबादी स्थित गीतांजलि बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वाल्मीकि जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित कर की गयी। इस दौरान मुख्य अतिथि झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे सहित अन्य नेताओं ने संयुक्त रुप से नेतृत्व विकास मिशन की पुस्तिका का विमोचन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते अविनाश पांडे। • फोटोन न्यूज

मौके पर कांग्रेस झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने एससी और एसटी आरक्षित सांसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में वंचित वर्गों के बीच नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए एलडीएम का संकल्प लिया गया है। इसमें एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक विभाग सक्रिय भूमिका निभायेंगे। यह समन्वयक समिति एक दूसरे को जोड़ने के लिए बनाया गया है। इसमें सभी ईकाई को एक साथ प्रदेश स्तर , लोकसभा स्तर, विधानसभा स्तर, प्रखंड, मंडल स्तर समन्वय बनाने का एक मात्र उद्देश्य हमारी मजबूती एवं और हमारे जो एलडीमए मिशन के पदाधिकारी को सहयोग उनको मार्गादर्शन करना है।

मौके पर एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक विभाग के नेशनल कॉडिनेटर के राजू ने कहा कि लीडरशीप डेवलपमेंट मिशन पार्टी का बहुत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। ये मिशन का मुख्य उद्देश्य है कि एससी- एसटी ओबीसी, अल्पसंख्यक नेताओं का नेतृत्व विकास करने उनको आगे बढ़ाने का मिशन है ताकि अपने समुदाय को नेतृत्व प्रदान कर सके।

एससी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश लिलोटिया ने बाल्मिकी जंयती पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह मिशन एससी एसटी, ओबीसी, और अल्पसंख्यक समुदायों से नई पीढ़ी के नेताओं का विकास करना मिशन का मुख्य उद्देश्य है।

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि एलडीएम को एससी एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं को विकासित करने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के आधार पर लागू किया जाएगा। जो इन समुदाय को सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम करेंगे और उनके बीच कांग्रेस पार्टी की पहुंच का विस्तार करेंगे।

पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

RANCHI : प्रदेश कांग्रेस कमिटी की ओर चलाये जा रहे अभियान आ अब लौट चलें के तहत शनिवार को पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव इटकी रोड स्थित आगमन वैंक्वेट हॉल में अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने माला एवं पट्टा पहनाकर पार्टी में स्वागत करते हुए घर वापसी किया।

कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करतीं मंत्री गीताश्री उरांव। • फोटोन न्यूज

प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की ओर से भारत जोड़ो यात्रा का परिणाम है कि लोगों का झुकाव कांग्रेस की ओर तेजी से बढ़ रहा है। गीताश्री उरांव आदिवासी महिला के रूप में काफी चर्चित रहीं हैं और आदिवासियों के बीच जाकर काम करना, उनके सुख-दुख में सहभागी बनना इनकी पहचान है। उन्होंने कहा कि गीताश्री उरांव के आने से पार्टी को बल मिलेगा।

मौके पर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि आज खुशी की बात है कि गीताश्री उरांव जैसी मजबूत आदिवासी महिला की घर वापसी हो रही है। यह एक सुखद पल है ।

इस अवसर पर कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि शिक्षा मंत्री के रूप में गीताश्री उरांव की कार्य सराहनीय रहा है। इनके पारिवारिक विचार-धारा ही कांग्रेस का है।

झारखंड में 1.60 लाख की केसीसी लोन के लिए गारंटी जरूरी नहीं

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में किसानों को बिना किसी दस्तावेज के 1.60 लाख रुपये तक केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) लोन दिया जा रहा है। अब किसानों को दस्तावेज वेरिफिकेशन के लिए बैंक का चक्कर काटने की कोई जरूरत नहीं है। राज्य में 1.60 लाख रुपये का केसीसी लोन लेने के लिए किसान को किसी भी तरह के दस्तावेज (गारंटी) देने की जरूरत नहीं है।

हालांकि, इस वर्ष मात्र तीन हजार किसानों ने ही डेढ़ लाख से दो लाख रुपये तक केसीसी ऋण लिया है। अधिकतम लोन 50 हजार रुपये से एक लाख रुपये के बीच लिया जाता है। कुल 4.15 लाख किसानों ने 25 हजार से 50 हजार रुपये तक का कर्ज लिया है। किसान क्रेडिट कार्ड लोन को लेकर आरबीआई की तरफ से नई गाइडलाइंस जारी की गई है। इस गाइडलाइंस के माध्यम से केसीसी लोन को पूरी तरह से डिजिटल किया जा रहा है। इसे किसानों यह फायदा होगा कि उन्हें लोन लेने के लिए किसी भी तरह के डॉक्यूमेंट को लेकर बैंक की ओर रुख करने की जरूरत नहीं है। इसके तहत जैसे ही किसान केसीसी लोन के लिए अप्लाई करेंगे, वैसे ही बैंक अपने आप उसकी सारी जानकारी और दस्तावेज इकट्ठा कर लेगा और किसान का लोन पास कर दिया जाएगा।

झामुमो और कांग्रेस की गठबंधन सरकार ने अपने घोषणा पत्र में किसानों को आश्वासन दिया था कि वह सबके 50 हजार रुपये तक का कर्ज चुकाएगी और इसके जरिए राज्य के 4.68 लाख किसानों का 50,000 रुपये तक का केसीसी ऋण माफ कर दिया गया है। हालांकि, कुछ बचें किसानों के ऋण को लेकर बैंक में वेरिफिकेशन की प्रक्रिया अभी भी जारी है। सत्यापन के बाद बाकी किसानों का भी 50 हजार रुपये तक का कर्ज माफ कर दिया जाएगा।

राज्य में लगातार दो वर्ष से बारिश काफी कम मात्रा में हुई, जिस वजह से सुखाड़ की स्थिति बनी हुए। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए कई योजनाओं पर काम कर रही है। इस साल राज्य सरकार ने केसीसी पर लगने वाले चार फीसदी ब्याज का बोझ खुद उठाने का फैसला किया है। दरअसल, केसीसी पर कुल सात फीसदी ब्याज देना होता है। इसमें अब तक तीन फीसदी ब्याज केंद्र सरकार और तीन फीसदी राज्य सरकार देती है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मातृ पूजन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

समाज में बदलाव तभी आएगा जब बच्चों का संस्कार बदलेगा : सीमा शर्मा

PHOTON NEWS RANCHI : शहर में मातृ पूजन कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा, रांची के प्राथमिक खंड के तत्वावधान में शनिवार को हुआ। इसका उद्देश्य वर्तमान समय में भौतिकतावादी शिक्षा के प्रभाव एवं मूल्यपरक शिक्षा के अभाव में बच्चे जन्मदात्री मां को विस्मृत कर रहे हैं, जिससे सदियों की पारिवारिक परंपराओं का ताना-बाना टूट के कगार पर है और वृद्धा आश्रम का बाहुल्य हो रहा है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रांची महाविद्यालय रांची की प्राध्यापक डॉ सीमा शर्मा ने कहा कि समाज में बदलाव तभी आएगा जब बच्चों का संस्कार बदलेगा। संस्कार जगाने के लिए हमें तन-मन से माता-पिता की पूजा अर्चना करनी चाहिए। उन्होंने विद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा शिक्षा के साथ-साथ संस्कार जगाने का कार्य करता है । बच्चों का संस्कार बदलने के लिए बच्चों के प्रति माता का मधुर संबंध होना चाहिए।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि स्टेट बैंक आफ इंडिया की सहायक महाप्रबंधक कविता कुमारी ने कहा कि बच्चों में संस्कार युक्त वातावरण के लिए इस तरह के कार्यक्रम सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जैसे विद्यालयों में ही होते हैं । प्रेम, भाईचारा की भावना, गरीबों एवं असहायों की सेवा ही परम धर्म है- ऐसी सीख से बच्चे संस्कारवान बनते हैं। इससे समाज एवं राष्ट्र का कल्याण हो पाता है।

कार्यक्रम में शिशु विकास मंदिर समिति के अध्यक्ष शक्तिनाथ लाल दास, मंत्री अखिलेश्वर नाथ मिश्रा, सह मंत्री डॉ धनेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष एस. वेंकट रमन, सदस्य आशीष नाथ शाहदेव, लाल अशोक नाथ शाहदेव, अमरकांत झा, ललन कुमार एवं कुमरेंद्र झा मौजूद थे।

विहिप ने महर्षि वाल्मीकि का पूजन कर मनायी जयंती

PHOTON NEWS RANCHI : विश्व हिंदू परिषद रांची महानगर की ओर से शनिवार को बिरसानगर, चाणक्य नगर, प्रताप नगर, श्रीराम नगर सहित कई स्थानों पर महर्षि वाल्मीकि जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम में सभी वर्ग के लोगों ने एकत्र होकर महर्षि वाल्मीकि का पूजन किया और जयंती मनायी। साथ ही उनके चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का का भी आयोजन किया गया।

महर्षि वाल्मीकि का पूजन करते विहिप कार्यकर्ता। • फोटोन न्यूज

बिरसानगर समिति की ओर से हटिया चौक स्थित शिव मंदिर में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। इसमें पुरुषों के साथ-साथ माताएं बहने भी काफी संख्या में उपस्थित थी। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख मिथिलेश्वर मिश्र ने कहा महर्षि वाल्मीकि ने रामायण महाकाव्य की रचना की एवं इसके माध्यम से भगवान राम की प्रेरक कथा को जन जन तक पहुंचने का कार्य किया। महर्षि वाल्मीकि की पूजा करने वाले वाल्मीकि समाज के बंधु उन धर्म योद्धाओं के वंशज हैं जिन्होंने विदेशी आक्रांताओं की यातनाएं सही परंतु हिंदू धर्म नहीं छोड़ा।

हिंदू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए जातिगत भेदभाव को मिटाकर हिंदू समाज को संगठित करना ही विश्व हिंदू परिषद का लक्ष्य है। कार्यक्रम में रांची महानगर मिलन केंद्र प्रमुख मुकेश गिरी, बिरसानगर मंत्री विजय मिश्र, नगर सामाजिक समरसता प्रमुख राम निरंजन, नर्मदेश्वर ,कांति देवी, निर्मला देवी, सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता में पंच मंदिर दुर्गा पूजा समिति हरमू को प्रथम स्थान

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम की स्वच्छ दुर्गा पूजा पंडाल प्रतियोगिता में हरमू स्थित पंच मंदिर दुर्गा पूजा समिति को प्रथम स्थान से नवाजा गया है जबकि द्वितीय स्थान पर जोड़ा तालाब स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी महावीर मंदिर दुर्गा पूजा समिति और तृतीय स्थान पर गोंदा स्थित सीएमपीडीआई श्री श्री दुर्गा पूजा समिति रहा।

निगम की ओर से शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार आम जन जीवन में स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शहर में आयोजित होने वाले दुर्गा पूजा के मद्देनजर बनाये जाने वाले पूजा पंडालों के लिए स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का अयोजन कराया गया था। स्वच्छता के विभिन्न मानकों पर कुल 200 अंक निर्धारित किये गये थे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले पूजा पंडाल को 25 हजार, द्वितीय के लिए 15 हजार तथा तृतीय लिये दस हजार रुपये का प्रोत्साहन राशि दिया जाना है।

निगम की ओर से 20 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक विभिन्न पंडालों का भ्रमण कर निगम के टीम की ओर से निर्धारित मानकों के आधार पर मुल्यांकन किया गया, विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों को प्राप्त अंकों के आधार पर प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पूजा पंडाल का चयन किया गया। विजेताओं को सम्मानित करने के लिए जलछ ही तिथि की घोषणा की जायेगी।

रिम्स के ट्रामा सेंटर के पहले तल्ले पर की गई कुपोषण उपचार केंद्र की स्थापना

31 को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता डायलिसिस यूनिट लाइब्रेरी और कुपोषण उपचार केंद्र का करेंगे उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता रिम्स में 31 अक्टूबर को पीपीपी मोड पर संचालित डायलिसिस यूनिट, लाइब्रेरी और अपर रेफरल कुपोषण उपचार केंद्र का अधिकारिक उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा येलो फीवर वैक्सीनेशन सेंटर, ट्रामा और रेडियोलॉजी सेंटर के बाहर मरीजों और उनके परिजनों के लिए बने विश्राम केंद्र का भी उद्घाटन करेंगे।

रिम्स में नेफ्रोप्लस की ओर से संचालित केंद्र डायलिसिस केंद्र की शुरूआत 17 अक्टूबर को ही कर दी गई है। अब 31 से ओपीडी बेसिस पर मरीजों की डायलिसिस शुरू कर दी जाएगी। रिम्स के निदेशक डॉ राजीव गुप्ता ने बताया कि 25 बेड की इस व्यवस्था के अलावा पहले से संचालित 10 बेड पुरानी डायलिसिस यूनिट चलती रहेगी। यहां कार्डधारी, आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के मरीजों को निशुल्क डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। सामान्य मरीजों की डायलिसिस 1341 रुपये में की जाएगी।

रिम्स के ट्रामा सेंटर के पहले तल्ले पर कुपोषण उपचार केंद्र की स्थापना की गई है। यहां विभिन्न कुपोषण ट्रीटमेंट सेंटर से वैसे बच्चों को रेफर किया जाएगा, जिन्हें विशेष देखभाल और इलाज की जरूरत होगी। उनका इलाज यहां रखकर किया जाएगा। इस केंद्र की नोडल पदाधिकारी डॉ आशा किरण होंगी। पीडियाट्रिक विभाग के एचओडी की देखरेख में इस केंद्र का संचालन किया जाएगा। यहां कुपोषित बच्चों को डाइट के तहत भोजन भी दिया जाएगा। साथ ही संपूर्ण इलाज की व्यवस्था होगी।

एकेडमिक ब्लॉक के चारों ब्लॉक में लाइब्रेरी बनाई गई है। इसका भी 31 अक्टूबर को औपचारिक उद्घाटन किया जाएगा। इस लाइब्रेरी में रिम्स के 501 छात्र एक साथ बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। इस लाइब्रेरी में 92278 किताबों की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा 81 कंप्यूटर भी इंटरनेट के साथ लगाए जा रहे हैं।

रिम्स में येलो फीवर वैक्सीनेशन सेंटर का भी उद्घाटन किया जाएगा। इससे पहले ट्रायल के तौर पर अब तक 12 लोगों को वैक्सीन दिया जा चुका है। कई देशों का दौरा करने वाले यात्रियों को येलो फीवर वैक्सीनेशन लेना अनिवार्य होता है। इससे लोगों को लाभ होगा। इसके अलावा निदेशक ने जानकारी दी कि यूरोलॉजी में 16 और नेफ्रोलॉजी में 6 बेड बढ़ाए गए हैं। इसके साथ नीकू और पीकू में भी बेडों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

16 नवंबर से सीएम करेंगे 'आपकी योजना आपकी सरकार कार्यक्रम की शुरूआत

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 16 नवंबर से 'आपकी योजना, आपकी सरकार,आपके द्वार' कार्यक्रम का तीसरा चरण शुरू करने वाले हैं। मुख्यमंत्री साहिबगंज के बरहेट में अमर शहीद सिदो कान्हू के जन्मस्थली भोगनाडीह से इसकी शुरूआत करेंगे। इसका समापन दिसंबर महीने के अंतिम सप्ताह में धरती आबा बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर होगी।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने बताया कि 'आपका अधिकार, आपकी सरकार,आपके द्वार-3.0' की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और विधिवत इसकी जानकारी मीडिया के माध्यम से जनता को दी जाएगी। विनोद पांडेय ने कहा कि इस कार्यक्रम के दौरान जिस जिस जिले में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम होगा वहां की जिला और प्रखंड इकाई पूरी तरह सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री की 16 नवंबर से प्रस्तावित 'आपका अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार-3.0' बाबूलाल मरांडी की राज्यव्यापी संकल्प यात्रा की समाप्ति के बाद हो रही है। बाबूलाल मरांडी की करीब दो महीना 10 दिन चली संकल्प यात्रा को झामुमो प्रभावहीन और हाट बाजार की सभा बता कर तंज कसता रहा है। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि बाबूलाल मरांडी ने अपने संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा के दौरान अपने आक्रमण के केंद्र में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रखा है। इस बीच भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, बेरोजगारी सहित कई मुद्दों को भी उठाया था। अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तैयारी अपनी यात्रा के दौरान बाबूलाल मरांडी के आरोपों का जवाब देने के साथ साथ महागठबंधन की सरकार की बड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं, यूनिवर्सल पेंशन, ओल्ड पेंशन स्कीम, नियुक्ति एवं अन्य उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने की है।

BRIEF NEWS

तांतनगर में डोभा में डूबने से व्यक्ति की मौत

CHAIBASA : तांतनगर ओपी अंतर्गत तांतनगर के नीचे टोला में सतीश बिरूली (49 वर्ष) की डोभा में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम को सतीश गांव नीचे टोला स्थित डोभा के पास गुड़ाखू रगड़ रहा था। इसी दौरान चक्कर आने से पानी में गिर गया। सतीश पानी से निकल नहीं पाया और डूब गया। इससे उसकी मौत हो गई। बहरहाल पुलिस सतीश के मौत की जांच में जुटी है। मृतक सतीश अविवाहित था। ओपी प्रभारी राहुल कुमार राम ने बताया कि तांतनगर में डोभा में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

बिरमित्रपुर रेलवे स्टेशन पर आर्केस्ट्रा आयोजित

ROURKELA : श्री श्री दुर्गा पूजा समिति द्वारा रेलवे स्टेशन पर शनिवार को आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ओडिशा सरकार के श्रम एवं ईएसआई विभाग के मंत्री सारदा प्रसाद नायक शामिल हुए। बीरमित्रपुर नगरपालिका अध्यक्ष संदीप मिश्रा, बीजू महिला जनता दल अध्यक्ष एम्मा एक्का, जिला परिषद कुआरमुंडा राजेंद्र कुजूर नुआगांव ज्योत दिलरास टेटे प्रमुख इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसमें समिति के सभी कार्यकारिणी सदस्यों एवं बड़ी संख्या में दर्शकों ने आनंद लिया।

नगरपालिका नियुक्ति परीक्षा आज, शहर में बनाये गये 10 केंद्र

JAMSHEDPUR : झारखंड सरकार की ओर से आयोजित नगरपालिका नियुक्ति परीक्षा (जेएमएससीसीई) का रविवार (29 अक्तूबर) को आयोजन किया गया है। इस परीक्षा में करीब 6000 से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए शहर के विभिन्न स्कूलों में केंद्र बनाया गया है। इनमें राजेंद्र विद्यालय, दयानंद पब्लिक स्कूल, गुलमोहर स्कूल, विद्या भारती चिन्मया विद्यालय, केरला पब्लिक स्कूल समेत अन्य स्कूल शामिल हैं। जानकारी के अनुसार परीक्षा तीन पालियों में होगी, जो सुबह से शाम तक चलेगी। इसे लेकर जिला शिक्षा विभाग की ओर से सारी तैयारी कर ली गयी है। साथ ही परीक्षा के दौरान दंडाधिकारी एवं पुलिस जवानों की भी तैनाती की गयी है।

हटाये गए मजदूरों को ठेकेदार ने नहीं किया बकाये का भुगतान

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील के संवेदक मेसर्स अजय एसोसिएट द्वारा छटनी किये गए 25-30 मजदूरों में से कुछ को संवेदक ने कारखाना निरीक्षक के आदेश पर वेतन का भुगतान कर दिया है। लेकिन इन मजदूरों का फुल एंड फाइनल सेटलमेंट नहीं करते हुए नोटिस पे व छटनी मुआवजा का भुगतान नहीं किया गया है। इस मामले की शिकायत पूर्व में जोहार झारखंड श्रमिक महासंघ ने कारखाना निरीक्षक से की थी।

टाटा-थावे एक्सप्रेस को टाटा से राउकेला तक बढ़ाने की हुई मांग

उत्तर भारतीय समन्वय समिति ने रेल मंत्री को सौंपा ज्ञापन

PHOTON NEWS ROURKELA : उत्तर भारतीय समन्वय समिति के बैनर तले राउरकेला स्टेशन मास्टर के माध्यम से रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को एक ज्ञापन सौंपा गया। इसमे जिसमें 15027/28 गोरखपुर हटिया मौर्या एक्स्प्रेस का हटिया से राउरकेला तक बढ़ाने और 18181/82, थावे टाटा एक्सप्रेस का टाटा से राउरकेला तक बढ़ाने की मांग की गई है। मांगे लगभग तीन दशक पुरानी है, रेलवे एवं यात्री दोनो के सहूलियत के लिए है। रेलवे को पर्याप्त यात्रियों की पर्याप्त उपलब्धता मिलेगी एवं यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने हेतु सीधी ट्रेन मिल सकेगी।

रेल मंत्री को ज्ञापन देते समिति के लोग। • फोटोन न्यूज

संगठन के सदस्यों ने कहा कि यह मामला ऐसे ही झूल रहा है। भारतीय रेल जो कभी यात्रियों के उचित मांगों पर अपने स्तर पर जांच परख और विवेचना कर हल निकाल लेती थी,परंतु आज की परिस्थियों को देखकर ऐसा लगता तो नहीं, अन्यथा उपरोक्त गाडियां अब तक चल रही होती।

राउरकेला स्टेशन मैनेजर के मध्यम से ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधमंडल में राष्ट्रीय जन जागरण सेवा संघ के सचिव अरुण सिंह, उद्धव के सचिव,वेद प्रकाश तिवारी, कृष्णा सिंह, सुधीस मिश्रा,अजीत सिंह यादव,हरी शंकर शाह,राष्ट्रीय बिहारी समाज के सचिव पिंकू जयसवाल, बिहार समाज सेवा संघ के ओड़िशा अध्यक्ष सुमेर सिंह, अंतरराष्ट्रीय हिंदी परिषद के उपेन्द्र सिंह, भोजपुरी नवयुवक संघ के चंदन यादव, सम्मान ट्रस्ट के शिव शंकर शर्मा,उत्तर भारतीय महासंघ के सिद्धार्थ लोहानी, सचिदानंद शर्मा शामिल थे।

एक नवंबर से भुवनेश्वर के रास्ते राउरकेला से कोलकाता के लिए शुरू होगी हवाई सेवा

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला-कोलकाता के बीच 1 नवंबर से उड़ान सेवा शुरू हो जायेगी। राउरकेला-भुवनेश्वर के बीच पहले चलने वाले विमान को कोलकाता से जोड़ा जाएगा। फ्लाइट मैनेजमेंट कंपनी अलायंस एयर ने इसके लिए टिकट बेचना शुरू कर दिया है। यह फ्लाइट कोलकाता से सुबह 1.50 बजे रवाना होगी और दोपहर 3.20 बजे भुवनेश्वर पहुंचेगी। यह दोपहर 3.45 बजे भुवनेश्वर से रवाना होगी और शाम 4. 40 बजे राउरकेला पहुंचेगी।

इसी तरह, यह शाम 5.05 बजे राउरकेला से रवाना होगी और भुवनेश्वर होते हुए कोलकाता लौट आएगी।

राउरकेला-कोलकाता टिकट की कीमत 4, 433 रुपये है, जबकि कोलकाता से राउरकेला तक टिकट की कीमत 5,055 रुपये है। वहीं व्यापारियों का कहना है कि राउरकेला से कोलकाता के लिए सीधी उड़ान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर के रास्ते कोलकाता जाने में अधिक समय लगेगा और अधिक पैसे खर्च होंगे।

युवा पीढ़ी को नई मतदाता सूची में शामिल करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

PHOTON NEWS ROURKELA : अगली पीढ़ी के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए राउरकेला महानगर निगम की ओर से शनिवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस मौके पर उदितनगर अंबेडकर स्ट्रीट से मतदाता जागरूकता जुलूस निकला और नेताजी फिटनेस पार्क तक पहुंचा। वहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

राउरकेला महानगर पालिका के उपायुक्त सुदांशु भोई की अध्यक्षता में आयोजित जागरूकता सभा में युवाओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।

रंगोली प्रतियोगिता में शामिल युवतियां। • फोटोन न्यूज

युवा जो कि आगामी एक जनवरी को 18 वर्ष के हो रहे हैं, उनसे अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने का अनुरोध किया गया। इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

गोविंद विद्यालय में हिंदी वाद-विवाद में छात्रों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के तामोलिया स्थित गोविंद विद्यालय तमोलिया में शनिवार को हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल की पहली से लेकर 12वीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। विभाग एक्टिविटी इंचार्ज नौशाद रजिया और उनकी टीम में शामिल पूनम कुमारी, मंजू कुमारी और संजू सिन्हा की देखरेख में प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता के आयोजन का उदेश्य छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, आत्म अभिव्यक्त का निर्माण, व्यक्तित्व कौशल विकसित करना है।

प्रतियोगिता में शामिल विद्यालय के छात्र-छात्राएं। • फोटोन न्यूज

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या कृष्णा मोदक, सचिव अभिषेक शर्मा एवं हिंदी विभाग की शिक्षिकाएं उपस्थित थीं। निर्णायक मंडली में दयाल शंकर पात्रा एवं संजीव कुमार शामिल थे। प्रतियोगिता में सभी कक्षाओं के प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग विषय निर्धारित किये गये थे, जिन पर उन्हों ने अपने विचार रखे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

विधायक की अनुशंसा पर दो स्थानों में हुई डीप बोरिंग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : गोलमुरी केबल टाऊन स्थित बिड़ला मंदिर और मोहरदा स्थित प्राचीन मंदिर पातालेश?वर महादेव मंदिर के समीप विधायक सरयू राय की अनुशंसा पर शनिवार को डीप बोरिंग कराया गया। डीप बोरिंग कार्य की देखरेख कर कर रहे जनसुविधा प्रतिनिधि हरे राम सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों की मांग पर विधायक सरयू राय ने इन कार्यों को करवाया है। इसके लिए

डीप बोरिंग के दौरान मौजूद लोग। • फोटोन न्यूज

अन्य भी स्थल चिन्हित हैं जहां डीप बोरिंग किया जाना है। डीप बोरिंग के पश्चात यहां सबमर्सिबल पंप, पांच हजार लीटर क्षमता का पानी टंकी भी अधिष्ठापित किया जाएगा। यह लग जाने से मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही स्थानीय नागरिकों को इसका लाभ मिल पाएगा। इस मौके पर मुख्य रूप से भाजमो युवा मोर्चा के जिला महामंत्री काशीनाथ प्रधान, असीम पाठक, परनामो गोप, मधुसूदन आचार्य, नूपुर आचार्य, सुप्रिया नायक, पदमिनी देवी, साईवानी देवी एवं सैंकड़ों ग्राम वासी वहां उपस्थित थे।

भाजमो ने की लंबित योजनाओं को शीघ्र शुरू करने की मांग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : भारतीय जनतंत्र मोर्चा (भाजमो) जमशेदपुर महानगर के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव के नेतृत्व में जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के विशेष पदाधिकारी से भेंट की। इस दौरान एक ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में लंबे समय से अधुरे पड़े विकास कार्यों एवं लंबित विकास योजनाओं को यथाशीघ्र शुरू कराने की मांग की। भाजमो ने नगर विकास विभाग की निधि से क्रियान्वित होने वाली योजनाएं जिनका लंबे समय से एकरारनामा पुरा नहीं हुआ है, 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत आने वाली विभिन्न योजनाएं, मोहरदा जलापूर्ति से संबंधित योजना सहित अन्य का कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग की है। इस दौरान मुख्य रूप से भाजमो जिला महामंत्री कुलविंदर सिंह पन्नु, जनुसविधा प्रतिनिधि हरेराम सिंह, आकाश शाह, गोलमुरी मंडल अध्यक्ष कैलाश झा, असीम पाठक, अनिकेत सावरकर सहित अन्य उपस्थित थे।

42 साल से मुस्लिम कारीगर दुर्गा पूजा के दौरान करता है सजावट, बनाता है मुकुट व अन्य सामान

PHOTON NEWS SUNDARGARH : मो. खोकू पिछले 42 वर्ष से कटक से हर साल सुंदरगढ़ आकर धर्मसाला दुर्गा पूजा प्रतिमा की सजावट करता है। आश्चर्यजनक शिल्प कौशल में पारंगत खोकू ने अपनी कला से भक्तों के मन को जीत लिया है। खोकू 42 वर्षों से बड़े दृढ़ संकल्प के साथ दुर्गा पूजा सजावट और देवी मूर्तियों के मुकुट और आभूषण बना रहा है।

42 साल के इस लंबे सफर के दौरान वह पूजा समिति के सदस्य बन गये हैं। अब प्रतिमा सजावट, मुकुट की कीमत काफी है। लेकिन वह देवी की पूजा में

खोकू व उसकी पत्नी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित करते पूजा समिति के लोग। • फोटोन न्यूज

शामिल होने या थोड़ी सेवा करने के विशेषाधिकार के लिए इसका आधा हिस्सा ही लेता है। हिंदू देवता की पूजा में मुस्लिम हाथों ने न सिर्फ त्योहार की शोभा बढ़ाई, बल्कि सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे का अनोखा संदेश भी दिया। इस अवसर पर पूजा समिति ने इस वर्ष धर्मसाला पूजा मंडप में कारीगर खोकू और उनकी पत्नी रुखसार परवीन को सम्मानित किया है।

ज्ञानचंद जैन कॉमर्स कॉलेज में इंटरमीडिएट के छात्रों का पंजीयन-परीक्षा फार्म भरवाना शुरू

PHOTON NEWS CHAIBASA : ज्ञानचंद जैन कॉमर्स कॉलेज में इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं का पंजीयन फार्म- सह परीक्षा प्रपत्र भरवाने का कार्य चल रहा है। झारखंड अधिवध परिषद रांची द्वारा जारी अधिसूचना के तहत प्रथम वर्ष के सभी छात्र-छात्राओं का पंजीयन फार्म सह परीक्षा प्रपत्र महाविद्यालय में भरवाया जा रहा है।

इस आशय की जानकारी देते हुए इंटरमीडिएट के प्रभारी प्रोफेसर करण चन्द टुडू ने बताया कि प्राचार्य डॉ संजीव कुमार सिंह के

फार्म भरने के लिए कतार में खड़े छात्र-छात्राएं। • फोटोन न्यूज

आदेशानुसार और जैक रांची द्वारा दी गई अधिसूचना के आधार पर महाविद्यालय में काम हो रहा है, उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को निर्देश देते हुए कहा कि सभी समय से पंजीयन प्रपत्र सह परीक्षा प्रपत्र भर दें और फर्म भरते समय उसमें कोई भी त्रुटि ना करें अन्यथा पंजीकरण प्रमाण पत्र और एडमिड कार्ड गलत आ जायेगा और फिर उसको सुधरवाने हेतु जैक कार्यालय रांची जाना होगा। इसलिए बाद की परेशानी से बचने के लिए आप सभी फर्म को सही सही भरें।

इंटरमीडिएट विभाग की शिक्षिका प्रोफेसर लक्ष्मी बोदरा ने कहा कि सभी छात्र-छात्राओं को सूचित कर दिया गया है कि वे अपना पंजीकरण प्रपत्र सह परीक्षा प्रपत्र महाविद्यालय आकर भर लें। महाविद्यालय के इंटरमीडिएट विभाग के परमेश्वर जोजो, सामु सिरका, शुकान्ति बहादुर, और आशा गोप उपस्थित थे।

जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित एसआर रूंगटा बी डिविजन लीग

मेघाहातुबुरू ने एसआर रूंगटा ग्रुप को 5 विकेट से किया पराजित

PHOTON NEWS CHAIBASA : जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे एसआर रूंगटा बी डिविजन लीग के अंतर्गत शनिवार को खेले गए मैच में मेघाहातुबुरू क्रिकेट क्लब ने एसआर रूंगटा ग्रुप को पांच विकेट से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए।

स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एसआर रूंगटा ग्रुप की पूरी टीम 29 ओवर में 152 रन बनाकर आल आउट हो गई। कप्तान अभिषेक कच्छप ने नौ चौकों एवं दो छक्कों की सहायता से सर्वाधिक 81 रन बनाए। सुरेंद्र सिंह ने 28 तथा अभिषेक ने 10 रन जोड़े।

मेघाहातुबुरू क्रिकेट क्लब की ओर से कुमार विक्की ने 39 रन देकर तीन, भाष्कर माझी ने 26 रन देकर तीन तथा प्रशांत कुमार ने 10 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

मेघाहातुबुरू की टीम। • फोटोन न्यूज

जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य को मेघाहातुबुरू की टीम ने 27.1 ओवर में पाँच विकेट खोकर प्राप्त कर लिया। विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक कृष्णा ने छः चौकों एवं दो छक्कों की मदद से 83 नाबाद रनों की बेहतरीन पारी खेलकर टीम को जीत दिला दी। अंकुश कुमार ने भी 24 रन बनाए और अंत तक आउट नहीं हुआ जबकि रितुराज मोहंती ने भी 24 रनों का योगदान दिया। रुंगटा माइंस की ओर से विवेक रंजन एवं अभिषेक कुमार को एक-एक सफलता हाथ लगी जबकि तीन खिलाड़ी रन आउट का शिकार हुए।

संतोष ट्रॉफी में झारखंड फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व कर लौटे साधु चरण हाईबुरु को किया गया सम्मानित

CHAIBASA : बीते दिनों उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में आयोजित 77वें सीनियर नेशनल फुटबाल प्रतियोगिता (संतोष ट्रॉफी) में झारखंड फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व कर लौटे खिलाड़ी साधु चरण हाईबुरु को सम्मानित किया गया। शनिवार को टाटा कॉलेज परिसर में प्लेयर्स यूनियन चाईबासा की ओर से उन्हें पुष्प गुच्छ व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया गया। इसी बीच नेलशन पूर्ति ने खिलाड़ियों को जीवन में शिक्षा व खेल के महत्व को बताया। उन्होंने झारखंड फुटबॉल टीम के फुटबॉलर साधु चरण हाईबुरु को सीनियर राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा

साधु चरण हाईबुरु को सम्मानित करते यूनियन के सदस्य। • फोटोन न्यूज

कि साधु चरण ने नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में खेलते हुए झारखंड और अपने गांव व जिला का नाम रोशन किया। वहीं मधु सामड ने कहा कि गांव में भी प्रतिभाएं छिपी हैं मुझे विश्वास है कि साधु चरण आने वाले समय में राष्ट्रीय टीम में शामिल होकर राज्य और देश का नाम रोशन करेगा। बता दें कि साधु चरण हाईबुरु खुंटपानी प्रखंड के गोटाई गांव का रहने वाला है। वह विगत 8 से 17 अक्टूबर तक उत्तर प्रदेश के ग्रेट नोएडा में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता में झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व कर लौटा है। मौके पर युगल पूर्ति, मधु सामड, सुभाष देवगम, संजय सोय, जयपाल सिरका, विकास बालमुचू समेत अन्य खिलाड़ी मौजूद थे।

दिव्यांगों जनों के बीच कृत्रिम अंग वितरित करेगा मारवाड़ी युवा मंच

कार्यक्रम की जानकारी देते युवा मंच के लोग। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : मारवाड़ी युवा मंच, राउरकेला शाखा की ओर से आगामी 31 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच कृत्रिम अंग वितरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में हाथ और पैर से दिव्यांग लोगों के बीच कृत्रिम अंग का वितरण होगा। मारवाड़ी युवा मंच हर साल डेढ़ साल पर यह आयोजन करती आ रही है। अब तक मंच की ओर से छह कैंप आयोजित किये जा चुके हैं। यह सातवां कैंप महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मंत्री राजेंद्र ढोलकिया बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। मंत्री शारदा प्रसाद नायक मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। जानकारी कैंप के प्रोग्राम चेयरमैन अजय शर्मा ने दी। इस अवसर पर प्रोग्राम चेयरमैन अजय शर्मा, सूरज बापुड़िया, अध्यक्ष प्रभाकर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अंकित अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, संतोष जैसवाल, मनीष मेहता उपस्थित थे।

लालू से दूर-दूर आनंद मोहन के पास-पास नीतीश कुमार

बाहुबली के घर पहुंचे तो क्या बोले

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज पूर्व सांसद और बाहुबली आनंद मोहन के पैतृक गांव पहुंचे। उनके साथ जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह भी मौजूद थे। सीएम नीतीश कुमार ने सहरसा के पचगछिया स्थित भगवती प्रांगण में आनंद मोहन के दादा और स्वतंत्रता सेनानी स्व. रामबहादुर सिंह और उनके बड़े बेटे यानी आनंद मोहन के चाचा स्वतंत्रता सेनानी स्व. पद्मानंद सिंह ब्रह्मचारी की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद नीतीश कुमार ने जनसभा को संबोधित भी किया। सीएम नीतीश कुमार के इस कार्यक्रम को लेकर बिहार की सियायत गरमाई हुई है। कहा यह जा रहा है कि "ठाकुर का कुंआ" विवाद पर राजद कोटे से राज्यसभा सांसद मनोज झा की जीभ खींचने वाला बयान देने वाले आनंद मोहन राजद और लालू परिवार से दूर होते जा रहे हैं। वहीं सीएम नीतीश कुमार से करीब। इसलिए सीएम नीतीश कुमार का यह कार्यक्रम आज चर्चा में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. रामबहादुर सिंह एवं स्व. पद्मानंद सिंह ब्रह्मचारी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में आप सबने मुझे आमंत्रित किया, इसके लिए आप सभी का मैं अभिनंदन करता हूं। स्व. रामबहादुर सिंह पूर्व सांसद आनंद मोहन के दादाजी थे। पूर्व सांसद आनंद मोहन और उनकी पत्नी पूर्व सांसद लवली आनंद ने मुझे इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया था। इनलोगों से मेरा पुराना पारिवारिक संबंध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति अपनी जगह है, आनंद मोहनजी से मेरा पारिवारिक संबंध है। इनके घर हम पहले भी आते रहे हैं और इनके माताजी-पिताजी से आशीर्वाद लेते रहे हैं। आज प्रतिमा अनावरण के कार्यक्रम के अवसर पर आकर मुझे खुशी हो रही है। कुछ लोग देश के इतिहास को बदलना चाहते हैं, लेकिन हम सबको सचेत रहना है। सभी लोग नयी पीढ़ी को इतिहास के बारे में बताते रहिए और उन्हें महापुरुषों के कार्यों एवं उनके योगदान के बारे में प्रेरित करते रहें। हम आपलोगों की सेवा करते रहेंगे।कार्यक्रम के आयोजक फ्रेंड्स ऑफ आनंद की ओर से मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न एवं मखाना की बड़ी माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, पूर्व सांसद आनंद मोहन, पूर्व सांसद लवली आनंद, बड़े बेटे व राजद विधायक चेतन आनंद, छोटे बेटे अंशुमन आनंद, पूर्व मुखिया चंद्रशेखर ठाकुर और फ्रेंड्स ऑफ आनंद के प्रदेश अध्यक्ष पूणार्नंद यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री रत्नेश सादा, विधायक पन्ना लाल पटेल, विधायक गुंजेश्वर साह, सहरसा के जदयू जिलाध्यक्ष चंद्रदेव मुखिया, पंचगछिया ग्राम पंचायत के मुखिया रौशन सिंह आदि उपस्थित थे।

बिहार में सरकारी सेवकों के डीए में होगा इजाफा

पटना। बिहार सरकार सरकारी कर्मियों को दिवाली का तोहफा देने जा रही है। दीपावली के पहले सीएम नीतीश कुमार सरकारी कर्मी और पेंशन भोगियों के डीए यानी मंहगाई भत्ता में इजाफा करने जा रही है। सीएम नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई है। मीटिंग में सरकारी सेवक और पेंशन भोगियों के महंगाई भत्ते पर हरी झंडी दी जाएगी। वित्त विभाग ने कैबिनेट सचिवालय को महंगाई भत्ता का प्रस्ताव भेज दिया है। सरकारी सेवकों और पेंशन पाने वाले पेंशनधारियों को डीए 42 फीसदी से बढ़कर 46 फीसदी हो जाएगा। वर्तमान में सरकारी सेवकों को और पेंशनधारियों को 42 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है। सातवें वेतनमान का लाभ ले रहे कर्मियो और पेंशनर को यह लाभ मिल रहा है। डीए में चार फीसदी का इजाफा किया जाएगा। डीए को 42 फीसदी से बढ़ाकर 46 किया जाएगा। सरकार के फैसले के बाद बिहार के 5 लाख सरकारी सेवकों फायदा मिलेगा। जबकि इतने ही पेंशन भोगी को इससे लाभान्वित होंगे। एक जुलाई 2023 से इसका आर्थिक लाभ मिलेगा। दिसंबर के सैलरी में एरियर दिया जाएगा। केंद्रीय कर्मियों और पेंशनधारियों को DA में इजाफा पहले ही किया गया है। 18 अक्टूबर को मोदी कैबिनेट में यह फैसला लिया है। केंद्रीय कर्मचारियों को केंद्र सरकार त्योहारी तोहफा देते हुए कर्मचारियों का महंगाई भत्ता एक जुलाई 2023 से लागू की है। इसे इस तरह के एक उदाहरण से समझ सकते हैं। यदि प्रति माह 36,500 रुपए बेसिक सैलरी है तो उसे बेसिक सैलरी पर 42 फीसदी डीए मिल रहा है। इसके हिसाब से यह 15,330 रुपए प्रतिमाह होता है। यानी बेसिक और डीए मिला दें, तो यह राशि 51 हजार 830 हो जाती है। अगर जुलाई 2023 से डीए 4% बढ़ जाता है तो कर्मचारियों का बढ़ा हुआ डीए अमाउंट में 1,460 रुपये होगा। अब 15,330+1460 करेंगे तो कुल डीए अमाउंट 16,790 रुपये हो जाएगा। इस तरह से सरकार के कर्मचारियों की मासिक सैलरी में 1460 रुपये प्रतिमाह बढ़कर आने लगेंगे।

दो-शिफ्ट में किया जा रहा पानी का छिड़काव

:बेहतर एयर क्वालिटी बनाए रखने के लिए अभियान, 4 घंटे चलेगी एंटी स्मॉग गन और वाटर स्प्रिंकलर

पटना। मौसम बदलने के साथ ही धूल भरी हवा चल रही है। ऐसे में वायु में धूल कण की मात्रा को कम करने और एयर क्वालिटी को बेहतर बनाए रखने के लिए पटना नगर निगम द्वारा एंटी स्मॉग गन और वाटर स्प्रिंकलर द्वारा सड़कों पर लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है। नगर आयुक्त की ओर से सभी अंचल को निर्देश दिया गया है कि दो शिफ्ट में एंटी स्मॉग गन को चलाया जाए। सुबह और शाम को 4-4 घंटे के लिए मशीनों को विशेष रूप से चलाया जाएगा। शहर के प्रमुख सड़क नेहरू पथ, बोरिंग रोड, कंकड़बाग, पटना सिटी, राजेन्द्र नगर सहित कई सड़कों और गलियों में एंटी स्मॉग गन चलाया जा रहा है। पटना नगर निगम क्षेत्र के प्रमुख सड़कों के साथ ऐसे जगहों पर विशेष रूप से पानी का छिड़काव किया जा रहा है, जहां हरियाली है। नेहरू पथ, ईको पार्क, मरीन ड्राइव आदि के पास ग्रीनरी के लिए मशीनों द्वारा जल का छिड़काव किया जा रहा। इसके साथ ही सड़क किनारे लगे पेड़-पौधों पर विशेष रूप से पानी का छिड़काव किया जा रहा है, जिससे पेड़ पौधे पर भी धूल-कण एकत्रित नहीं हो। पेड़ पौधों और सड़कों पर पानी के छिड़काव के लिए पटना नगर निगम द्वारा मशीनों की सहायता ली जाती है। नगर निगम की ओर से हर दिन 25 मशीनों से छिड़काव किया जाता है, जिनमें 12 एंटी स्मॉग गन और 13 वाटर स्प्रिंकलर मशीन है। सभी अंचलों में मशीनें उपलब्ध करवाई गई है, जिसके माध्यम से प्रतिदिन सड़कों की धुलाई की जाती है।

गन प्वाइंट पर बंधक बनाकर गैस वेंडर से लूट

वैशाली । जगदीशपुर गांव में द्वारिका गैस एजेंसी के गैस वेंडर से बाइक सवार तीन अपराधियों ने गण प्वाइंट पर वेंडर और चालाक को बंधक बनाकर शुक्रवार की शाम करीब 3 बजे 75000 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। लूटपाट के बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी के तीन घण्टे बाद भी अधिकारी सुध लेने नहीं पहुंचे है। घटनास्थल को लेकर दो थाने के पुलिस अधिकारी एक दुसरे पर पल्ला झाड़ते रहे। घटना के करीब तीन घण्टे बाद पीड़ित चालक वेंडर और एजेंसी संचालक घटनास्थल पर मौजूद रहे। लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। देर शाम घटना स्थल पर सदर थाने की पुलिस पहुंची। लेकिन संबंधित थाना बरांटी पुलिस घटना स्थल नहीं पहुंची है। वरीय पुलिस अधिकारी ने निर्देश पर देर रात में बिदूपुर बरांटी ओपी में लिखित रूप से आवेदन लेकर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। जिस समय घटना हुई थी ठीक उसी समय पुलिस कार्रवाई करती तो शायद अपराधी पकड़े जाते। संचालक राधा मोहन शर्मा ने कहा कि गाड़ी गैस डिलीवरी के लिए निकली थी। डिलीवरी कर हुए दोनों जा रहे थे। तभी मेरे ड्राइवर और वेंडर को गण प्वाइंट पर बंधक बनाकर 75000 हजार रुपए लूट लिया गया। घटना के तीन घण्टे बाद दो थाने की पुलिस सीमा विवाद को लेकर आपस में उलझी रही। बरांटी ओपी अध्यक्ष अर्चना कुमारी ने बताया कि एफआईआर दर्ज हो गई है। हम लोग अपराधियों की तलाश में जुटे है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

सड़क हादसे में बच्ची समेत 3 घायल

नवगछिया। पुलिस जिला नवगछिया के रंगरा ओपी के एनएच 31 मुरली चौक के पास एक कार बाइक को बचाने में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार पहले सड़क के किनारे एक पेड़ से फिर ट्रांसफार्मर के पोल से जा टकराई। इससे पोल सहित ट्रांसफॉर्मर टूट कर नीचे गिर गया और बिजली के तार में कार फंस गई। इस घटना से गाड़ी में सवार मासूम बच्चा सहित दो अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने रंगरा ओपी पुलिस के सहयोग से घायलों को रंगरा पीएचसी में भर्ती कराया। जहां सभी का इलाज किया जा रहा है। घायलों में कुसेर्ला सोन्मुखी गांव के बाबू साहब की बेटी परी कुमारी(3) पत्नी उधो कुमारी(25) और स्वयं बाबू सब शामिल है। घायल में पुत्री परी कुमारी (3) का स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। सिर में भी गंभीर चोट आई है। बताई जा रही है। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गाड़ी अनियंत्रित होकर एनएच 31 के किनारे पहले एक पेड़ से फिर बगल में लगे 100 केवी के ट्रांसफार्मर के पोल से जा टकराई घायलों ने बताया कि वह सभी नवगछिया से कुसेर्ला तरफ जा रहे थे। इसी दौरान मुरली चौक के पास सामने बाइक आ गई। जिसे बचाने के क्रम में कार पेड से टकरा कर अनियंत्रित हो गई। रंगरा थाना अध्यक्ष बिट्टू कुमार ने बताया कि नवगछिया से कुरसेला तरफ जा रहे थे, एक कार अनियंत्रित होकर एनएच 31 पर पेड़ से टकराते हुए बिजली के खंभे में टकराई। हम लोगों को सूचना प्राप्त होते ही गश्ती टीम को मौके पर भेजा गया। और घायल तीनों को रेफरल अस्पताल भेजा गया, जहां पर इलाज जारी है। घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं, जिसमें एक तीन वर्ष के बच्चा भी शामिल है।

नाबालिग से 1.10 लाख रुपए छीने

पूर्णिया । मरंगा थाना क्षेत्र के ठहरा गांव में नाबालिग के साथ मारपीट कर 1.10 लाख रुपए छिनतई हुई। मारपीट में किशोर घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। जहां किशोर का इलाज चल रहा। पैसा छिनतई का आरोप घायल के परिजनों ने अपने ही पड़ोसी पर लगाया। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। घायल युवक की पहचान ठहरा गांव निवासी उदिस पासवान के छोटे पुत्र प्रवेश पासवान (17 वर्ष) के रूप में की गई है। घायल नाबालिग की मां ने कहा कि शुक्रवार को प्रवेश पासवान ने दीदी से छत ढलाई के लिए 1.10 लाख रुपए लिए थे। उसे ही पैसे लौटाने बाइक से जा रहा था। इसी दौरान फरियानी चौक के पास बाइक सवार अपराधियों ने मारपीट की। राह चलते लोगों ने किशोर को बचाया। बाइक सवार अपराधी मौका देख 1.10 लाख रुपए छीनकर फरार हो गया। मारपीट में नाबालिग बेहोश हो गया। जिसे स्थानीय लोगों ने बेहोशी की हालात में नाबालिग को ठहरा गांव पहुंचाया। जिसके बाद परिजनों ने लड़के को इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया। परिजनों ने कहा कि शुक्रवार सुबह कचरा फेंकने को लेकर पड़ोसी से विवाद हुआ था। पड़ोसी ने ही 1.10 लाख रुपए छिनतई की घटना को अंजाम दिया है। मरंगा थाना को घटना की सूचना दी गई है।मरंगा थाना की पुलिस ने कहा कि नाबालिग से मारपीट कर 1.10 लाख रुपए छिनतई हुई है। कोई आवेदन नहीं मिला है। आवेदन देने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बॉयफ्रेंड बोला-भागकर शादी करेंगे, शादीशुदा गर्लफ्रेंड पहुंची तो गैंगरेप

बेगूसराय । एक शादीशुदा महिला(19) के साथ 6 लोगों ने गैंगरेप किया। महिला को उसके ही प्रेमी ने धोखा दिया। वो शादी की नीयत से बॉयफ्रेंड के साथ भागी थी। प्रेमी ने शादी करने की बजाए पैसों के लिए उसे अपने दोस्तों को सौंप दिया। दोनों शादी करने के लिए 27 अक्टूबर को घर से भागे थे। घर से भगाने के बाद प्रेमी के 6 दोस्तों के साथ गंदा काम किया। हालांकि पुलिस पैसों वाली बात पर जांच की बात कह रही है। इस मामले में प्रेमी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि तीन की तलाश जारी है। पूरी घटना जिले के परिहार ओपी की है। महिला की एक साल पहले शादी हुई थी। शादी से पहले से उसका अफेयर संतोष कुमार से चल रहा था। दोनों खगड़िया के रहने वाले हैं। दोनों ने साथ रहने का फैसला किया और घर से भाग निकले। प्रेमी महिला को अपनी बहन के घर बेगूसराय के परिहार लेकर आया था। घर से भागने के बाद प्रेमी संतोष की नीयत बदल गई। उसने पैसों की लालच में अपनी प्रेमिका को अपने दोस्त आकाश, भोला, नीतीश, संजीव और छोटू को सौंप दिया। सभी ने महिला के साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। वारदात के बाद मौका देख कर पीड़िता किसी तरह वहां से भाग गई और पुलिस गश्ती गाड़ी के पास पहुंच कर पूरी कहानी बताई। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने प्रेमी संतोष कुमार, नीतीश और संजीव को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध मे बेगूसराय के एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि घटना को गंभीरता से लेते हुए इसमें शामिल सभी आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बखरी चंदन कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया है। गिरफ्तारी के लिए टीम लगातार छापेमारी कर रही है। एसपी का कहना है कि इस मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर चार्जशीट और स्पीडी ट्रायल कराने का निर्देश दिया गया है। आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

जेल से पैरवी वाले बयान पर फंस सकते हैं लालू प्रसाद यादव

मैनुअल के मुताबिक-3 नंबर्स पर बात करने की अनुमति, जानिए उनपर क्या हो सकती है कार्रवाई

पटना। चारा घोटाले में सजायाफ्ता लालू यादव ने जेल का कानून तोड़ा है। इसका खुलासा खुद लालू यादव ने किया है। अब सवाल जेल में बंद वीआईपी की सुरक्षा और सुविधा को लेकर है। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जेल की सलाखें मोबाइल को लेकर हमेशा से बदनाम रही हैं। फिलहाल लालू यादव जेल से सोनिया और कांग्रेस के अन्य नेता से बात करने के बयान में फंस सकते हैं, क्योंकि बीजेपी ने इसे मुद्दा बना लिया है। कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय सदाकत आश्रम में गुरुवार को लालू यादव ने बड़ा बयान दे दिया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह की तारीफ में वह जेल से हुए खेल तक को बता गए। लालू यादव ने कहा.. मैं रांची जेल में था, अखिलेश मुझसे मिलने गए थे। अखिलेश दूसरे के लिए एमपी बनाने की पैरवी लेकर मेरे पास आए थे। मैंने कहा तुम ही बन जाओ। सोनिया गांधी को वहीं से टेलीफोन किया और कांग्रेस के बड़े नेताओं को भी फोन किया। इसके लिए अहमद भाई को भी फोन किया, बोला क्लियर करिए हम इनको बनाते हैं। लालू प्रसाद यादव मंच से अपने संबोधन में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह से अपने निजी संबंधों को बताना चाह रहे थे। अखिलेश प्रसाद सिंह भी लोगों को लालू के साथ संबंधों को बताना चाह रहे थे। इसी कारण श्रीकृष्ण सिंह की जयंती के कार्यक्रम में लालू प्रसाद को उद्घाटन कर्ता बनाया गया था। अखिलेश सिंह की तारीफों की पुल बांधते हुए लालू यादव ने जेल से फोनकर पैरवी करने की बात का भी खुलासा कर दिया। लालू का यह बयान बीजेपी के लिए एक मौके की तरह हो गया, क्योंकि किडनी ट्रांसप्लांट के बाद लालू की पॉलिटिकल सक्रियता बीजेपी को खटक रही थी। लालू यादव के बयान पर बीजेपी ने स्टैंड ले लिया है। बीजेपी इस मुद्दे पर लालू यादव को हर तरफ से घेरने की कोशिश कर रही है। पार्टी के नेता लालू के बयान पर सुप्रीम कोर्ट को संज्ञान लेने की बात कह रहे हैं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिंह ने कहा है कि राजद सुप्रीमो के बयान से साबित होता है, कांग्रेस उनकी जेब की पार्टी है। लालू ने खुद ही जेल के नियम तोड़ने की बात कबूल की है। इस मामले में कोर्ट को संज्ञान लेना चाहिए। लालू के बयान पर लगातार बीजेपी के नेताओं की प्रतिक्रिया आ रही है, बीजेपी इस मुद्दे से लालू की जमानत पर भी सवाल खडे.कर रही है। जानकार बताते हैं, लालू पर घेराबंदी कर बीजेपी उनकी राजनीतिक सक्रियता पर ब्रेक लगाना चाहती है। जेल से मोबाइल पर बात करना बड़ा सवाल है? लालू यादव ने जेल मैनुअल के खिलाफ कैसे सोनिया गांधी और अन्य नेताओं को फोन किया? ऐसे कई सवालों का जवाब जानने के लिए दैनिक भास्कर ने एक्सपर्ट से बात की है। जेल मैनुअल की जानकारी के लिए सबसे पहले हमने बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद से बात की है। अभयानंद ने बताया कि जेल में मोबाइल पूरी तरह से प्रतिबंधित है। छापेमारी में भी मोबाइल और सिम कार्ड के साथ ऐसे प्रतिबंधित सामानों पर अफसरों का फोकस रहता है। जेल में कैदियों और बंदियों के बातचीत करने का नियम है। यह पूरी तरह से पारदर्शी होता है। जेल का नियम जानने के लिए हमने पटना के केंद्रीय कारा बेउर के जेल सुपरिन्टेंडेंट जितेंद्र कुमार से बात की है। जितेंद्र कुमार का साफ कहना है, जेल में किसी को भी मोबाइल फोन के इस्तेमाल की इजाजत नहीं है। आम से लेकर खास तक के लिए एक नियम है। सांसद से लेकर मंत्री तक को मोबाइल पर बात करने का कोई नियम नहीं है। जेल से मोबाइल बरामद होने पर कार्रवाई की जाती है। यह जेल मैनुअल के खिलाफ है। लालू के बयान और बीजेपी की कार्रवाई की अपील को लेकर बड़ा सवाल है, क्या लालू यादव पर कार्रवाई हो सकती है? ऐसे सवालों का जवाब जानने के लिए हमने कानून के जानकारों से भी बात की है। एडवोकेट की भी अलग-अलग राय है। कोई इसे गंभीर मामला बताकर संज्ञान लेने की बात कर रहा है तो कोई बयान के आधार पर कार्रवाई या संज्ञान लेने की बात से इनकार कर रहा है। जानिए कानून के जानकारों की नजर में लालू के बयान पर कार्रवाई का आधार। पटना हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट मणि भूषण प्रताप सेंगर ने कहा कि कोई व्यक्ति जो न्यायिक आदेश पर सजा काट रहा है। न्यायिक हिरासत में जेल भेजना दंड है। जहां उन्हें सारी सुख सुविधा से अलग रखा जाता है, ऐसे में अगर वह जेल से बात करता है तो गंभीर मामला है। जेल में ऐसे आरोप लगता है, रेड में भी ऐसे मामले मिलते हैं। लालू यादव ने तो इसे सार्वजनिक कर दिया है। अपने आप में गंभीर मामला है, इस पर गृह मंत्रालय को विचार करना चाहिए। बाहर का सुख अगर जेल में भी मिल रहा है तो गंभीर मुद्दा है। लालू का बयान जेल के अपराध का खुलासा करता है, ऐसे में कोर्ट संज्ञान ले सकता है। क्योंकि कोर्ट के आदेश पर ही वह जेल गए। इस मामले में जेल के तत्कालीन अधीक्षक व जिम्मेदारों को सस्पेंड कर दिया जाना चाहिए। वह जेल से बात किया और सार्वजनिक रूप से इसे स्वीकार कर रहा है, यह बेहद गंभीर व सनसनीखेज मामला है। लालू यादव ऐसा बयान देकर न्यायालय और सरकार की धज्जी उड़ाने का काम कर रहे हैं। इससे कानून और सरकार के प्रति लोगों में छवि खराब होगी। इससे जेल और सरकार में भ्रष्टाचार का भी खुलासा हुआ है।

साइबर कैफे संचालक गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर । पर्सनल आईडी से रेलवे टिकट काटने वालों के खिलाफ रेलवे सख्त है। इसको लेकर आरपीएफ मुजफ्फरपुर की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच आरपीएफ ने जिले के मनियारी थाने के चैनपुर बंगरी में छापेमारी की। जहां रेलवे सुरक्षा बल ने टिकट दलाल के खिलाफ छापेमारी की है। एक ई-टिकट दलाल को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया ई-टिकट दलाल मो. अबुबकुर मनियारी के चैनपुर बंगरा का रहने वाला है। इसके पास से 25 हजार रुपए का 20 रेल टिकट मिला है। इसके अलावा मौके से प्रिंटर समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किया गया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर मनोज कुमार यादव ने कहा कि साइबर कैफे में काफी दिनों से आईआरसीटीसी एजेंट यूजर के नाम पर पर्सनल आईडी से टिकट काटा जा रहा था। इसकी सूचना रेलवे बोर्ड के माध्यम से पूर्व मध्य रेल को मिली। इसके आधार पर आरपीएफ की टीम ने छापेमारी की। इसमें स्थानीय थाना का भी सहयोग लिया गया। जिसके बाद आरोपी पकड़ा जा सका। आरोपी से पूछताछ की गई है। पूछताछ के बाद उसे सोनपुर रेलवे कोर्ट में पेश किया जाएगा। जहां उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा।

जिस पार्टी के साथ जाऊंगा, डंके की चोट पर जाऊंगा

पटना। जेल से रिहा होने के 6 महीने बाद बाहुबली नेता आनंद मोहन ने पहली बार अपने गांव सहरसा के पंचगछिया में मेगा इवेंट किया। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल हुए। इससे पहले उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि फिलहाल वो किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल नहीं हो रहे हैं। ये उनके दादा स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय राम बहादुर सिंह और चाचा पद्मानंद सिंह ब्रह्मचारी के मूर्ति अनावरण का कार्यक्रम है। पूर्व सांसद ने कहा कि अभी ये मंच किसी पार्टी को जॉइन करने का नहीं है। ऐसा करने से उन महापुरुषों का अपमान होगा। आनंद मोहन ने आगे कहा कि अगर जेडीयू जॉइन करने लगेंगे तो किसी को क्या परेशानी है। दूसरे को क्या परेशानी होनी चाहिए। हम अगर कुछ करेंगे तो डंके की चोट पर करेंगे। मुंह छिपाकर हम राजनीति नहीं करते हैं। आनंद मोहन ने कहा कि ये बात सही है कि हम समाजवादी धड़े के साथ रहेंगे। ऐसा कभी नहीं हो सकता है कि हम सांप्रदायिक ताकतों के साथ जाएं या पूंजीवाद को अपना समर्थन दें। उन्होंने कहा कि मैं जिस परिप्रेक्ष्य और जिस पृष्ठभूमि से आता हूं मेरा पूरा परिवार समाजवादी रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी पृष्ठभूमि राष्ट्रीय आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन तक की है। मैं खुद जेपी सेनानी हूं। जेपी आंदोलन में 6-6 बार जेल गया हूं। राजनीति का ककहरा जेपी, लोहिया से पढ़ लिया था। आचार्य नरेंद्र देव को आत्मसात कर लिए तो फिर विचारों को बदलने का कोई सवाल नहीं उठता है। आनंद मोहन ने बात करते हुए कहा कि मेरे घर जहां गांधी आए, जहां विनोबा भावे आए, राजेंद्र बाबू, अनुग्रह बाबू जैसे लोग दादाजी के मित्र रहते थे। लहटन चौधरी जैसे नेता इनके शिष्य हुआ करते थे। ये उनका अपमान होगा अगर हम इसमें राजनीति घुसेड़ते हैं। आनंद मोहन ने बताया कि उन्होंने इस अनावरण कार्यक्रम के लिए केवल सीएम नीतीश कुमार को आमंत्रित किया था। इसके अलावा किसी पार्टी के किसी नेता को आमंत्रण नहीं दिया गया है। लालू जी पहले यहां आए थे। शिलान्यास उन्होंने ही किया था। तब हमने निर्णय लिया कि शिलान्यास उनका किया हुआ है अनावरण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे ।संवाददाता ने उनसे पूछा कि क्या ये रैली पहले से प्लांड थी या अचानक रखी गई। इस पर जवाब देते हुए आनंद मोहन ने कहा कि इस इलाके के लोग सम्मान में आए हैं। ये कोई राजनैतिक रैली नहीं है।

कतर से उम्मीद

भारतीय नौसेना के सात पूर्व अधिकारियों और एक नाविक को कतर में मौत की सजा सुनाए जाने से राजनयिक क्षेत्र से घरेलू राजनीति तक स्वाभाविक ही सनसनी का आलम है। यह कोई साधारण मामला नहीं है, इसे पूरी संवेदना के साथ सुलझाने की जरूरत है। भारत से कतर की कोई शत्रुता नहीं है, रिश्ते हमेशा मित्रवत रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कतर शासन के इशारे पर हुआ यह फैसला चकित कर देता है। कुछ लोग इसके पीछे इजरायल के प्रति भारत के उदार रुख को जिम्मेदार मानते हैं। यह बात छिपी नहीं है कि कतर की संवेदना फलस्तीन और साथ ही हमास के प्रति भी रही है। खैर, भारत सरकार को उचित ही ऐसे तमाम उपाय आजमाने चाहिए, ताकि भारतीयों के प्रति न्याय सुनिश्चित हो सके। दुनिया के सबसे अमीर देशों में शुमार कतर किसी न किसी दुर्भावना का शिकार हो रहा है। यह भी गौर करने की बात है कि कतर ने कथित तौर पर जेल में बंद आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों की रिपोर्टिंग करने पर एक भारतीय पत्रकार को निष्कासित कर दिया है। मतलब, कतर इस मामले की चर्चा से भी बच रहा है। अब यह बहुत जरूरी हो गया है कि भारत उच्च स्तर पर कतर की भावना को समझने की कोशिश करे। भरोसा टूटकर विद्वेष और दुख में बदल जाए, उससे पहले ही सुलह की दिशा में बढ़ना चाहिए। नौसेना के जिन पूर्व अधिकारियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई, वे सभी योग्य व सम्मानित हैं, पर जासूसी के आरोप में उनका फंसना अचरज पैदा करता है। इन भारतीयों ने समूह में रहते हुए क्या जासूसी की है और इससे कतर का क्या नुकसान हुआ है, इसको तार्किक रूप से समझना जरूरी है। ये सभी भारतीय वहां एक निजी कंपनी के लिए काम कर रहे थे और उन भारतीयों का पक्ष साफ तौर पर अभी भी सामने नहीं आने दिया गया है। ये सभी जिस निजी कंपनी की सेवा में थे, वह कतर के सशस्त्र बलों और सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षण व अन्य सेवाएं प्रदान करती है। इन भारतीयों को अगस्त 2022 से ही कैद में रखा गया है और गोपनीयता बरतते हुए सुनवाई हुई है। भारतीय राजनयिकों को विस्तृत फैसले की समीक्षा करनी चाहिए। अपनी बात रखते हुए संतुलन बहुत जरूरी है। इस काम में सर्वश्रेष्ठ अधिकारियों को ही लगाना चाहिए। भारत दूसरे देशों के नागरिकों के प्रति बहुत उदार रहा है और वैसी ही उदारता की उम्मीद दूसरों से भी रखता है। जो भारतीय कतर की सेना को मजबूत करने में लगे थे, उन्हें मृत्युदंड सुनाया जाना अभी समझ से परे है। भारतीय राजनयिकों को बदलते समय में ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। दुनिया में कभी भी भारतीयों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। छोटे-छोटे देश भी अगर भारत को चुनौती दे रहे हैं, तो उनकी पीड़ा या समस्या को समझना होगा। एक ताजा शिकायत मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर से आई है, जहां पहुंचने वाले भारतीयों से 1,000 डॉलर का शुल्क वसूला जा रहा है। क्या यह सही है? नया शुल्क 23 अक्तूबर से प्रभावी हुआ है। यह शुल्क भारतीयों से वसूलने की वजह को समझना और समाधान करना जरूरी है।

साइंटिफिक नजरिया जरूरी

नैशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) की एक उच्चस्तरीय समिति ने स्कूलों में सोशल साइंस के पाठ्यक्रम में संशोधन से जुड़ी जो सिफारिशें दी हैं, उनमें से कुछ को महज अनावश्यक कहकर काम चलाया जा सकता है, लेकिन कुछ सिफारिशें ऐसी भी हैं जिनके पीछे की दृष्टि गंभीर विचार-विमर्श की मांग करती है। समिति की जिस सिफारिश पर तत्काल और सबसे तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली वह यह है कि स्कूली किताबों में देश का नाम अब सिर्फ भारत ही लिखा जाए, इंडिया नहीं। यह मसला कुछ समय पहले ही चर्चा में आ चुका है और इसके पक्ष-विपक्ष में दलीलें भी उसी समय से दी जाती रही हैं। उसे अलग से यहां दोहराने की जरूरत नहीं है। लेकिन चूंकि दोनों ही नामों का जिक्र संविधान में है इसलिए दोनों में से किसी भी नाम को कमतर या हीन मानते हुए दिखना उचित नहीं कहा जाएगा। खैर, अभी इस सलाह को एनसीईआरटी ने भी स्वीकार नहीं किया है, इसलिए साफ नहीं है कि इस सलाह का भविष्य क्या होने वाला है। फिर भी इतना जरूर है कि इस सलाह से न तो स्कूलों के पाठ्यक्रम में किसी तरह का कोई गुणात्मक बदलाव होना है और न ही बच्चों की सोच-समझ या पढ़ाई में कुछ घटना या बढ़ना है। ऐसे में बेवजह एक राजनीतिक विवाद शुरू करना एनसीईआरटी की इस समिति के लिए जरूरी नहीं था। इससे आसानी से बचा जा सकता था। लेकिन समिति के अन्य सुझावों को बेवजह का नहीं बताया जा सकता है। न सिर्फ उनके पीछे पर्याप्त गंभीरता है बल्कि उन पर खास तरह की वैचारिकता की छाप भी दिखती है। उदाहरण के लिए, समिति की एक सलाह यह है कि अतीत में हुए युद्धों का जिक्र करते हुए स्कूली किताबों में हिंदू विजयों को रेखांकित किया जाए। समिति के अध्यक्ष सी आई इसाक के शब्दों में, पाठ्यपुस्तकों में हमारी विफलताओं का जिक्र तो है, लेकिन मुगलों और सुल्तानों पर हमारी जीतों का जिक्र नहीं है। जाहिर है, हिंदू जीतों पर जोर देने का समिति का आग्रह इस तथ्य से मेल खाता है कि समिति के अध्यक्ष खुद को युद्ध के एक पक्ष (मुगलों और सुल्तानों) के खिलाफ और दूसरे पक्ष के साथ खड़ा करके इतिहास को देखने की कोशिश कर रहे हैं। यह नजरिया दो वजहों से दोषयुक्त कहा जाएगा।

वर्धा विश्वविद्यालय में गांधी के नाम पर तिजारत

ANALYSIS

के. विक्रम राव

भला हो राष्ट्रवादी छात्रों का जिन्होंने बवंडर उठाया कि भारतीय शिक्षा पद्धति के घोर शत्रु और नाशक मैकाले की जन्मगांठ बापू की संस्था में न मने ? मानो कृष्ण मंदिर में गौहत्या होने से बच गई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार कादर नवाज खान ने तत्काल नोटिस द्वारा प्रो. कारुण्यकर को निर्देश दिया कि भारतीय संस्कृति, दृष्टि और भावना के विपरीत रहे मैकाले की जयंती कदापि न मनाई जाए। मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति-2020 से ऐसा समारोह तालमेल नहीं रखता। शायद ही भारत का कोई शिक्षा संस्थान है जिसका इतना सीधा नाता राष्ट्रपिता से रहा हो तथा जहां नीति गांधीवादी चिंतन, नीति, कार्य, निर्णय और व्यवहार के सरासर प्रतिकूल ऐसा हुआ हो। इस विश्वविद्यालय की स्थापना भारत सरकार ने सन 1996 में संसद द्वारा पारित एक अधिनियम द्वारा की थी। मगर यह शिक्षा संस्थान कम्युनिस्ट और कांग्रेस सत्तावानों की कुट्रनीतियों का केंद्र रहा। जब रिटायर्ड पुलिसवाले वीएन राय इसके कुलपति नामित हुए तो इसमें बिना अर्हता, योग्यता और अमान्य लोगों की कई नियुक्तियां की गईं।

कामसूत्र पर साधु समाज में चर्चा। निजी पूंजी की श्रेष्ठता पर माओवादी सभा में गोष्ठी। क्या अभिप्राय होता है ? ठीक ऐसा ही हुआ 25 अक्टूबर को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (वर्धा) में। यहां ब्रिटिश नृशंस उपनिवेशवादी थॉमस मैकाले की 223वीं जयंती मनाने की तैयारी की गई। कार्यभारी कुलपति दलित प्राध्यापक लेल्ला कारुण्यकर ने यह सब रचा। वे अंबेडकर दलित अध्ययन केंद्र के निदेशक भी हैं। तेलुगुभाषी हैं। लखनऊ में भी रहे हैं। भला हो राष्ट्रवादी छात्रों का जिन्होंने बवंडर उठाया कि भारतीय शिक्षा पद्धति के घोर शत्रु और नाशक मैकाले की जन्मगांठ बापू की संस्था में न मने ? मानो कृष्ण मंदिर में गौहत्या होने से बच गई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार कादर नवाज खान ने तत्काल नोटिस द्वारा प्रो. कारुण्यकर को निर्देश दिया कि भारतीय संस्कृति, दृष्टि और भावना के विपरीत रहे मैकाले की जयंती कदापि न मनाई जाए। मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति-2020 से ऐसा समारोह तालमेल नहीं रखता। शायद ही भारत का कोई शिक्षा संस्थान है जिसका इतना सीधा नाता राष्ट्रपिता से रहा हो तथा जहां नीति गांधीवादी चिंतन, नीति, कार्य, निर्णय और व्यवहार के सरासर प्रतिकूल ऐसा हुआ हो। इस विश्वविद्यालय की स्थापना भारत सरकार ने सन 1996 में संसद द्वारा पारित एक अधिनियम द्वारा की थी। मगर यह शिक्षा संस्थान कम्युनिस्ट और कांग्रेस सत्तावानों की कुट्रनीतियों का केंद्र रहा। जब रिटायर्ड पुलिसवाले वीएन राय इसके कुलपति नामित हुए तो इसमें बिना अर्हता, योग्यता और अमान्य लोगों की कई नियुक्तियां की गईं। अतः उनके जाते ही, वे सब हटा दिए गए। इस विश्वविद्यालय के

कुलपति रहे प्रकाण्ड विद्वान पं. गिरीश्वर मिश्र जी ने इन घटनाओं पर क्षोभ तथा विषाद व्यक्त किया है। उनके अग्रज स्व. पं. विद्यानिवास मिश्र जी नवभारत टाइम्स के संपादक रहे हैं। इस समस्त प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच मोदी काबीना के शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल करनी चाहिए। समस्त वित्तीय अनियमिततायें, प्रशासनिक धांधलियां, यौन शोषण प्रकरण, पद का दुरुपयोग, भाई-भतीजावादी नियुक्तियों आदि की पड़ताल हो। यहां बापू के नाम पर तिजारत हुई। बुनियादी शिक्षा पद्धति का सेवाग्राम एक प्रस्थान बिंदु रहा। गांधीजी ने 23 अक्टूबर 1937 को 'नयी तालीम' की योजना बनायी थी जिसे राष्ट्रव्यापी व्यावहारिक रूप दिया जाना था। उनके शैक्षिक विचार समकालीन शिक्षाशास्त्रियों के विचारों से मेल नहीं खाते थे। इसलिये उनके विचारों का विरोध हुआ। गांधीजी ने कहा था कि नयी तालीम का विचार भारत के लिए उनका अन्तिम एवं सर्वश्रेष्ठ योगदान है। गांधीजी के लम्बे समय तक विचारों के गहन मंथन के परिणामस्वरूप नयी तालीम का दर्शन एवं प्रक्रिया का प्रादुर्भाव हुआ। दुर्भाग्यवश इस कल्याणकारी शिक्षा-प्रणाली का राष्ट्रीय स्तर पर भी समुचित प्रयोग नहीं हो पाया। फलस्वरूप आजतक भारत गांधीजी के सपनों के अनुरूप सार्थक और सही स्वराज प्राप्त करने में असमर्थ रहा। देश में पूजीपतियों पर आश्रित सभी शिक्षण-संस्थाएं व्यावसायिक रूप में सक्रिय तो हैं, पर गरीबों की पहुंच से बाहर हैं। भारत की स्वाधीनता के 75 से अधिक वर्ष बीतने के पश्चात भी ऐसे बच्चों की संख्या काफी अधिक है, जिन्होंने विद्यालय के द्वार तक नहीं देखे हैं। जो विद्यालय जाने का सामर्थ्य रखते हैं, उन्हें लॉर्ड मैकाले की परम्परा से चली आ रही अंग्रेजी शिक्षा के अतिरिक्त कुछ भी प्राप्त नहीं होता। अतः चर्चा हो मैकाले पर ही। यह राजनेता बड़ा स्पष्ट था कि भारतीय शिक्षा पद्धति ऐसी हो कि केवल ब्रिटिश राज के लिए क्लर्क, दफ्तरी, चपरासी तैयार करें। गुलाम हिंदुस्तानियों में हीन भावना भरी जाए। असली चिंतनशील मस्तिष्क के केवल मानसिक परछाइयां ही बनी रहें। स्वतंत्र भारतीय सोच तो अंग्रेजों के लिए असह्य थी। मैकाले की समिति ने सिफारिश की थी कि भारतीय स्कूलों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होना चाहिए। पाठ्यक्रम पश्चिमी मूल्यों और विचारों पर आधारित होना चाहिए। इन्हीं सिफारिशों को लागू किया गया और अंग्रेजी ही भारतीय स्कूलों में शिक्षा की प्रमुख भाषा बन गई। इसीलिए रवींद्रनाथ टैगोर ने शांति निकेतन की स्थापना की। गुरुकुल प्रणाली को मजबूत बनाने का प्रयास चला। अश्वेत मनोवैज्ञानिक फ्रांटेज उमर फेनन तथा कवि-राजनेता अइमे सीजेयर ने फ्रांसीसी उपनिवेशवाद के विरुद्ध अपनी स्वाधीन राष्ट्र के लिए देसी भाषा का संघर्ष चलाया था। ऐसा ही संघर्ष पुर्तगाली राज के भाषायी शोषण के खिलाफ गुलाम गोवा में ट्रिस्टों ब्रगांजा कुंहों ने चलाया था। मगर भारत में संगठित और सुनियमित प्रयास गांधी जी का ही था। जब भारत आजाद हुआ तो विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग के अध्यक्ष के नाते 1949 में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (बाद में राष्ट्रपति) ने धार्मिक शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव रखा था। पर कथित सेक्युलर जवाहरलाल नेहरू ने इसे नहीं माना। आखिर यह थॉमस मैकाले था कौन ? ब्रिटिश राज में यह युद्ध सचिव और पोस्टमास्टर जनरल था। भारत को भ्रष्ट करने की नीयत उसने स्पष्ट कर दी थी। उसने कहा था, 'मैंने भारत की चातुर्दिक यात्रा की है और मुझे इस देश में एक भी याचक अथवा चोर नहीं दिखा, मैंने इस देश में सांस्कृतिक संपदा से युक्त उच्च नैतिक मूल्यों तथा असीम क्षमता वाले व्यक्तियों के दर्शन किए हैं। मेरी दृष्टि में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत जो कि इस देश का मेरुदंड रीढ़ है उसको खंडित किए बिना हम इस देश पर विजय प्राप्त नहीं कर सकते हैं।' लार्ड मैकाले ने तब प्रस्ताव किया कि 'इस देश की प्राचीन शिक्षा पद्धति, उनकी संस्कृति को इस प्रकार परिवर्तित कर दें। परिणाम स्वरूप भारतीय यह सोचने लगें कि जो अंग्रेज ही श्रेष्ठ एवं महान हैं। इस तरह से वे अपना आत्मसम्मान, आत्म गौरव तथा उनकी अपनी मूल संस्कृति को खो देंगे और वह वही बन जाएंगे जो कि हम चाहते हैं, पूर्ण रूप से हमारे नेतृत्व के अधीन एक देश। भारत की संपत्ति उनकी शिक्षा में है हम उनकी शिक्षा पद्धति को जब बिगाड़ देंगे तब भारत हमारे अधीन हो जाएगा।' इंग्लैंड की संसद में भाषण : 2 फरवरी 1835)। तो ऐसे व्यक्ति थे मैकाले, जिन्हें प्रो. करुणाकरजी अपना हीरो मानकर पेश कर रहे थे। उन्होंने इस बापू के नामवाले शीर्ष संस्थान का बेड़ा गर्क करना चाहा। मगर विफल रहे।

लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नशे के कैंसर से देश को बचाने का दायित्व किसका

आज हमारे सामने नशे की सबसे बड़ी गम्भीर समस्या है। नशे का यह कैंसर जिस तीव्रता से समाज में फैल रहा है उसे देखकर, सुनकर आदमी सिहर उठता है और लगता है जिस गति से नशा समाज को विनाश की गर्त में ले जा रहा है उससे तो समाज का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। प्रतिदिन नशे से होने वाली युवाओं की मौतों की खबरें और नशे की बड़ी खेप पकड़े जाने के समाचार डराते हैं। मानव समाज के अस्तित्व को खतरे में डालने वाला स्वयं मानव समाज ही है। आदमी पैसे के लालच में अंधा होता जा रहा है। एक समय था जब तम्बाकू, सिगरेट, बीड़ी और अधिक से अधिक शराब को नशा माना जाता था। आज अफीम, चरस, गांजा, कोकीन, चिट्टा और न जाने कौन-कौन से नए नामों के साथ नशा समाज में तबाही मचा रहा है। इस धंधे से होने वाली बेपनाह कमाई के लालच में लोग इस दलदल में फंसते हैं और जो फंस गये वे फिर निकल नहीं पाते। वैसे ही बेईमानी का धन कमाने में पुलिस प्रशासन और अन्य एजेंसियां, जिन को इस पर नियंत्रण करना है, वो भी रिश्वत के चक्कर में आंखें मूंद लेते हैं। इसका भयंकर परिणाम यह हो रहा है कि छोटे बच्चे, विद्यार्थी और युवा नशेड़ी बन जाते हैं। परिवार नियोजन के कारण बहुत सारे परिवारों में एक ही बच्चा, लड़का या लड़की होती है और वह मासूम जब नशे की लत का शिकार हो जाते हैं तो मां-बाप की जिंदगी वैसे ही नरक बन जाती है। यदि युवा पीढ़ी नशेड़ी होगी तो न सेना के लिये न वीर सैनिक मिलेंगे। न पुलिस प्रशासन में स्वस्थ जागरूक कर्मचारी, अधिकारी मिल पाएंगे। इससे कृषि क्षेत्र, उद्योग का क्षेत्र और सेवाओं का क्षेत्र भी अछूता नहीं बचेगा। नशे का यह जहर सारे समाज को खोखला करके समाप्त कर देगा। ऐसे में प्रश्न उठता है कि करें क्या ? इस संकट को दूर करने के लिए कोई बाहर से आकर समाधान नहीं निकालेगा। हमें यानी हर नागरिक को अपने परिवार के प्रति, समाज के प्रति और राष्ट्र के प्रति दायित्व निभाना होगा। कुछ समय से मैं देख रहा हूं कि परिवार की परिभाषा पति, पत्नी और बच्चों तक ही सीमित हो गई है। समाज के अन्य लोगों का सुख-दुख हमारा अपना नहीं होता। इसी प्रकार से हमारा सुख-दुख समाज के लोगों का नहीं होता। इसी कारण मनुष्य कष्ट या समस्या के समय सामाजिक प्राणी होते हुए भी अपने आप को अकेला पाता है। कुछ समय पहले तक किसी का भी बच्चा अगर सिगरेट, बीड़ी या शराब आदि का नशा करते किसी को मिलता था तो प्रत्येक व्यक्ति अपना सामाजिक दायित्व समझते हुए उसे रोकता था। उसके परिवारजनों को सूचना देता था तो एक प्रकार से कुरीतियों पर दुष्प्रभावों पर पारिवारिक नियंत्रण के साथ सामाजिक नियंत्रण भी होता था। नशे की बात हो, महिलाओं से छेड़छाड़ की बात हो या कोई दुर्घटना हो जाए तो आंख बचाकर निकलने में ही भलाई समझी जाती है। इसलिए पहले तो सभी अपना पारिवारिक दायित्व निभाएं केवल बच्चे पैदा करना ही अपना दायित्व न समझें बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार देना, बच्चों को समय देना और समाज को सुसंस्कृत, सभ्य नागरिक देना भी सभी का दायित्व है। सामाजिक दायित्व को समझते हुए उसके खिलाफ खड़े होने का नैतिक साहस अपने अंदर पैदा करें और सामाजिक दायित्व को निभाएं। गलत किसी के साथ भी हो रहा है तो उसके खिलाफ आवाज उठाएं। परिवार और समाज के साथ सरकार पर भी बहुत बड़ा दायित्व आता है। इन बुराइयों को कुचलने के लिए सरकार को सख्त कानून बनाने की आवश्यकता है। इसमें वर्तमान कानूनों में अगर किसी संशोधन की आवश्यकता हो तो केंद्र और प्रदेश की सरकारें मिलकर सख्त कानून बनाएं। पुलिस प्रशासन के लोग अकसर यह शिकायत करते हैं कि हम तो केस पकड़ते हैं लेकिन अदालत से लोग छूट जाते हैं क्योंकि पकड़ी गई नशे की खेप की मात्रा कम होती है। तो क्या अपराधी इतनी कम मात्रा में लाते हैं या पकड़ने वाले पकड़ी गई खेप की मात्रा कम दिखाते हैं। इसलिए सख्त कानून की आवश्यकता केवल धन के लालच में लगे समाज विरोधी ड्रग तस्करों के लिए नहीं अपितु इसे बनाने वालों, तस्करी करने वालों, नशा फैलाने वालों, प्रयोग करने वालों और पुलिस प्रशासन तथा राजनीतिक संरक्षण देने वालों समेत सब के लिये सख्त कानून की आवश्यकता है। इसके लिए सब को इन सभी समाजविरोधी गतिविधियों में संलिप्त सभी लोगों के विरुद्ध सख्त दृष्टिकोण अपनाना होगा और सामान्य कानूनों के तहत मिलने वाले संरक्षण से इन्हें बाहर रखना होगा। मुझे याद है 1995 में संसद की 'पर्यटन और परिवहन' की स्थाई समिति के सदस्य के तौर पर सिंगापुर जाने का अवसर मिला। उन दिनों अमेरिका के दो नागरिक नशे की तस्करी के आरोप में सिंगापुर में पकड़े गए थे। अमेरिका के राष्ट्रपति ने उन्हें छुड़ाने के भरसक प्रयास किए लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री ली ने एक न सुनी और तीस लाख की आबादी वाले सिंगापुर ने दुनिया के सबसे ताकतवर देश के नशे के दो तस्करों को अपने देश के कानून के अनुसार फांसी पर लटका दिया। क्या 140 करोड़ की आबादी वाला नया भारत और यहां के विभिन्न दलों के शासक दलगत राजनीति से ऊपर उठकर नशे के इस कैंसर से देश को मुक्त करने की इच्छाशक्ति दिखाएंगे और विश्वशक्ति बनने वाला भारत 'नशा मुक्त' भी होगा ? यही हमारी सबसे बड़ी परीक्षा है और पास कर ली तो सबसे बड़ी उपलब्धि भी होगी।

Social Media Corner

सच के हक में...

रामायण महाकाव्य के रचनाकार, महान विद्वान, आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती पर शत-शत नमन। सामाजिक न्याय, प्रेम और सद्भावना से जुड़ा महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन और उनके विचार, सभी को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। महर्षि वाल्मीकि जयंती की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

हेमंत सोरेन ने युवाओं को हर साल 5 लाख रोजगार देने की बात कही थी, बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की थी। रोजगार देना तो दूर, चार साल में इनसे नियुक्ति नियमावली भी नहीं बन पाई। जब युवा अपना हक मांगने सड़क पर उतरे तो तानाशाही हेमंत सोरेन ने युवाओं की आवाज को लाठी के दम पर दबाने की कोशिश की। अब झारखंड के युवा ही हेमंत सोरेन के अहंकार का मर्दन करेंगे।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

राम नाम के जाप ने बदल दी राह

रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती हर साल अश्विन मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। इस वर्ष वाल्मीकि जयंती 28 अक्टूबर को है। मान्यता तो यह भी है कि महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में उनकी जयंती रामायण काल से ही मनाई जा रही है। सनातन धर्म के प्रमुख ऋषियों में से एक महर्षि वाल्मीकि की संस्कृत में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है। संस्कृत के प्रथम महाकाव्य रामायण की रचना करने के कारण ही उन्हें आदिकवि कहा जाता है। वाल्मीकिकृत रामायण समूचे विश्व में वेद तुल्य विख्यात है। यह 21 भाषाओं में उपलब्ध है। यह सनातन धर्म मानने वालों के लिए पूजनीय है। राष्ट्र की अमूल्य निधि रामायण का एक-एक अक्षर अमरता का सूचक और महापाप का नाशक है। वाल्मीकिकृत रामायण को ज्ञान-विज्ञान, भाषा ज्ञान, ललित कला, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद, इतिहास और राजनीति का केंद्र बिंदु माना जाता है। यह महाकाव्य जीवन के सत्य और कर्तव्य से परिचित कराता है। महर्षि वाल्मीकि ने इसमें कई स्थानों पर सूर्य, चंद्रमा और नक्षत्रों की सटीक गणना की है। इस रामायण को वैदिक जगत का सर्वप्रथम काव्य माना जाता है, जिसमें कुल चौबीस हजार श्लोक हैं। मान्यता यह भी है कि महर्षि वाल्मीकि ने ही इस दुनिया में पहले श्लोक की रचना की। यही श्लोक संस्कृत भाषा का जन्मदाता है। विभिन्न पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि महर्षि वाल्मीकि का नाम रत्नाकर था। वह अपने परिवार का पेट पालने के लिए लोगों को लूटा करते थे। निर्जन वन में एक बार उनकी भेंट नारद मुनि से हुई। उन्होंने नारद को बंदी बनाकर लूटने का प्रयास किया। तब नारद ने पूछा कि तुम ऐसा निंदनीय कार्य आखिर करते क्यों हो? रत्नाकर ने उत्तर दिया- अपने परिवार का पेट भरने के लिए। तब नारद मुनि ने उनसे पूछा कि जिस परिवार के लिए तुम इतने पाप कर्म करते हो, क्या वह तुम्हारे इस पाप कार्य में भागीदार बनने के लिए तैयार होंगे? इसका उत्तर जानने के लिए रत्नाकर, नारद मुनि को पेड़ से बांधकर घर पहुंचे और एक-एक कर परिवार के सभी सदस्यों से पूछा कि मैं डाकू बनकर लोगों को लूटने का जो पाप करता हूं, क्या तुम उस पाप में मेरे साथ हो? परिवार के सभी सदस्यों ने कहा कि आप इस परिवार के पालक हैं, इसलिए परिवार का पेट भरना तो आपका कर्तव्य है, इस पाप में हमारा कोई हिस्सा नहीं है। सभी से एक सा उत्तर सुनकर रत्नाकर उदास हुए और नारद मुनि के पास पहुंचकर उनके पैरों में गिर पड़े। तत्पश्चात नारद ने रत्नाकर को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का ज्ञान दिया। रत्नाकर ने उनसे अपने पापों का प्रायश्चित करने का उपाय पूछा तो नारद मुनि ने उन्हें राम नाम जपने की सलाह दी लेकिन रत्नाकर ने कहा कि मुनिवर! मैंने जीवन में इतने पाप किए हैं कि मेरे मुख से राम नाम का जाप हो ही नहीं पा रहा है। नारद मुनि ने उन्हें मरा-मरा का जाप करने को कहा और इस प्रकार मरा-मरा का जाप करते-करते रत्नाकर के मुख से अपने आप राम नाम का जाप होने लगा। राम नाम में वह इस कदर लीन हो गए कि एक तपस्वी के रूप में ध्यानमग्न होकर वर्षों तक घोर तपस्या करने के कारण उनके शरीर पर चीटियों की बांबी लग गई। ऐसी कठोर तपस्या के बाद उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि बन गए। कुछ पौराणिक आख्यानों में यह उल्लेख भी मिलता है कि जब भगवान श्रीराम ने माता सीता का त्याग कर दिया था, तब माता सीता ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही वनदेवी के नाम से निवास किया था और वहीं लव-कुश को जन्म दिया, जिन्हें महर्षि वाल्मिकी द्वारा ज्ञान दिया गया। पहली बार सम्पूर्ण रामकथा लव-कुश ने ही भगवान श्रीराम को सुनाई थी। यही कारण है कि वाल्मीकि कृत रामायण में लव-कुश के जन्म के बाद का वृत्तांत भी मिलता है।

फिर से जोखिम

भू-राजनैतिक तनावों, आर्थिक विखराव, अस्थिर वित्तीय बाजारों और असमान मानसून के जोखिमों के बीच, 6 अक्टूबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस वित्तीय वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.5 फीसदी की वृद्धि, जिसे घरेलू मांग को मजबूत करके समान रूप से संतुलित किया गया है, के अपने अनुमान पर अडिग रहा। ऐसी धारणा थी कि बढ़ी हुई अनिश्चितताओं का दौर खत्म हो रहा है, लेकिन केंद्रीय बैंक के गवर्नर द्वारा पिछले शुक्रवार को दिए गए संकतों के मुताबिक ही पिछले एक पखवाड़े से नई अनिश्चितताएं उभरकर सामने आई हैं। मौद्रिक नीति समीक्षा के एक दिन बाद शुरू हुआ इजराइल-हमास संघर्ष और व्यापक हो गया है तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने वैश्विक स्तर पर खाद्य, ईंधन और उर्वरकों की आपूर्ति पर इसके प्रभाव को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। ईंधन और उर्वरकों के आयात पर भारत की निर्भरता को देखते हुए, भले ही सरकार इस चुनावी मौसम में उपभोक्ताओं और किसानों के सिर पर उच्च कीमतों का बोझ सरकाने से बच रही हो लेकिन कोई भी व्यवधान या कीमतों में वृद्धि वृहद-आर्थिक ढांचे को नुकसान पहुंचा सकती है। आरबीआई के मुखिया ने बढ़ती अमेरिकी बंध पत्र आय (बांड यील्ड) की ओर भी इशारा किया, जो इस सप्ताह 16 साल के उच्चतम स्तर पांच फीसदी पर पहुंच गई। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों से मिलने वाले मिश्रित डेटा बिंदुओं और संकेतों से नए अज्ञात पहलू- यहां तक कि वित्तीय बाजार में होने वाले उथल-पुथल जैसे जाने-पहचाने अज्ञात पहलू भी - और ज्यादा स्पष्ट हो गए हैं। इस चिंता की झलक इस सप्ताह दिखाई दी, जब जुलाई के बाद से भारतीय बाजारों में सबसे तेज बिकवाली हुई। इस बात को लेकर कोई निश्चितता नहीं है कि आरबीआई अभी भी विकास के जोखिमों के प्रति अपने समान रूप से संतुलित दृष्टिकोण को बरकरार रखेगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए: नारायण मूर्ति

- इंफोसिस फाउंडर नारायण मूर्ति की बात पर उद्योगपतियों ने रखे विचार

नई दिल्ली ।

इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत की कार्य संस्कृति में बदलाव होना चो हिए और देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा करने के लिए युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसके बाद से देश के कॉरपोरेट जगत में चर्चा छिड़ गई है। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी और जापान में काम की परिस्थितियों की मिसाल दी और कहा` कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी और जापान के लोगों ने यही किया। इन देशों के लोगों ने यह सुनिश्चित किया कि सभी लोग कुछ सालों तक कुछ अतिरिक्त घंटे तक काम करें। मूर्ति को इस बयान के लिए सराहना के साथ समर्थन भी मिला। ओला के सह संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) भवीश अग्रवाल ने एक्स पर उनका समर्थन करते हुए ट्वीट किया, मैं मूर्ति के विचारों से पूर्ण रूप से सहमत हूं। यह वक्त कम काम करने और अपना मनोरंजन करने का नहीं है। इसके बजाय हमारे लिए यह मुफीद वक्त है कि हम एक पीढ़ी को तैयार करने में अपना वक्त दें जिसके लिए कई देशों ने कई पीढ़ियों तक काम किया है। जेएसडब्ल्यू समूह के अध्यक्ष सज्जन जिंदल ने मूर्ति के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। 'इसके लिए इस पीढ़ी को और अगली पीढ़ी को भविष्य की पीढ़ी के लिए अपना योगदान देना होगा। जिन देशों में हफ्ते में चार दिन काम हो रहा है, उनकी पिछली पीढ़ियों ने काफी मेहनत की है और अब जाकर वे हफ्ते में चार दिन काम कर रहे हैं। जिंदल ने कहा कि मेरे पिता सप्ताह में 7 दिन रोजाना 12 से 14 घंटे काम करते थे। मैं हफ्ते में कम से कम छह दिन रोजाना 10 घंटे काम करता हूं और मैं अपने बेटे से यह उम्मीद नहीं करता हूं कि वह भी इतनी मेहनत करें। क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज मंच वजीरएक्स के उपाध्यक्ष राजगोपाल मेनन ने मूर्ति के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि हम राष्ट्र-निर्माण के चरण पर हैं और भारत में कम उत्पादकता, भ्रष्टाचार की दिक्कत है। हमें बेहतर अफसरशाही और काम की बेहतर नीति की जरूरत है।

हरियाणा और मप्र में सस्ता हुआ पेट्रोल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमत में एक बार फिर उछाल देखने को मिला है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 85.16 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 90.44 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। हालांकि, क्रूड की इस तेजी का पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई असर नहीं पड़ा है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल की कीमतें 96.36 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है, जबकि मध्य प्रदेश में पेट्रोल 0.27 पैसे की गिरावट के साथ 109.70 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं हरियाणा में पेट्रोल 0.37 पैसे सस्ता होकर 97.66 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मुनाफा 27 फीसदी बढ़ा

– पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 27.4 फीसदी बढ़ा था

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल में गिरावट की वजह से रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उम्मीद से कम रहा और मार्जिन पर भी थोड़ा असर पड़ा है। हालांकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 27.4 फीसदी बढ़कर 17,394 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 13,656 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। विश्लेषकों ने 18,463 करोड़ रुपये मुनाफे का अनुमान लगाया था। रिलायंस ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में कच्चे तेल के दाम में 14 फीसदी की कमी आई थी, जिसकी वजह से मुनाफे पर थोड़ा असर पड़ा है। वित्त वर्ष 2024 की जुलाई-सितंबर में रिलायंस की परिचालन आय महज 1.1 फीसदी बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्षकी समान तिमाही में करीब 2.29 लाख करोड़ रुपये रही थी।

30 सितंबर को समाप्त तिमाही तक रिलायंस इंडस्ट्रीज पर कुल बकाया कर्ज 2.96 लाख करोड़ रुपये था। दूसरी ओर कंपनी के पास कुल नकद और जमा 1.78 लाख करोड़ रुपये था। रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिटेल इकाई रिलायंस रिटेल का मुनाफा वित्त वर्ष 2024 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 21 फीसदी बढ़कर 2,790 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कंपनी की परिचालन आय सालाना आधार पर 19.5 फीसदी बढ़कर 68,937 करोड़ रुपये रही। जुलाई-सितंबर तिमाही में रिलायंस रिटेल ने 471 नए स्टोर खोले, जिससे देश भर में उसके कुल स्टोरों की संख्या बढ़कर 18,650 हो गई है। इस दौरान रिलायंस रिटेल की कुल आय में उसके डिजिटल कॉमर्स और नए कॉमर्स कारोबार की हिस्सेदारी बढ़कर 19 फीसदी हो गई। सितंबर तिमाही में रिलायंस रिटेल ने वैश्विक निवेशकों से 100 अरब डॉलर से ज्यादा के मूल्यांकन पर 15,314 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो इन्फोकॉम का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में लाभ करीब 12 फीसदी बढ़कर 5,297 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 4,729 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था।

ओपनएआई की प्रतिद्वंद्वी कंपनी एंथ्रोपिक में दो अरब डॉलर का निवेश करेगी गूगल: रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

एआई की बढ़ती रेस के बीच गूगल कथित तौर पर एआई स्टार्टअप कंपनी एंथ्रोपिक में दो अरब डॉलर का निवेश कर रही है, जिसकी स्थापना माइक्रोसॉफ्ट समर्थित ओपनएआई के पूर्व सदस्यों ने की थी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, फंडिंग डील में अभी 50 करोड़ डॉलर और बाद में 150 करोड़ डॉलर तक का निवेश शामिल है। गूगल ने अभी तक इस पर टिप्पणी नहीं की है। गूगल ने अप्रैल में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी लेते हुए कंपनी में 30 करोड़ डॉलर का निवेश किया था। सितंबर में, अमेज़ॅन ने कहा कि वह कंपनी में अल्पमत स्वामित्व स्थिति के साथ एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक में 400 करोड़ डॉलर तक का निवेश करेगी, क्योंकि ओपनएआई के चैटजीपीटी द्वारा शासित बढ़ते जेनरेटिव एआई बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। एंथ्रोपिक क्लॉड 2 का डेवलपर है, जो ओपनएआई के चैटजीपीटी का प्रतिद्वंद्वी चैटबॉट है। क्लॉड 2 ने जीआरई पढ़ने और लिखने की परीक्षा में और इसी तरह मात्रात्मक तर्क में 90वें प्रतिशत से ऊपर स्कोर किए। एंथ्रोपिक उन चार कंपनियों में से एक थी, जिन्हें अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट और ओपनएआई के साथ अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ जिम्मेदार एआई विकास पर चर्चा करने के लिए व्हाइट हाउस में एक बैठक में आमंत्रित किया गया था। एंथ्रोपिक अपने भविष्य के फाउंडेशन मॉडल के निर्माण, प्रशिक्षण और तैनाती के लिए अमेज़ॅन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ट्रेनियम और इनफेरेंटिया चिप्स का उपयोग करेगा, जो एडब्ल्यूएस की कीमत, प्रदर्शन, पैमाने और सुरक्षा से लाभान्वित होगा। जुलाई 2023 तक, एंथ्रोपिक ने 150 करोड़ डॉलर की फंडिंग जुटाई थी। एंथ्रोपिक की स्थापना 2021 में ओपनएआई के पूर्व वरिष्ठ सदस्यों, मुख्य रूप से डेनिएला अमोदेई और डारियो अमोदेई द्वारा की गई थी, जिनमें से डारियो ने ओपनएआई के अनुसंधान के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया था।

भारत ने ओसाका में जी-7 बैठक के दौरान जापान, ब्रिटेन के साथ व्यापार वार्ता की

नई दिल्ली।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को ओसाका में जापान के व्यापार मंत्री निशिमुरा यासुतोशी और ब्रिटेन के व्यापार मंत्री केमी बडेनोच के साथ अलग-अलग बैठकों में व्यापार और निवेश पर द्विपक्षीय वार्ता की। ओसाका में जी 7 व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्री के साथ एक बैठक की। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा, विभिन्न क्षेत्रों में भारत-जापान व्यापार और निवेश संबंधों को और अधिक गति देने पर विचार-विमर्श किया। मंत्री ओसाका में ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) के व्यापार मंत्रियों की बैठक के लिए जापान में हैं। सीईपीए पर हस्ताक्षर के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ गया है और वित्त वर्ष 2022 में 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है,

हालांकि, 11 वर्षों की अवधि में जापान के साथ भारत का व्यापार घाटा लगभग दोगुना होकर 8.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।जापान से भारत के आयात में 1.6 प्रतिशत की सीएजीआर वृद्धि देखी गई, जबकि जापान को भारत के निर्यात में 2012 से 2022 तक 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

दोनों सरकारें अपने विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए मेक इन इंडिया अभियान, पीएलआई योजना और व्यापार के विविधीकरण आदि पर जोर देते हुए भारत सरकार के साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद व्यापार संबंधों की दिशा में काम कर रही हैं।

इससे निर्यात में योगदान बढ़ाने में मदद मिलेगी।गोयल ने एक्स पर यह भी कहा कि उन्होंने यूके के व्यापार मंत्री केमी बडेनोच के साथ भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता की प्रगति पर चर्चा की।जिन मुद्दों पर चर्चा की जा रही है उनमें सामान, सेवाएं, निवेश और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स शामिल हैं।

भारत यूके के बाजार में आईटी और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों से अपने कुशल पेशेवरों के लिए अधिक पहुंच की मांग कर रहा है, इसके अलावा शून्य सीमा शुल्क पर कई वस्तुओं के लिए बाजार पहुंच की भी मांग कर रहा है। दूसरी ओर, यूके स्कॉच व्हिस्की, ऑटोमोबाइल और चॉकलेट जैसी कुछ कन्फेक्शनरी वस्तुओं जैसे सामानों पर सीमा शुल्क में महत्वपूर्ण कटौती चाहता है। ओसाका में डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक के साथ एक अन्य बैठक में गोयल ने विकासशील देशों को वैश्विक व्यापार में उचित सौदा देने का मुद्दा भी उठाया।

बीपीसीएल ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 8,501 करोड़ रुपये के मुनाफे के साथ वापसी की

नई दिल्ली। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 8,244 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में 338 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया था। सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने 19,052 करोड़ रुपये का अपना अब तक का सबसे अधिक अर्धवार्षिक लाभ भी कमाया है। बीपीसीएल ने जुलाई-सितंबर 2023 तिमाही के लिए परिचालन से 1,16,594 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 1,28,333 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में तेल दिग्गज का स्टैंडअलोन मुनाफा 8,501 करोड़ रुपये था, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में 304 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। अप्रैल-सितंबर 2023 की अवधि के लिए कंपनी का सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) 15.42 डॉलर प्रति बैरल था, जबकि 1 जुलाई 2022 से लगाए गए विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क, सड़क और बुनियादी ढांचे उपकर के प्रभाव को शामिल करने से पहले इसी तुलनात्मक अवधि में 22.30 डॉलर प्रति बैरल था।

स्मार्ट बाज़ार में त्यौहार पर जबरदस्त ऑफर

नई दिल्ली । बचत हमेशा भारतीय उपभोक्ता के लिए केंद्रीय आकर्षण रही है। और जब रोजमर्रा की वस्तुओं पर बचत की बात आती है, तो स्मार्ट बाजार इस श्रेणी में अग्रणी है। स्मार्ट बाजार कई श्रेणियों के लिए वन-स्टॉप शॉपिंग गंतव्य है, जिसमें स्टेपल, पैकेज्ड फूड, घरेलू और व्यक्तिगत देखभाल, फल, सब्जियां शामिल हैं। डेयरी, परिधान, घरेलू सामान, घरेलू साज-सज्जा, छोटे उपकरण, सामान, आदि। स्मार्ट बाज़ार में जाने से पहले आपको दो बार सोचने की ज़रूरत नहीं है; दिन, सप्ताह के दिन या सप्ताहांत, महीने की शुरुआत या अंत की परवाह किए बिना, आप निश्चिंत हो सकते हैं कि आपको अपनी सभी खरीदारी आवश्यकताओं के लिए सबसे कम कीमत मिलेगी। इससे भी बेहतर, आपको 1999 रु. की खरीदारी पर केवल रु. 9 प्रति किलो के हिसाब से चीनी मिलती है।स्मार्ट बाज़ार ने माधुरी दीक्षित को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया और अपना ब्रांड अभियान, स्मार्ट बाज़ार चलें लॉन्च किया। माधुरी इस ब्रांड के लिए बिल्कुल उपयुक्त थीं, क्योंकि वह अपने विशिष्ट आकर्षण के साथ ग्राहकों के लिए सापेक्षता का एक नया पहलू लेकर आई थीं। इस उत्सव में आवश्यक वस्तुएं जैसे स्टेपल, परिधान और उपहार देने वाली वस्तुएं एक ही छत के नीचे सर्वोत्तम कीमतों और अद्भुत ऑफर के साथ उपलब्ध हैं।

देश में 19 फीसदी बढ़ा आम का निर्यात

नई दिल्ली । भारत में आम निर्यात 2023 सीजन में 19 फीसदी बढ़ा है। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार फलों की तेज मांग रहने के कारण कुल निर्यात 47.98 अरब डॉलर का रहा है। मात्रा के हिसाब से देखें तो भारत ने चालू वित्त वर्ष के शुरुआती 5 महीने में 47.98 अरब डॉलर के 27,330 टन आम का निर्यात किया है। यही मोटे तौर पर देश में आम का सीजन होता है। मात्रा के हिसाब से भी आम निर्यात 19 प्रतिशत बढ़ा है। भारत में सामान्यतया आम का सीजन अप्रैल के करीब शुरू होता है और जुलाई के अंत या अगस्त तक चलता है। विश्व में आम के प्रमुख निर्यात केंद्रों में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, पश्चिम अफ्रीकी देश जैसे कतर, संयुक्त अरब अमीरात व अन्य देश शामिल हैं। 2023 सीजन में भारत ने 41 देशों में आम का निर्यात किया है और कुछ नए देशों जैसे ईरान, मॉरिशस, चेक रिपब्लिक और नाइजीरिया में आम भेजे हैं। सरकार भी फलों के निर्यात के लिए कदम उठा रही है।

सेबी ने सात जिंसों में वायदा कारोबार निलंबन एक साल बढ़ाया

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने गेहूं और मूंग सहित सात कृषि जिंसों में वायदा और विकल्प कारोबार के निलंबन को एक साल बढ़ा दिया है। कीमतों पर नियंत्रण के लिए यह प्रतिबंध अब दिसंबर 2024 तक लागू रहेगा। सेबी ने जिन कृषि जिंसों के वायदा और विकल्प कारोबार पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें धान (गैर-बासमती), चना, कच्चा पाम तेल, सरसों बीज और सोयाबीन शामिल हैं। सेबी ने एक बयान में कहा कि उपरोक्त अनुबंधों में कारोबार का निलंबन 20 दिसंबर, 2023 से आगे 20 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इन जिंसों में मौजूदा सौदों को काटा जा सकता है, लेकिन एक वर्ष के लिए किसी भी नए वायदा कारोबार की अनुमति नहीं होगी। महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए सेबी ने दिसंबर 2021 में एक्सचेंजों को सोयाबीन, सरसों, चना, गेहूं, धान, मूंग और कच्चे पाम तेल के नए वायदा और विकल्प अनुबंध शुरू करने से रोक दिया था।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई ।

कमजोर महंगाई के आंकड़ों के बाद अमेरिकी बांड प्रतिफल में नरमी की वजह से भारतीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा। सेंसेक्स और निफ्टी में 6 दिनों की गिरावट के बाद शुक्रवार को आखिरकार बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को विजयदशमी पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से बीते सप्ताह बाजार में केवल चार दिन का कारोबार हुआ। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका में इंफ्लेशन के आंकड़े उम्मीद से कमजोर रहने के बाद ट्रेजरी यील्ड में गिरावट देखने को मिली, जिसका भारतीय बाजार के ज्यादातर सेक्टर्स पर पॉजिटिव असर दिखाई दिया। बीते सप्ताह के चार दिन के कारोबार पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 56.3 अंक बढ़कर 65,453.92 पर खुला और 825.74 अंक की गिरावट के साथ 64,571.88 के स्तर पर बंद हुआ। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 14.2 अंक चढ़कर 19,556.85 पर खुला और 260.90 अंक की गिरावट के साथ 19281.80 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 62.33 अंकों की गिरावट के साथ 64,533.54 पर खुला और 522.82 अंकों की गिरावट के साथ 64,049.06 पर बंद हुआ। निफ्टी 15.35 अंक फिसल कर 19,269.60 के स्तर पर खुला और 159.60 टूटकर 19,122.15 पर बंद हुआ।

गुरुवार को सेंसेक्स 900 अंक गिरकर 63200 अंक पर खुला और 900 अंकों की गिरावट के साथ 63,148.15 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी हल्की गिरावट के बाद 18,900 अंक पर खुला और 264.91 कमजोर होकर 18,857.25 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बीते छह दिनों से जारी गिरावट पर शुक्रवार को ब्रेक लगा। नवंबर सीरीज के पहले कारोबारी दिन बाजार में हरे निशान पर कारोबार होता दिखा। सेंसेक्स 449.04 अंकों की बढ़त के साथ 63,597.19 पर खुला और 634.65 अंकों की बढ़त के साथ 63,782.80 पर बंद हुआ। निफ्टी 140.96 अंकों की बढ़त के साथ 18,997.05 पर खुला और 190.00 अंक मजबूत होकर 19,047.25 पर बंद हुआ।

देश के 140 करोड़ में से सिर्फ 6.65 करोड़ लोग ही भर रहे आयकर!

- सरकार को मिलने वाले आयकर की 76 फीसदी राशि 5 फीसदी लोग भरते हैं

नई दिल्ली।

भारत में अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक आबादी है लेकिन यहां पर आयकर का भुगतान करने वाले सबसे कम हैं। डेटा के अनुसार 140 करोड़ की आबादी वाले देश में सिर्फ 6.65 करोड़ ही आयकर का भुगतान करते हैं। यह संख्या कुल आबादी की 4.8 और वयस्क की आबादी 6.3 है। यह तथ्य भी चौंकाने वाला है कि सरकार को मिलने वाले कुल आयकर की 76 फीसदी रो शि 32 लाख (5 फीसदी) लोग भरते हैं। सबसे अे धिक चौंकाने वाली बात यह है कि यह ट्रेंड पिछले नौ सालों से चला आ रहा है। सरकार ने कर संग्रह बढ़ाने के लिए डिमोनेटाइनेशन, जीएसटी और बड़े ट्रांजेक्शन में पैन अनिवार्य किया फिर भी कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। वैश्विक निवेश बैंक जेफरीज ने देश के 10 साल के व्ये क्तिगत आयकर ट्रेंड का विश्लेषण किया है। इसके अनुसार रिटर्न भरने वालों की संख्या हर साल 8 फीसदी की दर से बढ़ रही है। साल 2012 में इनकी संख्या 3.1 करोड़ थी जो 2023 में 7.1 करोड़ रह गई है। इसके उलट कारपोरेट टैक्स भरने वाले 5 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर 10 लाख ही हुए। हालों कि ज्यादा छूट मिलने से व्ये क्तिगत आयकर जमा करने वालों की संख्या 33 फीसदी गिर गई है। 5 लाख, 10.5 लाख, 50 लाख से अे धिक आय वाले करदाता सालाना 17 से 20 फीसदी की दर से बढ़ रहे हैं। व्यक्तिगत करदाताओं की आय बढ़ी है। यह 2012 में जीडीपी 15 फीसदी थी जो 2023 में 23 फीसदी हो गई है। कुल व्यक्तिगत आय में शार्ट टर्म ओर लांग टर्म कै पिटल गैन्स का योगदान दोगुना बढ़कर 7.6 फीसदी हो गया है। यही नहीं आय में कैपिटल गैन्स बताने वाले पिछले तीन साल में दोगुने हो गए हैं। ऐसा डिस्क्लोजन बढ़ने और डेटा ट्रेकिंग के चलते हुआ है। अब रिटर्न फार्म में पहले से यह जानकारी भरी रहती है। सीबीडीटी के मुतो बिक व्यक्तिगत आयकर का भुगतान करने वाले शीर्ष एक फीसदी लोगों की कुल आय अन्य आयकरदाताओं के मुकाबले कम हुई है।

यूनिकॉर्न ही नहीं, सूनीकॉर्न का भी केंद्र बन रहा उत्तर प्रदेश

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में औद्योगिक विकास के साथ ही इनोवेशंस और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके चलते उत्तर प्रदेश में आठ यूनिकॉर्न की उपस्थिति है, कई स्टार्टअप्स तेजी से यूनिकॉर्न बनने की ओर अग्रसर हैं। ऐसे स्टार्टअप्स को सूनीकॉर्न यानी सून टू बी यूनिकॉर्न कहा जाता है। उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2025 तक 10 हजार स्टार्टअप्स की उपस्थिति का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसके अनुरूप वर्ष 2023 के मध्य तक ही लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है। प्रदेश में निवेश के आंकड़ों का संकलन कर रही एजेंसी केपीएमजी ने एक रिपोर्ट के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पे-टीएम, पे-टीएम मॉल, इंडिया मार्ट, मोगलिक्स, पाइन लैब्स, इनोवेसर, इंफो एज और फिजिक्स वाला वो स्टार्टअप्स हैं जो उत्तर प्रदेश में बेस्ड हैं और ये देश की यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स में शुमार हैं। यूनिकॉर्न स्टार्टअप वो स्टार्टअप होता है जिसकी वैल्यूएशन एक अरब डॉलर से अधिक हो। फिलहाल देश में 108 से ज्यादा यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स मौजूद हैं। प्रदेश में दो सूनीकॉर्न स्टार्टअप्स कार्य कर रहे हैं और इनके नाम क्लास प्लस व इनशॉर्ट्स हैं। इसके अलावा, जिन स्टार्टअप्स का वैल्यूएशन 10 लाख डॉलर हो जाता है उन्हें मिनिकॉर्न कहा जाता है और ऐसे स्टार्टअप पोटेंशियल के लिहाज से भी उत्तर प्रदेश लगातार प्रगति कर रहा है।

एफपीआई की बिकवाली का सबसे ज्यादा असर वित्तीय, आईटी शेयर पर

नई दिल्ली। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा है कि एफपीआई की बिक्री लगातार जारी है, जिसका सबसे ज्यादा असर वित्तीय सेवाओं और आईटी सेगमेंट पर पड़ रहा है। अक्टूबर में एफपीआई ने 20,356 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची है। उन्होंने कहा कि एक्सचेंजों के माध्यम से बिक्री 25,575 करोड़ रुपये से अधिक रही है। एफपीआई ने वित्तीय, बिजली, एफएमसीजी और आईटी जैसे क्षेत्रों में सबसे ज्यादा बिकवाली की। निरंतर बिक्री का मुख्य कारण अमेरिकी बांड यील्ड में तेज वृद्धि है, जिसने 10 साल की यील्ड को 17 साल के उच्चतम 5 प्रतिशत पर पहुंचा दिया है। यील्ड अब घटकर 4.84 फीसदी पर है। उन्होंने कहा, इतनी ऊंची बॉन्ड यील्ड के साथ एफपीआई के लिए पैसा निकालना तर्कसंगत भी है।उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया में इजराइल-हमास संघर्ष को लेकर अनिश्चितता से बाजार में नेगेटिव सेंटीमेंट्स हैं। एफपीआई निवेश की एक महत्वपूर्ण विशेषता ऋण बाजार में बढ़ती आमद है। एफपीआई की बिकवाली ने वित्तीय सेवाओं और आईटी सेगमेंट को दूसरों की तुलना में अधिक प्रभावित किया है। इसका कारण यह है कि ये दो सेगमेंट एफपीआई के एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) का बड़ा हिस्सा हैं।

फूड

नाश्ते में बनाएं गुड़ मसूर दाल का स्वादिष्ट हलवा, यह रही आसान रेसिपी

इस मौसम में लगभग हर कोई गरमा-गरम हलवा खाना पसंद करता है। खासकर, गाजर के हलवे का इंतजार तो सबको रहता है। लेकिन, क्या आप गाजर का हलवा बार-बार खाकर बोर नहीं हो गई। अगर हां, तो आपको इस लेख को पूरा पढ़ना चाहिए, क्योंकि आज इस लेख में हम आपको मसूर की दाल और गुड़ का हलवा बनाने की आसान रेसिपी बता रहे हैं। इसकी मदद से बहुत ही आसानी से हलवा बहुत की जल्दी बन जाएगा। तो देर किस बात की आइए जानते हैं आसान रेसिपी- सबसे पहले आप मसूर दाल को धोकर उबालने के लिए रख दें। इधर किसी बर्तन में दूध को उबालने के लिए रख दें। इसके बाद एक कढ़ाई में घी गर्म करके मसूर की दाल को हल्का रोस्ट कर लें। फिर मिक्सर ग्राइंडर में डालकर पीस लें। थोड़ी देर बाद इसमें दूध और गुड़ को भी डालकर गाढ़ा होने तक पका लें और फिर इलायची पाउडर को डालकर एक बार अच्छे से चलाकर गैस को बंद कर दें। अब आप सर्विंग प्लेट में निकालकर ऊपर से ड्राई फ्रूट्स से सजाकर खाने के लिए सर्व करें। सबसे पहले आप मसूर दाल को धोकर उबालने के लिए रख दें। इधर किसी बर्तन में दूध को उबालने के लिए रख दें। इसके बाद एक कढ़ाई में घी गर्म करके मसूर की दाल को हल्का रोस्ट कर लें। फिर मिक्सर ग्राइंडर में डालकर पीस लें। थोड़ी देर बाद इसमें दूध और गुड़ को भी डालकर गाढ़ा होने तक पका लें। अब आप सर्विंग प्लेट में निकालकर ऊपर से ड्राई फ्रूट्स से सजाकर खाने के लिए सर्व करें।

फैशन

रेड साड़ी

रेड साड़ी के लेटेस्ट सेलिब्रिटी लुक्स, आप भी कर सकती हैं रीक्रिएट

वेडिंग सीजन एक बार फिर से शुरू हो चुका है और हम महिलाओं की शॉपिंग अभी भी रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। खासतौर पर बात जब आउटफिट्स की आती है, तो हम लोग कुछ ज्यादा ही चूजी हो जाते हैं। वैसे शादी-विवाह के अवसरों पर साड़ी, सलवार सूट, लहंगे जैसे आउटफिट्स का ही चलन देखा गया है, मगर इनमें भी वैरायटी की भरमार है और जब हम मार्केट जाते हैं, तो इनमें से अपने लिए कोई एक आउटफिट का चुनाव करना हमारे लिए बहुत मुश्किल हो जाता है। इसलिए ट्रेंड के साथ चलना एक बहुत अच्छा विकल्प हो सकता है। एथनिक फैशन में ट्रेंड की बात करें तो आजकल सेलिब्रिटीज को रेड साड़ी लुक में खूब देखा जा रहा है। ऐसे में इस वेडिंग सीजन अगर रेड साड़ी को हॉट ट्रेंड मान लिया जाए तो यह गलत नहीं होगा। नीता अंबानी और मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के सगाई में शामिल होने के लिए 'बेशरम रंग' सॉन्ग फेम एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने तोरानी फैशन लेबल द्वारा डिजाइन की हुई लाल सिंदूरी ताशी साड़ी कैरी की थी। स साड़ी पर ट्रेडिशनल डोरिया और गोल्डन सितारा वर्क किया गया था, जो इस साड़ी को रेट्रो लुक दे रहा था। आपको बता दें कि इस तरह की साड़ी का फैशन एक बार फिर से लौट आया है। अगर आप भी साड़ी में ट्रेडिशनल और रेट्रो लुक पाना चाहती हैं, तो आप भी दीपिका पादुकोण की तरह हैवी एंब्रॉयडरी वाले ब्लाउज के साथ उसे कैरी कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी के साथ आप हैवी गोल्ड ज्वैलरी या फिर मोतियों का हार कैरी कर सकती हैं। इस तस्वीर में एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने चुनरी प्रिंट वाली खूबसूरत साड़ी कैरी की हुई है। दिखने में बेहद सिंपल साड़ी को रकुल ने मैचिंग के डिजाइनर ब्लाउज के साथ कैरी किया हुआ है। अगर इस तरह की साड़ी आप भी पहनना चाहती हैं, तो आपको बाजार में इसमें ढेरों वैरायटी मिल जाएंगी मगर इन्हें किसी बड़े अवसर पर पहनने के लिए आपको इनके साथ हैवी ज्वैलरी कैरी करनी होगी। अगर आप रकुल की तरह प्लंजिंग नेकलाइन वाला ब्लाउज पहनने में असहज महसूस कर रही हैं, तो आप डीप नेकलाइन में वी-नेक, राउंड नेक और स्वीट हार्ट नेकलाइन वाला ब्लाउज भी कैरी कर सकती हैं।

हेल्थ

दिल्ली में डेंगू-मलेरिया के बढ़े मामले

राजधानी दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों मच्छर जनित रोगों के मामले बढ़ रहे हैं। सरकारी और निजी दोनों अस्पतालों में रोगियों की संख्या बढ़ी है, हालांकि राहत की बात ये है कि ज्यादातर लोग आसानी से ठीक होकर घर वापस लौट रहे हैं। गंभीर रोगों के मामले सिर्फ उन्हीं लोगों में देखे जा रहे हैं जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है या फिर जिनको पहले से ही कोमोरबिडिटी की समस्या रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को इन दिनों मच्छरों के काटने से बचाव के लिए उपाय करते रहने की जरूरत है क्योंकि इन रोगों से किसी को भी सुरक्षित नहीं माना जा सकता है। डॉक्टर्स बताते हैं, बच्चों में डेंगू के गंभीर रूप लेने का खतरा अधिक हो सकता है, सभी लोगों को सुरक्षात्मक उपायों को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए। अस्पताल से मिल रही जानकारियों के मुताबिक पिछले एक महीने में डेंगू के साथ-साथ मलेरिया के भी केस में बढ़ोतरी देखी गई है। ये दोनों ही रोग कुछ स्थितियों में गंभीर जोखिम कारक हो सकते हैं। नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल (एनसीवीबीडीसी) के अनुसार, इस साल सितंबर के मध्य तक दिल्ली में डेंगू के 5,000 से अधिक मामले सामने आए थे। यह पिछले सालों में इसी अवधि के दौरान आए डेंगू के मामलों से कहीं अधिक है। हालांकि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने दिल्ली में डेंगू को लेकर हालिया कोई रिपोर्ट जारी नहीं की है। आखिरी आधिकारिक रिपोर्ट अगस्त के पहले महीने में आई थी। सितंबर-अक्तूबर के महीने में दिल्ली में डेंगू के साथ मलेरिया के मरीज भी बढ़ रहे हैं, इस दौरान 352 केस रिपोर्ट किए गए हैं। इन दोनों रोगों के कई लक्षण एक तरह के ही होते हैं, आइए जानते हैं कि कैसे जानें कि आपको डेंगू की समस्या है या फिर मलेरिया की?

फिटनेस

वेट लिफ्टिंग के दौरान कलाई में नहीं लगेगी चोट

बस इन बातों का रखें ध्यान

जिम में वर्कआउट करते हुए हम सभी कई तरह की एक्सरसाइज करते हैं। कार्डियो से लेकर वेट लिफ्टिंग तक कई तरह का वर्कआउट ना केवल बॉडी को शेप देता है, बल्कि बॉडी स्टेमिना और स्ट्रेन्थ भी बढ़ाता है। हालांकि, कई बार यह देखने में आता है कि जब हम वेट लिफ्टिंग करते हैं तो उस दौरान कलाइयों में इंजरी हो जाती है। हाथों की मूवमेंट करने से लेकर वजन उठाते समय हम कई छोटी-छोटी चीजों की अनदेखी करते हैं। लेकिन ये छोटी-छोटी बातें वर्कआउट परफार्मेंस को इफेक्ट करती हैं। इतना ही नहीं, इससे कलाई में चोट लगने की संभावना काफी बढ़ जाती है। हालांकि, अगर आप चाहती हैं कि वेट लिफ्टिंग के दौरान आपकी कलाइयों में किसी तरह की इंजरी ना हो, तो ऐसे में आप कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो कर सकती हैं-

अगर आप हैवी वेट लिफ्टिंग करने वाली हैं तो यह सलाह दी जाती है कि आप रिस्ट रैप का पहनकर ही वर्कआउट करें। खासतौर से, बेंच प्रेस, ओवरहेड प्रेस, या हैवी कर्ल वर्कआउट करते समय कलाई में चोट लगने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। अक्सर यह देखा जाता है कि जब लोग वेट लिफ्टिंग करते हैं तो ऐसे में बहुत हैवी वेट उठाते हैं। वे अपनी बॉडी में कम समय में बदलाव होते हुए देखना चाहते हैं, जिसके कारण जरूरत से ज्यादा वजन उठाते हैं। लेकिन आपको हमेशा अपनी स्ट्रेन्थ के अनुसार ही वजन उठाना चाहिए। अगर आप उससे अधिक वजन उठाते हैं तो इससे कलाई में चोट लग सकती है। हमेशा शुरूआत हल्के वजन से करें और धीरे-धीरे समय के साथ वजन बढ़ाते जाएं।

सही हो तकनीक

वेट लिफ्टिंग के दौरान अक्सर कलाई में चोट उन्हें लगती है, जिनका बॉडी पोश्चर या तकनीक सही नहीं होती है। अगर आप किसी भी वर्कआउट को बहुत जल्दी-जल्दी करती हैं या फिर गलत तरीके से करती हैं तो इससे आपको कोई फायदा नहीं होता है, बल्कि इससे कलाई में चोट लग सकती है। इसलिए, बेहतर होगा कि आप ट्रेनर की देख-रेख में वेट लिफ्टिंग करें। इससे आपकी कलाई में चोट लगने की संभावना न के बराबर होगी।

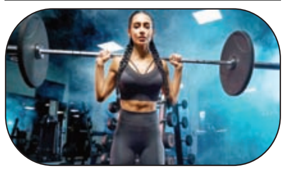

कलाइयों का भी करें वार्मअप

यह तो हम सभी जानते हैं कि किसी भी वर्कआउट से पहले बॉडी वार्मअप करना बेहद जरूरी होता है। लेकिन अक्सर हम कलाइयों के मूवमेंट पर उतना ध्यान नहीं देते हैं। हालांकि, अगर आप वेट लिफ्टिंग करने वाली हैं तो ऐसे में आपको कलाइयों का वार्मअप भी जरूर करना चाहिए। इससे आपकी कलाइयों के ज्वॉइंट्स थोड़े ल्यूब्रिकेट हो जाते हैं, जिससे मूवमेंट करना आसान हो जाता है। इसके लिए आप मुट्ठी बनाकर उसे घुमा सकती हैं या फिर एक्सटेंसर स्ट्रेच को बतौर वार्मअप किया जा सकता है।

ब्यूटी

सर्दियां आने से पहले इस तरह से रखें चेहरे का ख्याल

नहीं होगी त्वचा ड्राई

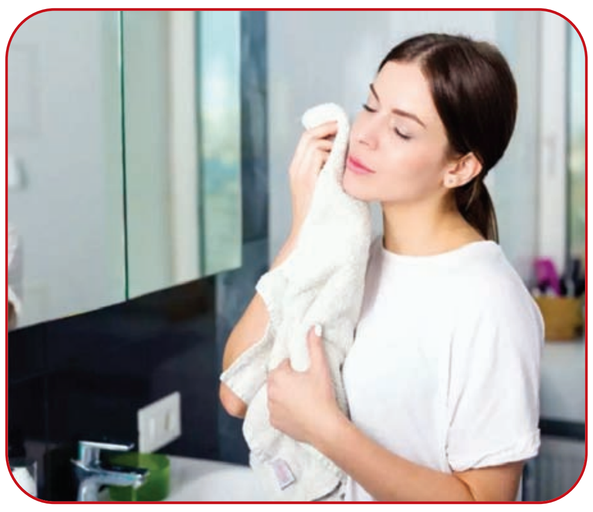

चेहरे की त्वचा मौसम के हिसाब से अपना टेक्सचर बदलती है, लेकिन त्वचा का टेक्सचर किस तरह का भी हो आपको रोजाना स्किन केयर रूटीन को फॉलो करना ही चाहिए। वहीं मौसम की बात करें तो सर्दियां आने वाली हैं और इस मौसम में त्वचा ड्राई होने लगती है। स्किन ड्राईनेस को कम करने के लिए आपको मौसम के बदलने से पहले ही स्किन केयर रूटीन को फॉलो करना चाहिए ताकि मौसम के बदलने पर त्वचा बेजान न नजर आए। तो चलिए आज हम आपको बताने वाले हैं सर्दियां आने से पहले कैसे करें त्वचा की देखभाल।

रोजाना त्वचा की देखभाल कैसे करें?

त्वचा की देखभाल आपको रोजाना करनी चाहिए ताकि त्वचा को सही तरीके से पोषण मिलता रहे और स्किन लम्बे समय तक हेल्दी नजर आए। इसके लिए आप चेहरे पर सीटीएम रूटीन को फॉलो करें। साथ ही चेहरे की त्वचा पर सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। सनस्क्रीन आपकी त्वचा को तेज धूप से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाने में मदद करता है।

त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए क्या करें?

अक्सर मौसम के बदलने के कारण त्वचा ड्राई हो जाती है और इसी कारण त्वचा से हाइड्रेशन भी खत्म होने लगता है। इसके लिए आपको चेहरे की त्वचा पर फेस ऑयल, शीट मास्क और फेस सीरम जैसी चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए। यह तीनों ही चीजें चेहरे की त्वचा के अंदर तक जाकर पोषण देने का काम करेंगी।

पर्पल लिप शेड

चेहरे को नैचुरली ग्लोइंग बनाने के लिए आप घरेलू चीजों की सहायता ले सकती हैं। इसके लिए आप चेहरे पर हफ्ते में 2 से 3 बार तक चंदन, गुलाब जल और कच्चे दूध से बने फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके अलावा आप वीकली सैलून में जाकर भी बेसिक क्लीन अप जैसे ट्रीटमेंट ले सकती हैं। ऐसा करने से चेहरे की त्वचा पर मौजूद टैनिंग हट जाएगी। अगर आपको सर्दियां आने से पहले त्वचा की सही तरीके से देखभाल करने के आसान टिप्स पसंद आए हों तो इस आर्टिकल को शेयर करना न भूलें। साथ ही, इस आर्टिकल पर अपनी राय हमें ऊपर दिए गए कमेंट सेक्शन में जरूर बताएं। ऐसे अन्य आर्टिकल पढ़ने के लिए हरजिंदगी को फॉलो करें।

जनवरी में हनीमून डेस्टिनेशन के लिए बेस्ट हैं भारत की ये जगहें

सैर-सपाटा

हर नवविवाहित जोड़ा चाहता हैं कि उनका हनीमून यादगार हो। लेकिन बजट के कारण, बहुत से लोग महंगे पर्यटन स्थानों पर नहीं जा पाते। लेकिन आज हम आपको भारत में ही स्थित कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताएंगे, जहां आप अपने हनीमून को बहुत किफायती बजट में यादगार बना सकते हैं। इतना ही नहीं अगर आप जनवरी के महीने के लिए बेस्ट हनीमून डेस्टिनेशन खोज रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके काम का है। दार्जिलिंग भारत का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। पश्चिम बंगाल में स्थित इस जगह में पांच दिवसीय यात्रा में बस 18,000 रुपये तक में पूरी हो जाएगी। दार्जिलिंग देश के प्रमुख चाय उत्पादक स्थानों में से एक है। यहां का नजारा आपके हनीमून को यादगार बना देगा। अगर आप सच में प्रकृति के प्रेमी है, तो आपको एक चाय एस्टेट में रहने का मौका नहीं छोड़ना चाहिए। दार्जिलिंग की सुंदरता को देखने के लिए हर साल हजारों पर्यटक यहां आते हैं।

जोरपोखरी- जोरपोखरी एक छोटा सा शहर है जिसमें हरी घाटियों, शांत जलवायु है। यह खूबसूरत शहर दार्जिलिंग से सिर्फ 19 किमी दूर है। यदि आप अक्टूबर और मार्च के बीच यात्रा करते हैं, तो आप यहां प्रकृति की सुंदरता का अनुभव कर सकते हैं। (ठंड के मौसम में यहां घूमने का बनाएं प्लान)

सिंगला- दार्जिलिंग के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में से एक है। अगर आप यहां जाएंगे तो खुद को भूल जाएंगे। यहां का खूबसूरत मौसम और खूबसूरत वादियां पर्यटकों को दीवाना बना देती हैं। यह एक ऐसी जगह है जहां हर किसी को कम से कम एक बार जरूर जाना चाहिए। कश्मीर को उसकी खूबसूरती के कारण भारत का स्वर्ग कहा जाता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता के कारण आप एक बार यहां गए तो आपको वापस आने का मन नहीं होगा। जनवरी के महीने में यहां का मौसम शानदार हो जाता है कश्मीर में पांच रात ठहरने का खर्च 15,000 रुपये तक हो सकता है। यहां आप जनवरी से लेकर फरवरी तक खूबसूरत बर्फबारी का मजा ले सकते हैं। जनवरी में यहां ज्यादा स्नोफॉल देखने को मिलता है।

पंजाब सरकार ने दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नए साल के लिए पटाखे चलाने का समय तय किया

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नए साल पर बहुत कम समय के लिए केवल कम प्रदूषण करने वाले पटाखों के उपयोग की अनुमति देगी. दिवाली में रात 8 बजे से रात 10 बजे तक, गुरुपर्व पर सुबह 4 बजे से सुबह 5 बजे तक और रात 9 बजे से रात 10 बजे तक, क्रिसमस की पूर्व संध्या रात 11 :55 बजे से 12 :30 बजे तक और नए साल की पूर्व संध्या पर रात 11 :55 बजे से 12 :30 बजे तक केवल कम प्रदूषण करने वाले पटाखे फोड़े जा सकते हैं. पंजाब में पटाखों की ऑनलाइन बिक्री पर रोक है और किसी भी ऑनलाइन ऑर्डर को स्वीकार करने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर प्रतिबंध लागू है. पंजाब के पर्यावरण मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने लोगों से सामुदायिक रूप से पटाखे चलाने को प्रोत्साहित करने की अपील की. पर्यावरण मंत्री गुरमीत सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल , पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के विभिन्न दिशा-निर्देशों के मुताबिक राज्य सरकार कम प्रदूषण करने वाले पटाखों के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है. उन्होंने कहा कि दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या का त्योहारी सीजन नजदीक आ रहा है. जिसके दौरान विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण विभाग केवल कम प्रदूषण करने वाले पटाखों की अनुमति देगा. जिनमें बेरियम सॉल्ट या कम्पाऊंड ऑफ एंटीमनी, लिथियम, पारा, आर्सेनिक, सीसा या स्ट्रोंटियम क्रोमेट के यौगिकों का उपयोग नहीं किया जाता है. पर्यावरण मंत्री गुरमीत सिंह ने कहा कि राज्य में लड़ी पटाखों को बनाने, स्टॉक, डिस्ट्रीब्यूशन, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. उन्होंने कहा कि यह भी निर्देश दिया गया है कि मंजूरी हासिल पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंसशुदा व्यापारियों के जरिये ही की जाएगी. मीत हेयर ने कहा कि फिलपकार्ट, अमेजन सहित दूसरी कोई भी ई-कॉमर्स वेबसाइट पंजाब राज्य के भीतर किसी भी ऑनलाइन ऑर्डर को स्वीकार नहीं करेगी और ऑनलाइन बिक्री पर रोक के आदेश को प्रभावित नहीं करेगी. पंजाब के पर्यावरण मंत्री ने कहा कि पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को राज्य के चयनित शहरों में कम समय के दौरान निगरानी करने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी और तय जगहों पर मंजूरी हासिल कम प्रदूषण करने वाले पटाखों की बिक्री और उपयोग को सुनिश्चित करेंगे. इसके बारे में दिशा-निर्देशों के किसी भी उल्लंघन पर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी. मीत हेयर ने आम जनता से संबंधित अधिकारियों द्वारा पहले से तय किए गए इलाकों में सामुदायिक रूप से पटाखे फोड़ने को प्रोत्साहित करने की भी अपील की.

लोकसभा समिति ने महुआ मोइत्रा से दो नवंबर को पेश होने को कहा

नई दिल्ली। लोकसभा की आचार समिति ने 'पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने' से जुड़े आरोपों के मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा से 31 अक्टूबर के बजाय दो नवंबर को उसके सामने पेश होने को कहा है। समिति ने स्पष्ट किया है कि इसके बाद इस तिथि को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। मोइत्रा ने शुक्रवार को लोकसभा की आचार समिति के प्रमुख विनोद कुमार सोनकर को पत्र लिखकर कहा था कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य निशिकांत दुबे द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए 'पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने' के आरोपों के मामले में अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के चलते समिति के समक्ष 31 अक्टूबर को उपस्थित नहीं हो पाएंगी। उन्होंने कहा था कि वह पांच नवंबर के बाद ही पेश हो सकेंगी। समिति ने कहा कि वह इसके बाद तारीख और आगे बढ़ाने के उनके किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं करेगी। इस मामले के संदर्भ में बृहस्पतिवार को वकील जय अनंत देहाद्रई और दुबे ने मोइत्रा के खिलाफ आचार समिति को 'मौखिक साक्ष्य' सौंपे थे। मोइत्रा ने कहा था कि उन्हें 'दुबे और देहाद्रई द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए झूठे, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक आरोपों के खिलाफ खुद का बचाव करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया जाना चाहिए और मामले की निष्पक्ष सुनवाई होनी चाहिए।'

रेप, लूट और डकैती में नंबर-1 हैं मुस्लिम, एआईयूडीएफ सांसद बदरुद्दीन अजमल ने क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि मुसलमानों में अपराध दर अधिक है। अजमल ने हाल ही में कहा कि हम (मुसलमान) डकैती, डकैती, बलात्कार, लूट जैसे सभी अपराधों में नंबर 1 हैं। जेल जाने में भी हम नंबर 1 हैं। कुछ वर्गों की आलोचना के बावजूद, बदरुद्दीन अजमल मुसलमानों के बीच उच्च अपराध दर के अपने रुख पर कायम रहे। शुक्रवार को उन्होंने दोहराया कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा है और कहा कि अपराध में शामिल होने की उच्च प्रवृत्ति सीधे तौर पर शिक्षा की कमी पर निर्भर करती है। इत्र कारोबारी बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व वाली एआईयूडीएफ असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के बीच पकड़ रखती है। 126 सदस्यीय असम विधानसभा में एआईयूडीएफ के 15 विधायक हैं।

बदरुद्दीन अजमल अपराध के रुख पर दृढ़

बदरुद्दीन अजमल ने अपनी टिप्पणी को लेकर कहा कि मैंने दुनिया भर में मुस्लिम समुदाय में शिक्षा की कमी देखी है। मैंने दुख व्यक्त किया है कि हमारे बच्चे पढ़ते नहीं हैं, उच्च शिक्षा के लिए नहीं जाते हैं और मैट्रिक तक भी पूरी नहीं कर पाते हैं। युवाओं को शिक्षा की आवश्यकता समझाने के लिए, मैंने ऐसा कहा है। उन्होंने कहा कि लड़कों और पुरुषों को 'लड़कियों को देखते या उनके साथ बातचीत करते समय दुर्भावनापूर्ण इरादे नहीं रखने चाहिए। जो लड़के कहते हैं कि वे महिलाओं को देखकर यौन उत्तेजित हो जाते हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि इस्लाम कहता है कि व्यवहार करने का एक उचित तरीका है और जब हम बाजार या किसी सार्वजनिक स्थान पर जाते हैं और महिलाओं को देखते हैं, तो हमें दूसरी ओर देखना चाहिए।

मनीष सिसौदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 30 अक्टूबर को सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जेल में बंद आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसौदिया की जमानत याचिका पर सोमवार को फैसला सुनाएगा। सिसौदिया पर वर्तमान में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा घोटालों से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में मुकदमा चल रहा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री को कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से संबंधित मामलों और अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए विकास योजनाओं के लिए धन के आवंटन की सुविधा के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह फरवरी से न्यायिक हिरासत में हैं। जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच सोमवार सुबह 10:30 बजे फैसला सुनाएगी। 17 अक्टूबर को मामले पर आखिरी सुनवाई के दौरान, केंद्र के खिलाफ सिसोदिया का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील डॉ अभिषेक मनु सिंघवी के साथ अंतिम बहस समाप्त हुई। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत याचिका पर अपना फैसला टाल दिया था। 5 अक्टूबर को पिछली सुनवाई के दौरान, शीर्ष अदालत ने दिल्ली शराब नीति मामले की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसियों से कड़े सवाल पूछे थे, और उन सबूतों की मांग की थी जिनके बारे में वे दावा करते हैं कि उनके पास सिसोदिया के खिलाफ हैं।

पंजाब के मोगा में मॉब लिंचिंग का मामला, गुरुद्वारे से चोरी के आरोपी को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

चंडीगढ़। पंजाब के मोगा जिले में एक व्यक्ति को गुरुद्वारे से चोरी करने के आरोप में पीट-पीटकर मार डाला गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। करम सिंह नाम के इस शख्स की करीब 10 दिन पहले हुए हमले के तुरंत बाद मौत हो गई। हालांकि, अब सामने आए वीडियो के बाद पुलिस ने हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। मोगा की स्थानीय पुलिस ने गुरुसर मादी गांव के निवासी करम सिंह की हत्या के आरोप में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना तब सामने आई जब उनके परिवार ने पुरुषों के एक समूह द्वारा उनकी पिटाई का वीडियो देखा। पुलिस ने कहा कि करम सिंह को 16 अक्टूबर को कुछ ग्रामीणों ने मोगा के एक अस्पताल में भर्ती कराया था। उन्होंने अस्पताल को सूचित किया था कि गांव के एक गुरुद्वारे में चोरी के बाद भागते समय वह घायल हो गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

मप्र बड़े बदलाव के लिए तैयार, भारी बहुमत से आ रही है कांग्रेस: प्रियंका वाड्रा

– दमोह की चुनावी सभा में प्रियंका बोलीं– नेता धर्म की बातें करते हैं, काम की नहीं, इससे होता है जनता का नुकसान

दमोह (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश में कई वर्षों से भाजपा की सरकार है, लेकिन क्या प्रदेश की जनता के जीवन में तरक्की हुई?

क्या रोज़गार मिले हैं ? क्या महंगाई घटी है? नहीं, तो भाजपा की सरकार जनता के लिए क्या कर रही है? देश और प्रदेश की सरकार बड़े-बड़े उद्योगपतियों के लिए चल रही है, उसमें मिडिल क्लास, गरीबों के लिए, किसानों के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश बड़े बदलाव के लिए तैयार है। 225 महीने के शासन में 250 घोटाले करने वाली भाजपा सरकार जा रही है। भारी बहुमत से कांग्रेस आ रही है।

प्रियंका शनिवार को मप्र के प्रवास के दौरान दमोह में जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने मंच पर पहुंचते ही सबसे पहले भगवान वाल्मीकि जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने सभा में भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज नेता धर्म की बातें करते हैं, काम की नहीं, इससे जनता का ही नुकसान होता है। कुछ हटके बोलना चाहती हूं। किसानों को कोई राहत नहीं मिली। मनरेगा को कमजोर बना दिया। किसानों को कोई राहत नहीं मिली। ऐसा कानून लाए, जिसका लाभ नहीं मिला। महंगाई बढ़ती जा रही है। आज हर चीज पर जीएसटी लगा दी।

उन्होंने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी लाकर छोटे दुकानदारों की कमर तोड़ दी। कोरोना में हमारे देश में किसी को राहत नहीं मिली, जबकि बाकी देशों में दुकानदारों को राहत दी गई। बच्चों की किताबें, यूनिफॉर्म, इलाज, सीमेंट हर चीज पर जीएसटी लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि हम कह रहे हैं कि जातिगत जनगणना करो। बिहार में जातिगत जनगणना की गई है। वहां 84 फीसदी जनता एससी, एसटी और ओबीसी है, लेकिन अगर आप नौकरियों में बड़े-बड़े पदों को देखेंगे तो इन समुदायों का प्रतिनिधित्व क्या है? आप पाएंगे कि उतना प्रतिनिधित्व नहीं है।

उन्होंने कहा कि ये लोग कहते हैं कि ओल्ड पेंशन और किसानों के कर्ज माफ करने के लिए पैसे नहीं हैं। एक तरफ बेरोजगारी है तो दूसरी ओर महंगाई। मनरेगा को कमजोर बना दिया गया है। पेट्रोल, डीजल, खाद महंगा कर किसानों की कमर तोड़ दी। इससे रोजगार के जरिए बंद हो गए। महंगाई बढ़ती चली गई। मध्यप्रदेश में रोजगार के मौके बेहद कम हैं, इसलिए यहां पलायन बहुत हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले लाड़ली स्कीम क्यों? चुनाव के समय कह दिया कि लो लाड़ली स्कीम ले लो। कांग्रेस ने महिलाओं को आरक्षण दिया, इसलिए आज गांव-गांव में महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। जब तक आप नहीं जागेंगे, आप इस सरकार से सवाल नहीं पूछेंगे, तब तक कुछ नहीं बदलेगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को घेरते हुए कहा कि पिछले चुनाव की घोषणाएं इन्होंने पूरी कीं? 2018 में कहा था कि लाखों रोजगार देंगे? नेता समझ गया है कि चुनाव के समय खोखली घोषणाएं, जाति और धर्म की बात कर लो। नैया पार हो जाएगी, काम करने की जरूरत नहीं है। काम की बात नहीं करते, इसीलिए धर्म की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल में पुराना पेंशन मिल रहा है। इन प्रदेशों में महिलाओं को भी पैसे मिल रहे हैं। हम जो गारंटी दे रहे हैं, वो इन प्रदेशों में देख सकते हैं। कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार लड़ रही है।

सभा को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड पैकेज का बुंदेलखंड में लाभ नहीं मिला। हमें बेरोजगारी दूर करने से पहले भाजपा के नेताओं को बेरोजगार बनाना है। यह मध्य प्रदेश के भविष्य का चुनाव है। शिवराज ने 22 हजार घोषणाएं की हैं। झूठ की मशीन डबल स्पीड से चल रही है।

सुकेश का उपराज्यपाल को खत, उन्हें, मां और वकील को जान से मरने की धमकियां मिल रही

नई दिल्ली। जेल में बंद कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को एक और पत्र लिखकर आरोप लगाया कि उन्हें, उनके परिवार के सदस्यों और उनके वकील को पिछले दो माह से आप के प्रतिनिधियों, मुख्य रूप से सत्येन्द्र जैन और अरविंद केजरीवाल से लगातार धमकी मिल रही है। मंडोली जेल में बंद सुकेश ने कहा, यह मुझे, मेरी मां और मेरे वकील को पिछले दो महीने से आप के प्रतिनिधि, मुख्य रूप से श्री जैन और श्री केजरीवाल और कई अज्ञात व्यक्तियों और जेल के वरिष्ठ अधिकारियों से लगातार मिल रही धमकियों के संबंध में एक जरूरी शिकायत है। मुझे अपने जीवन के लिए गंभीर खतरे की आशंका है, क्योंकि मैंने केजरीवाल, जैन और उनके कुछ सहयोगियों के खिलाफ अदालत के साथ-साथ दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा नियुक्त उच्चाधिकार प्राप्त समिति के समक्ष 164 के बयान दिए हैं। सुकेश ने आरोप लगाया, अब चूंकि मामले को जांच के लिए और सबूत सौंपने के लिए कहा गया है, मुझे ऐसा करने से रोकने और उनके खिलाफ दिए गए सभी बयानों को वापस लेने के लिए लगातार धमकियां दी जा रही हैं। ऐसा न करने पर अधिकारियों द्वारा मुझे जेल में मार दिया जाएगा/जहर दे दिया जाएगा क्योंकि जेल प्रशासन आप की दिल्ली सरकार के अधीन है। महाठग सुकेश ने कहा, मुझे पहले भी जेल अधिकारियों द्वारा लगातार धमकी दी गई थी, और फिर मेरे वकील अनंत मलिक को धमकी भरे फोन आए और उसके बाद मेरी मां को उन्हीं नंबरों से धमकी भरे संदेश मिले। उन्हें भी सत्येन्द्र जैन की पत्नी पूनम जैन के नंबर से कई कॉल आए। सुकेश ने दावा किया, मेरे वकील ने उन्हें प्राप्त धमकी भरे कॉल की वॉयस रिकॉर्डिंग सौंपी थी, जिसमें दावा किया गया था कि फोन करने वाला सीएम केजरीवाल और जैन का सहयोगी था। फोन करने वाले ने धमकी दी है कि अगर मैंने उनके साथ सहयोग नहीं किया, तब अधिकारियों द्वारा मुझे जेल में मार दिया जाएगा। मेरे वकील ने इसकी शिकायत दिल्ली के पुलिस आयुक्त और केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यालय से भी की थी। सुकेश ने अपने पत्र में कहा, महाशय, मैं विनम्रतापूर्वक शिकायत का तत्काल संज्ञान लेने और इसमें शामिल व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अनुरोध कर रहा हूं जो केजरीवाल और सत्येन्द्र जैन के निर्देश पर लगातार धमकियां भेज रहे हैं क्योंकि वे तथा उनके सहयोगी उन्हें और उनके साथ 2014 से म?रे वित्तीय संबंधों को बेनकाब करने से मुझे रोकने के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं। मुझे आप नेताओं से बहुत गंभीर हमले की आशंका है।

अमृतकाल में अपार अवसरों का लाभ उठाएं, राष्ट्रनिर्माण में भी दें योगदान: अनुराग ठाकुर

हमीरपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर का 14वां दीक्षांत समारोह शनिवार को संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह में संस्थान के 1265 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं।

इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि आज का यह दिन उनके (विद्यार्थियों) परिश्रम और समर्पण का प्रतिफल है और अपनी सफलता को सेलिब्रेट करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज का भारत तेजी से बुलंदियों को छू रहा है तथा विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। भारत के लिए अमृतकाल के अगले 25 वर्ष बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। इसमें युवाओं के लिए अपार अवसर हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इन अवसरों का लाभ उठाकर आगे बढ़ें और राष्ट्रनिर्माण में भी अपना हरसंभव योगदान दें।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत के प्रतिभाशाली युवाओं ने अमेरिका तथा अन्य विकसित देशों में अपनी प्रतिभा का डंका बजाया है और विश्व की कई टॉप कंपनियों के शीर्ष पदों पर पहुंचे हैं। अगर हमारे युवा वहां अच्छा कर सकते हैं तो अपने देश व समाज के लिए भी बहुत कुछ कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आज विश्व भारत की ओर एक नई उम्मीद के साथ देख रहा है और इसके सामर्थ्य पर विश्वास कर रहा है। कोरोनाकाल में भारतीय वैज्ञानिकों ने जहां स्वदेशी वैक्सीन तैयार की और इसे विश्व के 157 देशों को उपलब्ध करवाया गया, वहीं भारतीय युवाओं ने भी 'आपदा में अवसर' और 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र को आत्मसात करते हुए हजारों स्टार्टअप खड़े कर दिए। इनमें 100 से अधिक स्टार्टअप ने तो यूनीकार्न का दर्जा भी हासिल कर लिया है। युवाओं में नशे की समस्या पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एनआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में इस समस्या के उन्मूलन के लिए बहुत ही कड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसमें लिप्त लोग चाहे कितने भी रसूखदार क्यों न हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि एनआईटी हमीरपुर में ढांचागत विकास के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। इसे देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों की श्रेणी में स्थापित करना संस्थान प्रबंधन के साथ-साथ प्रत्येक शिक्षक और विद्यार्थी की भी जिम्मेदारी है।

हमास के हमले को आतंकी हमला कहकर फंस गए शशि थरूर, मस्लिम संस्था ने दिखाया बाहर का रास्ता

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने एक मुस्लिम संस्था से बैठे बिठाए पंगा ले लिया। थरुर का दोष सिर्फ इतना था कि उन्होंने सात अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले को आतंकी हमला कह दिया था। इस पर थरुर को न केवल आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा, बल्कि केरल में मुस्लिम संस्था ने फिलिस्तीन एकजुटता कार्यक्रम से उन्हे बाहर का रास्ता दिखा दिया है।केरल में मुस्लिम जमातों के लिए काम करने वाले संगठन महल एम्पावरमेंट मिशन (एमईएम) ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर को 30 अक्टूबर को यहां होने वाले अपने फिलिस्तीन एकजुटता कार्यक्रम से हटाने का फैसला किया है।

दरअसल केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) के प्रमुख घटक दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा आयोजित फलस्तीन एकजुटता रैली में कांग्रेस कार्यकारी समिति के सदस्य शशि थरूर के भाषण को लेकर विवाद पैदा हो गया है।नगर निगम के 100 वार्डों से जमात के एमईएम ने एक दिन पहले इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग द्वारा आयोजित फिलिस्तीन एकजुटता रैली में थरूर के हालिया बयान से उपजे विवाद के बाद यह फैसला लिया। थरूर ने 7 अक्टूबर की रैली में इजरायल पर सात अक्टूबर को हुए हमले को आतंकवादी कृत्य बताया था। एमईएम अध्यक्ष शाहजहां श्रीकार्यम ने पीटीआई को बताया, हमने थरूर को सूचित कर दिया है कि हमने उन्हें कार्यक्रम से हटाने का फैसला किया है। सोशल मीडिया पर तीखे हमले का सामना कर रहे थरूर ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि वह हमेशा फिलिस्तीन के लोगों के साथ रहे हैं और वह आईयूएमएल रैली में अपने भाषण के सिर्फ एक वाक्य के प्रचार-प्रसार से सहमत नहीं हैं।

केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के प्रमुख सहयोगी आईयूएमएल ने गाजा में महिलाओं और बच्चों सहित नागरिकों की कथित हत्याओं की निंदा करते हुए उत्तरी कोझिकोड में एक विशाल रैली का आयोजन किया। हजारों आईयूएमएल समर्थकों ने फिलिस्तीन एकजुटता मानवाधिकार रैली में भाग लिया, जिसका उद्घाटन आईयूएमएल नेता पनाक्कड़ सैयद सादिक अली शिहाब थंगल ने किया।थरूर, यहां मुख्य अतिथि थे, ने कहा कि निर्दोष महिलाओं और बच्चों को शुरुआत में इज़रायल और बाद में गाजा में हताहत होना पड़ा। उन्होंने इस युद्ध को समाप्त करने की अनिवार्यता पर जोर दिया। थरूर ने स्पष्ट शब्दों में 7 अक्टूबर को इज़रायल में हमास द्वारा किए गए हमले की भी निंदा की और इसे आतंकवादी कृत्य बताया।

कर्नाटक सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही भाजपा : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई अपने केंद्रीय नेतृत्व की देखरेख में राज्य की सिद्धरैया सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। पार्टी के संगठन महासिच केसी वेणुगोपाल ने कर्नाटक के अपने एक विधायक के बयान की पृष्ठभूमि में यह आरोप लगाया। कर्नाटक से कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा ने शुक्रवार को सनसनीखेज दावा किया था कि 2019 में कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन सरकार के सत्ता से हटने के पीछे जो टीम थी, वह अब कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये और मंत्री पद जैसे प्रलोभन देने का काम कर रही है और चार विधायकों से पहले ही संपर्क किया जा चुका है। वेणुगोपाल ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बिना नेता या एजेंडे वाली पार्टी लोगों के जनादेश को खत्म करने की अपनी पुरानी आदत का सहारा ले रही है। दिल्ली में अपने आकाओं की देखरेख में कर्नाटक भाजपा हमारी सरकार को अस्थिर करने का एक और हास्यास्पद प्रयास कर रही है।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के हमारे विधायक पूरी तरह से वफादार हैं और इस सरकार ने तत्काल अपनी 'गारंटी' लागू की है, जिनकी व्यापक रूप से प्रशंसा हो रही है। शायद उन्हें (भाजपा को) पहले एक नेता प्रतिपक्ष और पार्टी अध्यक्ष ढूंढना चाहिए?'

पीएम के पवार पर तंज के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने पूछा, 'मोदी ने 10 साल में क्या किया'

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार पर निशाना साधने के बहुचर्चित तंज के दो दिन बाद, महा विकास अघाड़ी की सहयोगी पार्टी शिवसेना (यूबीटी) उनके बचाव में आगे आई और शनिवार को यहां जवाब दिया, 'मोदी ने 10 साल में क्या किया।'शिवसेना (यूबीटी) के प्रकाशनों 'सामना' और 'दोपहर का सामना' में पार्टी ने कहा कि कम से कम मोदी अब बिल्कुल विपरीत बात करने से पहले पवार पर अपनी पिछली टिप्पणियों की जांच कर सकते थे।

भारत-ब्रिटेन के मंत्रियों ने प्रस्तावित एफटीए पर वार्ता की प्रगति की समीक्षा की

कोलकाता (एजेंसी)। नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (वेब वार्ता)। भारत और ब्रिटेन ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जारी वार्ता की प्रगति की शनिवार को समीक्षा की। दोनों देशों के बीच प्रस्तावित एफटीए पर वार्ता अंतिम चरण में पहुंच गई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बेडनॉश ने ओसाका में एफटीए पर जारी वार्ता की प्रगति की समीक्षा की। दोनों मंत्री जी-7 के व्यापार मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए जापान के ओसाका में मौजूद हैं। गोयल ने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' पर कहा, 'ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बेडनॉश के साथ भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर चल रही बातचीच की प्रगति को लेकर चर्चा की।' प्रस्तावित एफटीए के लिए वार्ता को जल्द पूरा करने के लिए उत्पादों के मूल स्थान और सेवा क्षेत्र के नियमों जैसे मुद्दों पर मतभेद दूर करने के लिए दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बातचीत चल रही है। भारत और ब्रिटेन ने व्यापार समझौते के लिए जनवरी, 2022 में बातचीत शुरू की थी। इस वार्ता को पिछले साल दिवाली (24 अक्टूबर, 2022) तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन ब्रिटेन में राजनीतिक घटनाक्रम बदलने के कारण ऐसा नहीं हो पाया था।प्रस्तावित समझौते में 26 अध्याय हैं, जिनमें सामान, सेवाएं, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) शामिल हैं।

पराली जलाने के मामले में भाजपा-आप आमने-सामने, हरियाणा ने जारी की नासा की तस्वीरें, पंजाब के खोखले दावों की खुली पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेतों में लगी आग और दिल्ली प्रदूषण को लेकर मचे बवाल के बीच, हरियाणा ने दिल्ली सरकार के दावों को खारिज करने के लिए 'सबूत' पेश किया है। हरियाणा सरकार ने नासा की सैटेलाइट तस्वीरें साझा कीं, जिसमें आम आदमी पार्टी शासित पंजाब में बड़े पैमाने पर खेतों में लगी आग दिखाई दे रही है।

दिल्ली, पंजाब और हरियाणा लगातार प्रदूषण की समस्या को लेकर विवाद में उलझे हुए हैं। हरियाणा का दावा है कि तस्वीरें, कथित तौर पर नासा से, हरियाणा की तुलना में पंजाब में पराली जलाने की अधिक घटनाओं को दर्शाती हैं। हरियाणा सरकार ने शुक्रवार को सैटेलाइट तस्वीरें जारी कीं, जिनके बारे में उनका दावा है कि 25 और 26 अक्टूबर को पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं हरियाणा की तुलना में दोगुनी से भी ज्यादा हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) जवाहर यादव ने पराली जलाने के मुद्दे को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब की आलोचना की है। केजरीवाल अक्सर दिल्ली के प्रदूषण में वृद्धि के लिए हरियाणा में किसानों द्वारा पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराते रहे हैं।

यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा '25 और 26 अक्टूबर का नासा का डेटा है, जो स्पष्ट रूप से दिखाता है कि पंजाब और हरियाणा में कहाँ पराली जलाई जा रही है। हरियाणा की तुलना में पंजाब में दोगुनी से अधिक पराली जलाई गई है। हरियाणा सरकार ने इसे कम कर दिया है... नासा के डेटा पर अरविंद केजरीवाल की चुप्पी संदेह पैदा करती है। उन्होंने आरोप लगाया है कि भारतीय एजेंसियां प्रदूषण पर डेटा नहीं दे रही हैं. अब उन्हें इसकी जरूरत क्यों है? पंजाब सरकार विफल हो गई है और अरविंद केजरीवाल का चेहरा जनता के सामने बेनकाब हो गया है।

दिल्ली, पंजाब और हरियाणा लगातार प्रदूषण की समस्या को लेकर विवाद में उलझे हुए हैं। हरियाणा का दावा है कि तस्वीरें, कथित तौर पर नासा से, हरियाणा की तुलना में पंजाब में पराली जलाने की अधिक घटनाओं को दर्शाती हैं।

पंजाब बीजेपी के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने आप सरकार की प्रगति पर चिंता जताते हुए कहा, 'पिछले साल पंजाब सरकार ने बायो-डीकंपोजर के लिए दिल्ली सरकार के साथ समझौता किया था। पंजाब में कितने एकड़ में बायो-डीकंपोजर का इस्तेमाल किया गया है।' अब तक और परिणाम क्या हैं?' पराली जलाने के मामले पर पंजाब के मंत्री ब्रहम शंकर शर्मा-जिम्पा ने कहा, 'हरियाणा दिल्ली के सबसे

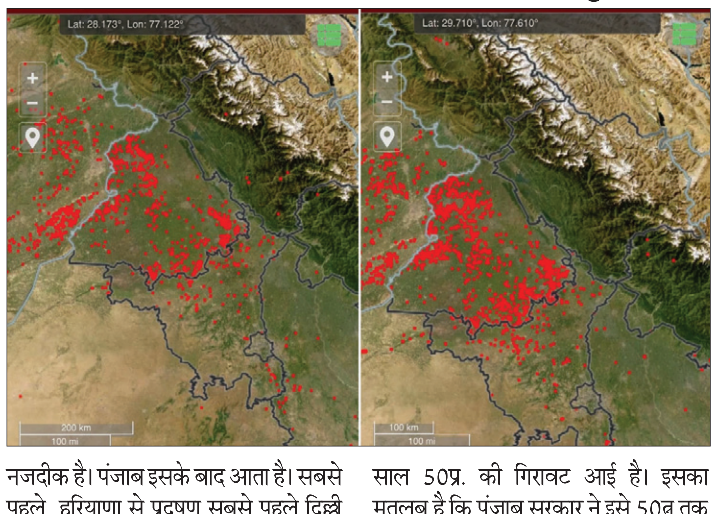

नजदीक है। पंजाब इसके बाद आता है। सबसे पहले, हरियाणा से प्रदूषण सबसे पहले दिल्ली पहुंचेगा. दूसरी बात, हमारे पास डेटा है कि पराली जलाने के मामले सामने आए हैं।' इस साल 50प्र. की गिरावट आई है। इसका मतलब है कि पंजाब सरकार ने इसे 50त्न तक नियंत्रित कर लिया है...'

छात्रा से दुष्कर्म के जुर्म में भारतीय शख्स को 12 कोड़े सहित 16 साल की जेल

सिंगापुर सिटी। दुष्कर्म के जुर्म में सिंगापुर की एक अदालत ने भारतीय शख्स को 12 कोड़े मारने स?हित 16 साल की जेल की सजा सुनाई है। ?मिली जानकारी के अनुसार 26 वर्षीय भारतीय नागरिक को 2019 में एक छात्रा से दुष्कर्म के आरोप सिद्ध होने पर 16 साल की जेल और 12 कोड़े मारने की सजा सुनाई है। इसमें अदालत ने अपहरण और चोरी के आरोपों को भी ध्यान में रखकर सजा सुनाई। जानकारी के मुताबिक, सफाईकर्मी चिन्नैया ने विश्वविद्यालय की एक छात्रा का तब पीछा किया था, जब वह देर रात को एक बस अड्डे की ओर जा रही थी और फिर उस पर वार कर उसे एक जंगल की ओर घसीटकर ले गया था तथा उसके साथ दुष्कर्म किया था। पीड़िता को चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर इतनी बुरी तरह से चोटें आई थीं कि तब उसका प्रेमी भी अस्पताल में उसे पहचान नहीं पाया था। यह घटना चार मई 2019 को हुई थी। हालांकि अदालत को इस मामले की सुनवाई में चार साल का वक्त लगा, क्योंकि मनोरोगी चिन्नैया का इस दौरान इलाज किया जा रहा था। उप लोक अभियोजक (डीपीपी) कायल पिल्लै ने बताया कि दुष्कर्म करने के बाद चिन्नैया पीड़िता का सामान भी अपने साथ ले गया था। पीड़िता को किसी तरह अपना मोबाइल फोन मिल गया था, जिसके बाद उसने अपने प्रेमी को फोन किया और पुलिस को इसकी सूचना देने को कहा। उस समय पुलिस ने छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया। आरेपी चिन्नैया को पांच मई 2019 को गिरफ्तार कर उस पर मुकदमा दायर किया गया था।

बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के खिलाफ विशाल रैली की योजना

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य विपक्षी दल की नेता व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ रैली निकालने की तैयारी हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार उनसे इस्तीफा देने और अगले साल के आम चुनाव की निगरानी के लिए गैर-पक्षपातपूर्ण कार्यवाहक सरकार को सत्ता का हस्तांतरण करने की मांग को लेकर शनिवार को एक विशाल रैली निकाली जा रही है। इधर सत्तारूढ़ आवामी लीग पार्टी ने चेतावनी दी है कि हिंसा पैदा करने की किसी की कोशिश से बलपूर्वक निपटा जाएगा और वह विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के मुख्यालय के पास शांति रैली करेगी, जहां पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के समर्थकों के एकजुट होने की योजना है। इसे लेकर विपक्ष ने कहा कि वह पीएम शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए अंतिम प्रयास कर रहा है, क्योंकि निर्वाचन आयोग की देश के 12वें आम चुनाव की तारीख घोषित करने की तैयारी है, जो जनवरी में कभी भी हो सकते हैं। बता दें कि बांग्लादेश में चुनाव से पहले राजनीतिक तनाव बहुत ज्यादा है। क्योंकि शेख हसीना और जिया के बीच शत्रुता दशकों से चली आ रही है। हसीना सरकार महीनों से दबाव में आकर काम कर रही है, क्योंकि विपक्ष ने बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरु कर दिए हैं।

विस्फोट में मृतक संख्या बढ़कर हुई चार

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पुलिस जिला 18 में गुरुवार शाम हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दश्त-ए-बारची बाजार में हुए विस्फोट के तुरंत बाद शुरू में मरने वालों की संख्या दो बताई गई थी ?जिसकी संख्या बढ़कर 4 हो गई। ?पिछले दो सप्ताह में दश्त-ए-बारची में यह दूसरा विस्फोट है। इससे पहले दश्त-ए-बारची के एक बाजार की पार्किंग में हुए विस्फोट में तीन कारें क्षतिग्रस्त हो गईं थीं। दश्त-ए-बारची में शिया समुदाय की एक बड़ी आबादी रहती है, काबुल में सबसे अधिक हमले वाले क्षेत्रों में से एक रहा है।

इटली की प्रधानमंत्री ने देश में बच्चे पैदा नहीं होने पर चिंता जताई

रोम। इटली में पिछले तीन माह में एक भी बच्चे ने जन्म नहीं लिया है। यह अपने आप में वर्ल्ड रिकॉर्ड है, लेकिन इटली के लिए यह चिंता का विषय भी है। इसे इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी नेशनल एमरजेंसी के तौर पर देखती हैं और चिंता व्यक्त करती हैं। इटली की जन्मदर को लेकर जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2022 की अपेक्षा साल 2023 में जन्मदर में कमी आई है। नेशनल स्टैटिक्स ब्यूरो आईएसटीएटी के आंकणे बतलाते हैं कि इटली में जनवरी 2023 से जून 2023 तक जितने बच्चों ने जन्म लिया उनकी तुलना में जनवरी 2022 से जून 2022 के बीच जन्में बच्चों की तुलना से 3500 कम हैं। इटली के लिए यह मामला कितना गंभीर हो चला है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इसे नेशनल इमरजेंसी की तरह देखा है। चुनाव के दौरान भी उन्होंने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। रिपोर्ट्स की मानें तो बच्चों के जन्म नहीं लेने का मुख्य कारण देश में प्रजनन योग्य 15 से 49 साल उम्र वाली महिलाओं की कमी है। इस कारण बच्चे के जन्म नहीं लेने को समस्या माना जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की संख्या साल 2021 के मुकाबले 2023 में ज्यादा कम हुई है।

बूढ़ी होती दुनिया

रिपोर्ट्स बतलाती है कि दुनिया तेजी से बूढ़ी हो रही है। उदाहरण के तौर पर चीन और जापान जैसे देशों का उदाहरण दिया जाता है। अब यदि इटली में बच्चे जन्म नहीं लेते हैं तो यह भी इसी सूची में शामिल हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इटली में बीते तीन माह में एक भी बच्चे का जन्म नहीं लेना बहुत बड़ी समस्या को जन्म देने जैसा है। इसलिए इटली की प्रधानमंत्री इसे नेशनल इमरजेंसी के तौर पर देखती हैं।

कजाकिस्तान में खदान में आग लगने से कम से कम 32 लोगों की मौत, 18 लापता

अस्ताना। आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने कहा कि कजाकिस्तान में एक खदान में आग लगने से कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई और 18 लोग लापता हैं। लक्ज़मबर्ग स्थित स्टील निर्माता की स्थानीय इकाई, ऑपरेटर आर्सेलरमित्तल टेमिरटाउ ने कहा कि मीथेन विस्फोट के बाद कोस्टेंको खदान में 252 में से 206 लोगों को निकाला गया था, जबकि 18 लोगों ने चिकित्सा सहायता मांगी थी। कज़ाख राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और 29 अक्टूबर को राष्ट्रीय शोक दिवस की घोषणा की। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल को आर्सेलरमित्तल तेमिरताउ के साथ निवेश सहयोग बंद करने का भी आदेश दिया, जबकि सरकार और कंपनी ने कहा कि वे एक सौदे को अंतिम रूप देने के लिए काम कर रहे थे। देश की सबसे बड़ी स्टील मिल संचालित करने वाली कंपनी का राष्ट्रीयकरण करना। आर्सेलरमित्तल भी पुष्टि कर सकता है, जैसा कि कजाकिस्तान सरकार द्वारा आज पहले बताया गया था, कि दोनों पक्ष आर्सेलरमित्तल तेमिरताउ के भविष्य के संबंध में चर्चा कर रहे हैं और हाल ही में एक लेनदेन के लिए प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जो कजाकिस्तान गणराज्य को स्वामित्व हस्तांतरित करेगा। इसमें कहा गया है कि आर्सेलरमित्तल इस लेनदेन को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि व्यवधान को यथासंभव कम से कम किया जा सके।

मेट्रो में हिजाब न पहनने पर ईरान में लड़की पर अटैक, मौत के बाद भड़का लोगों का गुस्सा

तेहरान के मेट्रो में एक रहस्यमय घटना में कुछ हफ़्ते पहले सिर पर स्कार्फ न पहनने के कारण घायल हुई एक ईरानी किशोरी लड़की की मौत हो गई है। अर्मिता गेरावंद की मौत तेहरान में कई हफ्तों तक कोमा में रहने के बाद और महसा अमिनी की मौत की एक साल की सालगिरह और देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के बाद हुई है। 1 अक्टूबर को गेरवांड की चोट और अब उसकी मौत से गुस्से के फिर से भड़कने का खतरा है। खासकर जब तेहरान और अन्य जगहों पर महिलाएं अभी भी ईरान के अनिवार्य हेडस्कार्फ़, या हिजाब, कानून को ईरान की धर्मतंत्र के प्रति उनके असंतोष के संकेत के रूप में अवहेलना करती हैं। ईरान की सरकारी आईआरएनए समाचार एजेंसी ने हेडस्कार्फ़ कानून को लेकर व्यापक अशांति पर ध्यान दिए बिना, गेरावंड की मौत की सूचना दी।

अस्पतालों को अटैक बेस के रूप में इस्तेमाल कर रहा हमास: नेतन्याहू

तेल अवीव/गाजा (एजेंसी)। इज़राइल ने फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास पर सैन्य उद्देश्यों के लिए गाजा पट्टी में अस्पतालों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है। इज़रायली सेना ने कहा कि हमास अस्पताल को अपनी सुरंगों और परिचालन केंद्रों के लिए ढाल के रूप में उपयोग कर रहा है। इज़राइल के मुख्य सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमास ने अस्पतालों को कमांड और नियंत्रण केंद्रों और हमास के आतंकवादियों और कमांडरों के लिए ठिकाने में बदल दिया है। हगारी ने कहा कि हमास गाजा के तहत व्यापक सुरंग नेटवर्क में अपने कमांड पोस्ट और प्रवेश बिंदुओं को छिपाने के लिए अस्पताल प्रणाली का उपयोग कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से गाजा के सबसे बड़े अल-शिफा अस्पताल की पहचान की, जहां से हमास के आतंकवादी काम कर रहे थे। हागारी ने कहा कि हमास ने अस्पतालों को हमास के आतंकवादियों और कमांडरों के लिए कमांड और कंट्रोल सेंटर और ठिकाने में बदल दिया है। इसके अलावा, मैं पुष्टि कर सकता हूं कि हमारे पास जो खुफिया जानकारी है, उसके अनुसार गाजा के अस्पतालों में ईंधन है। उन्होंने कहा कि हमास के आतंकवादी शिफा अस्पताल और गाजा के अन्य अस्पतालों के अंदर और नीचे काम करते हैं। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया। नेतन्याहू ने ट्वीट करते हुए कहा कि हमास-आईएसआईएस बीमार है। वे अपने आतंक के लिए अस्पतालों को मुख्यालय में बदल देते हैं। हमने अभी इसे साबित करने वाली खुफिया जानकारी जारी की है। शेयर किए गए वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे आतंकवादी समूह ने जमीन के ऊपर और नीचे दोनों से अपने सैन्य अभियानों के लिए शिफा अस्पताल को आश्रय के रूप में इस्तेमाल किया।

हमास ने आरोपों को खारिज किया

फ़िलिस्तीनी उग्रवादी समूह ने इज़राइल के आरोपों पर पलटवार किया और कहा कि दावे निराधार हैं। हमास राजनीतिक ब्यूरो के एक वरिष्ठ सदस्य इज़्ज़त अल-रिश्क ने कहा कि दुश्मन सेना के प्रवक्ता ने जो कहा है उसमें सच्चाई का कोई आधार नहीं है। उन्होंने इज़राइल पर 'हमारे लोगों के खिलाफ एक नए नरसंहार का मार्ग प्रशस्त करने' के लिए आरोप लगाने का आरोप लगाया।

बंद करो ये पागलपन, गाजा हमलों पर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की इजरायल को नसीहत

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने इज़राइल से 'इस पागलपन को तुरंत रोकने' और गाजा में लक्ष्यों पर अपने हमलों को समाप्त करने का आह्वान किया क्योंकि इजरायली बलों ने फिलिस्तीनी क्षेत्र पर हमले तेज कर दिए हैं। इज़राइल ने एक विस्तारित जमीनी अभियान की घोषणा की क्योंकि इसने संचार व्यवस्था को ठप्प कर दिया और गाजा पट्टी में सूचनाओं का लगभग ब्लैकआउट कर दिया। रेसेप तैयप एर्दोगन ने एक्स पर लिखा कि गाजा पर इजरायली बमबारी कल रात तेज हो गई और एक बार फिर महिलाओं, बच्चों और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया और चल रहे मानवीय संकट को और खराब कर दिया गया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा ति इज़राइल को तुरंत इस पागलपन को रोकना चाहिए और अपने हमलों को ख़त्म करना चाहिए।' यह तब हुआ है जब हमास ने 7 अक्टूबर को सीमा पार कर 1,400 लोगों, मुख्य रूप से नागरिकों को मार डाला था और 229 बंधकों को ले लिया था, उसके बाद से इज़राइल जमीनी आक्रमण की तैयारी कर रहा है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, क्षेत्र पर जवाबी इजरायली हमलों में 7,300 से अधिक लोग मारे गए हैं। रेसेप तईप एर्दोगन ने भी इस्तांबुल में फिलिस्तीनियों के समर्थन में एक रैली के लिए भारी भीड़ को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हम जोर से और स्पष्ट रूप से घोषणा करेंगे कि हम इजरायल के उत्पीड़न के खिलाफ फिलिस्तीनी लोगों के साथ खड़े हैं।

गाजा में शुरू हो गया इजरायल का ग्राउंड ऑपरेशन? एयर स्ट्राइक के हेड कमांडर को किया ढेर

तेल अवीव/गाजा (एजेंसी)। इज़रायली सेना ने कहा कि वह गाजा में अपने जमीनी अभियानों का विस्तार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पट्टी के उत्तरी भाग में किए गए छापों की तुलना में घुसपैठ बड़ी और महत्वपूर्ण थी। दूसरी ओर, हमास ने दावा किया कि गाजा में उसके लड़ाके इजरायल के हमलों का पूरी ताकत से जवाब देंगे। अलजेब्रा की खबर के अनुसार कल रात हजारों इजरायली सैनिकों ने गाजा में धावा बोल दिया। जमीनी आक्रमण शुरू होता है। हमास के हवाई बलों के प्रमुख, अत्साम अबू रफ़ा का सफाया कर दिया गया। कल रात से न बिजली, न संचार लाइन और न इंटरनेट के कारण पूर्ण ब्लैकआउट है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि वह गाजा में कर्मचारियों से संपर्क करने में भी असमर्थ है।

ऑनलाइन समाचार आउटलेट Visegrad24 द्वारा ट्वीट किए गए एक वीडियो में इजरायली टैंकों को गाजा की ओर गोलीबारी करते हुए दिखाया गया है और एक जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी गई है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने इज़रायली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी के हवाले से कहा गया कि पिछले कुछ दिनों में किए गए हमलों के अलावा, जमीनी सेना आज रात अपने अभियान का विस्तार कर रही है। युद्ध के बीच, गाजा में इंटरनेट और फोन सेवाएं बंद हो गईं। इज़राइल ने क्षेत्र में अपने सैन्य अभियान बढ़ा दिए थे। द टाइम्स ऑफ इज़राइल के अनुसार, ब्लैकआउट के कारण 2.3 मिलियन लोग बाहरी दुनिया और एक-दूसरे से कट गए हैं।

दो इजरायली अधिकारियों ने एक्सियोस को बताया कि गाजा में अपने जमीनी हमले का विस्तार करने का निर्णय इजरायली युद्ध कैबिनेट द्वारा गुरुवार रात को किया गया था, जब हमास द्वारा बंधक बनाए गए बंधकों की संभावित रिहाई पर कोई सफलता नहीं मिली थी। हगारी ने कहा कि इजरायली लड़ाकू विमान हमास द्वारा खोदी गई सुरंगों और अन्य बुनियादी ढांचे पर हमले कर रहे थे। उन्होंने फ़िलिस्तीनियों से दक्षिणी गाजा की ओर बढ़ने का अपना आह्वान भी दोहराया क्योंकि इज़राइल ने तटीय क्षेत्र के उत्तरी हिस्से में अपना आक्रामक दायरा बढ़ा दिया है। हमास की सशस्त्र शाखा ने कहा कि उसके लड़ाके गाजा के उत्तरपूर्वी शहर बेत हनून और अल-बुरीज के मध्य क्षेत्र में इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष कर रहे थे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में जंग रोकने के लिए प्रस्ताव पेश, भारत ने वोटिंग से क्यों बनाई दूरी?

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा के विशेष सत्र में गाजा में मानवीय आधार पर संघर्ष विराम के लिए पेश प्रस्ताव भारी बहुमत से पास हो गया। प्रस्ताव के पक्ष में 120 वोट पड़े, जबकि विरोध में सिर्फ 14 वोट पड़े। भारत, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी समेत 45 देशों ने मतदान से खुद को अलग कर लिया। प्रस्ताव में इजरायल और हमास के बीच मानवीय आधार पर तत्काल संघर्ष विराम का आह्वान किया गया है। साथ ही बिना किसी रुकावट के गाजा तक मानवीय सहायता पहुंचाने की अपील भी की है। इसमें पानी, बिजली और वस्तुओं के वितरण को फिर से शुरू करना शामिल है। भारत गाजा में मानवीय संघर्ष विराम के लिए जॉर्डन द्वारा शुरू किए गए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव से दूर रहा।

भारत ने बनाई दूरी

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गाजा में युद्धविराम से जुड़े एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। ये प्रस्ताव जॉर्डन समेत अरब देशों की तरफ से पेश किया गया था। जिसे भारी बहुमत से अपनाया गया। इस प्रस्ताव पर भारत का वोटिंग में भाग न लेने की वजह पर विदेशी मामलों के जानकारों का कहना है कि बीते 10 सालों से भारत सरकार की कूटनीति आतंकवाद के खिलाफ रही है। अंतरराष्ट्रीय मंचों से भी भारत के बयान ने उसके इस रुख की पुष्टि की है। इजरायल हमास संघर्ष शुरू होने के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत के दौरान भारत के पीएम मोदी ने कहा था कि हम हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ हैं।

हमास हमलों से सतर्क हुआ भारत, अपनी सीमाओं पर ड्रोन के साथ निगरानी प्रणाली स्थापित करने में जुटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल में हमास जैसे अचानक हमलों से बचने के लिए भारत अपनी सीमाओं पर ड्रोन के साथ एक निगरानी प्रणाली स्थापित कर रहा है। दरअसल रक्षा अधिकारियों ने पिछले हफ्ते निगरानी और टोही ड्रोन के छह घरेलू विक्रेताओं से मुलाकात कर अगले महीने जल्द ही एक आदेश की घोषणा होने की उम्मीद है, मामले से जुड़े अधिकारी ने कहा क्योंकि जानकारी सार्वजनिक नहीं है। लोगों ने कहा कि सेना इस प्रणाली को मई की शुरुआत में सीमा के कुछ हिस्सों में चालू करने पर विचार कर रही है।

सीमाओं पर हर समय निगरानी रखने का कदम तब उठाया गया है, जब पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान के साथ खासकर हिमालय पर तनाव बना हुआ है। जबकि यूक्रेन में युद्ध ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को अपने शस्त्रागार, युद्ध की तैयारियों और युद्ध के मैदान पर प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने पर मजबूर कर दिया है, आश्चर्यजनक हमास के हमले ने देश को कुछ सुझाए गए उपायों को शीघ्रता से लागू करने के लिए प्रेरित किया है। भारत अतीत में अचानक हुए हमलों का शिकार हुआ है। 2008 में, हमलावर हथियारों और हथगोले से लैस पाकिस्तान के हमलावरों ने समुद्र के रास्ते मुंबई में घुसपैठ की और तीन दिनों तक शहर के प्रमुख स्थलों की घेराबंदी की, जिसमें 166 लोग मारे गए।

भारत ने आरोप लगाया है कि उसकी पश्चिमी सीमा के पार हथियारों और दवाओं को ले जाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। लोगों ने कहा कि इस प्रणाली को सीमाओं के पूरे हिस्से को कवर करने में लगभग 18 महीने लग सकते हैं। इतना ही नहीं इसकी लागत सालाना 500 मिलियन डॉलर तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि तथाकथित हाई-एल्टीट्यूड छद्म उपग्रह, जो सौर ऊर्जा से चलने वाले ड्रोन हैं जो बिना लैंडिंग के लंबे समय तक काम कर सकते हैं, का उपयोग सिस्टम के लिए किया जाएगा।

शांति कार्यकर्ताओं की हत्या से शांति आंदोलन हुआ ध्वस्त, हिंसा का दायरा बढ़ा

गाजा (एजेंसी)। हमास द्वारा किए गए आतंकवादी हमले के मद्देनजर इजराइल में शांति आंदोलन और कब्जे विरोधी अभियानों के भविष्य पर गहरी अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे है। यहां 7 अक्टूबर से पहले ही शांति प्रयासों के लिए जगह कम हो रही थी, लेकिन हिंसक हमलों ने और दबाव बढ़ा दिया है।

जानकारी के अनुसार पीड़ितों में से कई किबुतज़मि के सदस्य थे, जो इज़राइल के दक्षिण में आवासीय समूह हैं, जो शांति पहल और फ़लस्तीनी अधिकारों का समर्थन करते हैं और कुछ हाई-प्रोफाइल कार्यकर्ता और सामुदायिक कार्यकर्ता थे। इन समूहों में शांति कार्यकर्ताओं के साथ-साथ कब्जा-विरोधी आंदोलनों में शामिल लोग हैं जो इजरायल को कब्जे वाले फ़लस्तीनी क्षेत्रों से हटने के लिए कहते हैं, जो अक्सर एक साथ काम करते हैं। जो लोग लापता हैं उनमें से एक कनाडाई-इजरायल कार्यकर्ता विवियन सिल्वर हैं, जो इजरायली जमीनी स्तर के शांति आंदोलन वूमेन वेज पीस के संस्थापक सदस्य हैं। बता दें कि 7 अक्टूबर के बाद, वेस्ट बैंक पर इज़राइल के कब्जे का विरोध करने वाले कई वामपंथी संगठनों के बोर्ड सदस्य डोरिट राबिनियन ने मीडिया को बताया कि मुझे पता है कि यह मेरे लिए अच्छा नहीं है, दूसरी तरफ पीड़ा है, लेकिन दूसरे पक्ष ने बंधक बना लिया और इतने हिंसक तरीके से कत्लेआम किया कि मेरी करुणा किसी तरह से पंगु हो गई है।

इजरायली वामपंथियों की ओर से भी अब सुरक्षा के आधार पर सैन्य प्रतिशोध की मांग आ रही है। इन नुकसानों ने न केवल शांति आंदोलन को हिलाकर रख दिया है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या इसका कोई भविष्य है। उन्होंने कहा कि मैंने पिछले 10 वर्षों से इस क्षेत्र में शांति और शांति आंदोलनों पर शोध का काम किया है और अभी इज़राइल और फ़लस्तीन से लौटा हूँ। अपनी यात्राओं के दौरान मैंने वेस्ट बैंक पर कब्जे के खिलाफ इज़राइल में कई इज़राइली-फ़लस्तीनी संयुक्त सड़क विरोध प्रदर्शन देखे हैं। मैंने फ़लस्तीनी-इज़राइली संयुक्त कार्यक्रम भी देखे, जैसे कि वार्षिक स्मारक समारोह जो संघर्ष के इज़रायली और फ़लस्तीनी पीड़ितों की याद दिलाता है। मेरे हालिया फील्डवर्क में फ़लस्तीनी और इजरायली शांति और कब्जा-विरोधी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत शामिल थी।

उन्होंने यह भी कहा कि जहां लोग शांति की उम्मीद कर रहे हैं और उसके लिए काम कर रहे हैं, वहीं शांति शब्द का अब शायद ही कभी उल्लेख किया जाता है। जैसा कि एक इजरायली कार्यकर्ता येल ने कहा- इजरायलियों ने शांति की कल्पना करने की क्षमता खो दी है। जैसा कि इज़रायली कब्ज़ा-विरोधी कार्यकर्ता, नोआम ने शेख जर्राह के करीब फ़लस्तीनी पूर्वी येरुशलम में फ़लस्तीनियों को बेदखल करने के खिलाफ साप्ताहिक विरोध प्रदर्शन के दौरान मुझसे कहा कि मुझे लगता है कि लोग शांति की तुलना में कब्जे को खत्म करने के बारे में अधिक बात कर रहे हैं। इसी तरह 30 साल की एक फ़लस्तीनी कार्यकर्ता ने बताया कि युवा लोगों के लिए शांति के बारे में बात करना कठिन है। यहां नफरत का स्तर बहुत ऊंचा है, और ऐसा इसलिए है क्योंकि युवा पीढ़ी ने वह नहीं देखा जो हमारी पीढ़ी ने देखा। हम कल्पना करते हैं क्योंकि हमने इसे पहले और दूसरे इंतिफादा की सभी व्यस्तताओं के साथ जीया है। फिर भी लोगों में एक देश की आस थी।

कतर में इजरायल के लिए जासूसी कर रहे थे भारत के 8 पूर्व नेवी अफसर? फांसी की सजा से ऐसे बचाएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में भारत की कूटनीतिक चुनौतियाँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच संतुलन साधने के बाद अब फोकस कतर पर केंद्रित हो गया है। यह मामला नई दिल्ली के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है क्योंकि इसमें आठ पूर्व नौसेना के अफसर शामिल हैं, जिन्हें मौत की सजा सुनाई गई है। यह फैसला भारत सरकार के लिए एक झटका था, जिसने कहा है कि वो सभी कानूनी विकल्प तलाशेगी। ऐसे में आइए जानते हैं कि नई दिल्ली पूरे मामले को लेकर क्या करेगी? क्या भारतीय नौसेना के पूर्व कर्मियों को फांसी से बचाया जा सकता है? आगे क्या होने की संभावना है।

भारतीय नौसेना के दिग्गज दोहा में क्या कर रहे थे?

भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों को 30 अगस्त 2022 को दोहा में कतर के राज्य सुरक्षा ब्यूरो, देश की जासूसी एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज के लिए काम किया, जो एक रक्षा सेवा प्रदाता कंपनी है, जिसका स्वामित्व एक ओमानी नागरिक, रॉयल ओमानी वायु सेना के सेवानिवृत्त स्क्वाड्रन लीडर खामिस अल-अजमी के पास है। उन्हें भी पिछले साल गिरफ्तार किया गया था लेकिन नवंबर 2022 में रिहा कर दिया गया था। नौसेना के दिग्गज, जो अपनी व्यक्तिगत क्षमता में काम कर रहे थे, कथित तौर पर कतरी अमीरी नौसेना बल (क्यूईएनएफ) में इतालवी यू212 स्टील्थ पनडुब्बियों को शामिल करने की देखरेख कर रहे थे। अक्टूबर 2022 में गिरफ्तारी की रिपोर्ट सामने आने के बाद डहरा ग्लोबल की वेबसाइट को हटा दिया गया है। इसने कतरी नौसैनिक बल को प्रशिक्षण, रसद और रखरखाव सेवाएं प्रदान करने का दावा किया। हालाँकि, फाइनेंशियल एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अब कंपनी की एक नई वेबसाइट है और इसमें क्यूईएनएफ से इसके कनेक्शन का उल्लेख नहीं है।

आठ भारतीयों पर क्या आरोप हैं?

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और नाविक रागेश के रूप में हुई है। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने 20 वर्षों तक भारतीय नौसेना में सेवा की और बल में प्रशिक्षकों सहित महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। कथित तौर पर दिग्गजों को अघोषित आरोपों पर गिरफ्तार किया गया और एकान्त कारावास में डाल दिया गया। रिपोर्टों में कहा गया कि उन्हें जासूसी के लिए पकड़ा गया था। आठ भारतीयों पर इजरायल के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। हालाँकि, वे अपनी सज़ा के ख़िलाफ़ अपील कर सकेंगे।

भारत सरकार ने क्या कार्रवाई की?

इन लोगों को पिछले साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था लेकिन भारतीय दूतावास को उनकी गिरफ्तारी के बारे में कुछ हफ्ते बाद ही सूचित किया गया था। 1 अक्टूबर 2022 को कतर में भारत के राजदूत और मिशन के उप प्रमुख ने पूर्व नौसेना अधिकारियों से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय (एमईए) स्थिति पर नजर रख रहा है और गिरफ्तार लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की है। इस मामले को विभिन्न राजनयिक और राजनीतिक स्तरों पर उठाया गया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नवंबर में फीफा विश्व कप के उद्घाटन के लिए दोहा का दौरा किया, जिससे उम्मीद जगी कि वह अधिकारियों के मुद्दे का समाधान करेंगे। हालाँकि, ऐसा प्रतीत होता है कि इस मुद्दे पर चर्चा नहीं की गई। दिसंबर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में कहा कि आठ पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारियों की हिरासत एक बहुत ही संवेदनशील मामला है और सांसदों को आश्वासन दिया कि हमारे दिमाग में उनके हित सर्वोपरि हैं।

आज जीत का सिक्सर लगाने अंग्रेजों के खिलाफ उतरेगी भारतीय टीम

–विराट कर सकते हैं सचिन तेंदुलकर की बराबरी

लखनऊ (एजेंसी)। विश्व कप में अब तक विजयरथ पर सवार भारतीय टीम रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ जीत का छक्का लगाने उतरेगी। वहीं गत विजेता को सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत के खिलाफ आज के मैच को हर हाल में जीतना होगा। 2019 के चैंपियन इंग्लैंड के लिए मौजूदा विश्व कप का सफर अब तक बेहद निराशाजनक रहा है, इसके बाद इंग्लैंड की कोशिश भारत के खिलाफ जीत हासिल कर टूर्नामेंट में बने रहने की होगी। हालांकि इसके लिए उन्हें कप्तान रोहित शर्मा और शानदार फार्म में चल रहे विराट कोहली पर काबू पाना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ विराट का प्रदर्शन अब तक औसत रहा है, लेकिन बदले हालात में विराट को रोकना गोरे गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। वहीं विराट मैच में शतक लगाकर अपने आदर्श सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर सकते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम की पिच अब तक बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित हुई है, इसके बाद इस पिच पर रनों का अंबार लगने की पूरी संभावना है।

पिछले मुकाबले में भारत की जीत में अहम भूमिका अदा करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और इंग्लैंड के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड रखने वाले रविचंद्रन अश्विन के अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी खेल प्रेमियों की नजर रहेगी। इसके अलावा स्थानीय खिलाड़ी कुलदीप यादव घरेलू दर्शकों की मौजूदगी में भारत के लिए तुरूप का इक्का साबित हो सकते हैं। सिक्सर किंग रोहित शर्मा विश्वकप में विरोधी टीमों के लिये सिरदर्द साबित हुए हैं।

आक्रामक बल्लेबाजी कर गेंदबाजों पर दवाब बनाने की उनकी रणनीति अब तक कारगार साबित हुई है, इसकारण मध्यक्रम के

बल्लेबाजों को बेखौफ होकर खेलने का मौका मिल रहा है। हालांकि इस विश्व कप में भारतीय मध्य क्रम की असली परीक्षा होनी अभी बाकी है। रोहित एंड कंपनी को अच्छी तरह पता है कि लगातार हार के बावजूद इंग्लैंड कभी भी वापसी कर सकता है, इसकारण गोरों को हल्के में लेने की भूल नहीं करना चाहती हैं।

इंग्लैंड का प्रदर्शन उनके बल्लेबाज रूट की बल्लेबाजी पर निर्भर करेगा। भारतीय उपमहाद्वीप की धीमी पिचों पर इस अंग्रेज बल्लेबाज का रिकार्ड अहम रहा है। इकाना स्टेडियम की बात करें तो यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम की सफलता का प्रतिशत कहीं ज्यादा है, इसके बाद अब तक रन चेज करने में सफल रही भारतीय टीम अगर टॉस जीतती है तो उसका चयन एक बार फिर पहले क्षेत्ररक्षण का होगा। वैसे भी शाम के समय इस मैदान पर ओस की भूमिका अहम रहने वाली है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड = जॉनी बेयरस्टो, डेविड मालन, जो रूट, बेन स्टोक्स, हैरी ब्रुक, जोस बटलर (कप्तान/विकेटकीपर), मोइन अली, क्रिस वोक्स, डेविड विली, आदिल राशिद, मार्क वुड शामिल है।

भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने 111 पदक जीतकर इतिहास रचा

हांगझोउ (एजेंसी)। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने शनिवार को इतिहास रचकर हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में अपने अभियान का अंत 111 पदक जीतकर किया जो किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय बहु खेल टूर्नामेंट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य जीते। इससे पहले 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक हुए हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत ने 107 पदक जीते थे।

भारत पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। चीन ने 521 पदक (214 स्वर्ण, 167 रजत और 140 कांस्य) जीते जबकि ईरान ने 44 स्वर्ण, 46 रजत और 41 कांस्य अपने नाम किए। जापान तीसरे और कोरिया चौथे स्थान पर रहा। पहले पैरा एशियाई खेल 2010 में ग्वांझू में हुए थे जिसमें भारत 14 पदक जीतकर 15वें स्थान पर रहा था। इसके बाद 2014 में भारत 15वें और 2018 में नौवे स्थान पर रहा। भारत ने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार 100 से अधिक (101) पदक जीते थे।

भारतीय पैरालम्पिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक ने कहा, 'हमने इतिहास रच दिया। हमारे पैरा एथलीटों ने देश को गौरवान्वित किया है। अब पेरिस पैरालम्पिक में तोक्यो से अधिक पदक जीतेंगे।' उन्होंने कहा, 'हम इस प्रदर्शन से हैरान नहीं है। हमें 110 से 115 के बीच पदक मिलने की उम्मीद थी और 111 शुभ आंकड़ा है।'

भारतीय खिलाड़ियों ने सर्वाधिक 55 पदक एथलेटिक्स में पाये जबकि बैडमिंटन खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण समेत 21 पदक जीते। शतरंज में आठ और तीरंदाजी में सात पदक मिले जबकि निशानेबाजों ने छह पदक जीते। आखिरी दिन शनिवार को भारत ने चार स्वर्ण समेत 12 पदक जीते। इनमें से सात पदक शतरंज में, चार एथलेटिक्स में और एक नौकायन में मिला।

पुरूषों की भालाफेंक एफ55 स्पर्धा में नीरज यादव ने 33.69 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। टेक चंद को कांस्य पदक मिला। पुरूषों की 400 मीटर टी47 दौड़ में दिलीप महादु गावियोत को स्वर्ण पदक मिला। वहीं महिलाओं की 1500 मीटर टी20 दौड़ में पूजा ने कांस्य पदक हासिल किया। शतरंज में पुरूषों के व्यक्तिगत रैपिड वी1बी1 वर्ग में सतीश दर्पण ने स्वर्ण, प्रधान कुमार सौंदर्या ने रजत और अश्विनभाई मकवाना ने कांस्य पदक जीता। तीनों ने टीम वर्ग का स्वर्ण भी भारत की झोली में डाला।

किशन गंगोली ने पुरूषों की व्यक्तिगत रैपिड वी1 बी2 बी3 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। गंगोली, सोमेंद्र ओर आर्यन जोशी ने टीम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। महिला रैपिड वर्ग में वृत्ति जैन, हिमांशी राठी और संस्कृति मोरे को कांस्य पदक मिला। नौकायन में पीआर3 मिश्रित डबल स्कल में अनिता और के नारायणा ने रजत पदक जीता।

29वें मैच में 18 हजार रन का आंकड़ा पूरा करके रोहित शर्मा बनाएंगे नया रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप 2023 के 29वें मैच में 18 हजार रन का आंकड़ा पूरा करके एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। इसक साथ ही वह अपने नाम 2 नए रिकॉर्ड भी दर्ज कर सकते हैं। गौरतलब है कि भारत और इंग्लैंड की टीमें रविवार 29 अक्टूबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आमने सामने होंगी। मौजूदा विश्व कप में रोहित बतौर कप्तान और बल्लेबाज शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड को पराजित कर विश्व कप में जीत का सिक्सर लगाना चाहेगी। टीम इंडिया की लगातार 5 जीत में कप्तान रोहित का अहम रोल रहा है। भारतीय टीम इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर लेगी। रोहित शर्मा इस मैच में 18000 इंटरनेशनल रन पूरे कर सकते हैं। उन्हें इस आंकड़े पर पहुंचने के लिए केवल 47 रन की जरूरत है। गौरतलब है कि 36 साल के रोहित 456 इंटरनेशन मैचों में 43.36 की औसत से अभी तक 17963 रन जोड़ चुके हैं। उन्होंने 52 टेस्ट में 3677 रन बनाए हैं वहीं 256 वनडे में उनके नाम 10423 रन दर्ज हैं। 148 टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा अब तक 3853 रन जोड़ चुके हैं। इसके साथ ही रोहित के पास सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली के क्लब में पहुंचने का सुनहरा मौका मिल सकता है। भारत की ओर से अभी तक 4 बल्लेबाज ने 18 हजार या इससे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाए हैं। रोहित मौजूदा विश्व कप के 5 मैचों में 311 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 1 अर्धशतक निकला है।

ऑस्ट्रेलिया की रोमांचक जीत, धर्मशाला में न्यूजीलैंड को 5 रन से हराया

धर्मशाला (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने धर्मशाला के मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया हाई स्कोरिंग मैच 5 रन से जीतने में सफलता हासिल की है। तेज पिच पर दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए लेकिन आखिरकार जीत ऑस्ट्रेलिया के पाले में जा गिरी। मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ओपनर डेविड वार्नर 81 और ट्रेविस हेड 107 रन की बदौलत तेजतर्रार शुरूआत की थी। मध्यक्रम में मैक्सवेल ने 41, जोश ने 38 तो कप्तान पैट कमिंस ने 37 रन बनाकर टीम को 388 रन तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी कीवी टीम की ओर से रचिन रवींद्र ने शानदार शतक लगाकर न्यूजीलैंड को अच्छी स्थिति में पहुंचाया लेकिन उनके आऊट होते ही सारी जिम्मेदारी जिम्मी नीशम पर आ गई। नीशम ने बड़े शॉट लगाए और दर्शकों का मनोरंजन किया लेकिन आखिरी ओवर में उनका विकेट गिरते ही न्यूजीलैंड लक्ष्य से दूर हो गई।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार शुरूआत की और पहले विकेट के लिए डेविड वार्नर तथा ट्रेविस हेड के बीच 175 रन की साझेदारी हुई। यह साझेदारी वार्नर की विकेट के साथ समाप्त हुई जो 19.1 ओवर में ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर उन्हीं को आसान कैच थमा बैठे। इसके बाद वार्नर खुद भी खराब शॉट के कारण मलाल में थे। वार्नर ने 65 गेंदों पर 5 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। ट्रेविस हेड 23.2 ओवर में फिलिप्स की गेंद पर बोल्ड हुए। हेड ने 67 गेंदों पर 109 रन बनाए जिसमें 10 चौके और 7 छक्के शामिल थे।

स्मिथ एक बार फिर फेल साबित हुए और 17 गेंदों पर 18 रन ही बना सके। वह भी फिलिप्स का शिकार बने और 29.4 ओवर में बोल्ट को कैच थमा बैठे। यह फिलिप्स का तीसरा बड़ा विकेट था। मिशेल मार्श 36.3 ओवर में सेंटनर के हाथों बोल्ड हुए। उन्होंने 51 गेंदों पर 36 रन बनाए जिसमें 2 चौके शामिल थे। मार्नस लाबुशाने (26 गेंदों पर 18 रन, 2 चौके) 38.1 ओवर में सेंटनर का दूसरा शिकार बने और रचिन से हाथों कैच आउट हो गए। मैक्सवेल ने 24 गेंदों पर 41 रन की प्रभावशाली पारी खेली जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे। लेकिन अर्धशतक नहीं लगा पाए और 44.3 ओवर में नीशम की गेंद पर बोल्ट के हाथों कैच आउट हो गए।

लक्ष्मण हो सकते हैं भारतीय क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल इस साल के अंत में समाप्त हो रहा है। अब तक मिले संकेतों के अनुसार द्रविड़ अपने अनुबंध को बढ़ाये जाने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे में भारतीय टीम का नया कोच कौन होगा ये सवाल उठ रहा है। इसके लिए रेस में पूर्व बल्लेबाज वी वी एस लक्ष्मण सबसे आगे हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादम (एनसीए) के प्रमुख लक्ष्मण को अगले कोच की जिम्मेदारी मिलने की अधिक संभावनाएं हैं। इसका कारण ये है कि द्रविड़ ने जब भी ब्रेक लिया है, तो लक्ष्मण को ही हमेशा प्रभार मिला है। विश्व कप के तुरंत बाद होने वाली सीरीज में भी ऐसा ही जारी रहने की उम्मीद है। अगर नए कोच के लिए आवेदन मंगवाए जाते हैं, तो लक्ष्मण काफी मजबूत दावेदार होंगे क्योंकि बीसीसीआई ने एक मॉडल तैयार बनाया है, जहां एनसीए के हेड और सारी व्यवस्था की जानकारी रखने वाले व्यक्ति को इसके लिए तैयार किया जाता है। ऐसे में लक्ष्मण सबसे फिट नजर आते हैं। वहीं द्रविड़ टी20 लीग में कोच के रुप में वापसी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव को छोड़कर सभी को आराम दिया जा सकता है। सूर्या को टीम की कमान मिल सकती है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 टीम में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है, जो वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के अलावा एशियन खेलों की टीम का हिस्सा थे। इस सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को ब्रेक दिए जाने की संभावना है, जिससे कि वे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए तरोताजा हो सकें।

इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में अश्विन को शामिल करें : हरभजन

जोहोर बाहरू (मलेशिया) (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले विश्वकप मुकाबले में अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को अवसर दिया जाना चाहिये। अश्विन ने वर्तमान टूर्नामेंट में अब तक एक ही मैच खेला है। हरभजन ने कहा, कुलदीप यादव अच्छे फॉर्म में हैं पर क्या अगले मैच में तीन स्पिनरों को अवसर मिलेगा, यह बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और आर अश्विन को इंग्लैंड के खिलाफ शामिल किया जा सकता है क्योंकि अब तक के मुकबलों में इंग्लैंड के बल्लेबाज स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं दिखे हैं। ऐसे में लखनऊ में भी स्पिन की सहायक पिच मिलती है, तो इंग्लैंड की परेशानी बढ़ जाएगी। हरभजन ने कहा कि यदि अश्विन को टीम में जगह मिलती है, तो मोहम्मद सिराज को आराम दिया जा सकता है क्योंकि वे लगातार 5 मैच में उतर चुके हैं जबकि मोहम्मद शमी ने पिछले मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 विकेट लिए थे।

हरभजन ने कहा कि यदि पिच सामान्य रहती है और यहां अधिक टर्न नहीं रहता है, तो टीम में बदलाव की उम्मीद कम है पर लखनऊ में धीमी पिच मिलने की उम्मीद है। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय में भारतीय स्पिनरों रिकॉर्ड को देखें, तो बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा विकेट लेने के मामले में सबसे आगे रहे हैं। उन्होंने अब तक 25 मैच में 25 की औसत से 38 विकेट लिए हैं। वहीं ऑफ स्पिनर अश्विन ने 23 एकदिवसीय में 28 की औसत से 35 विकेट लिए हैं जबकि कुलदीप यादव ने 6 मैच में 10 विकेट झटके हैं।

बिना हाथों वाली गोल्ड मेडलिस्ट, प्रेरणादायक है तीरंदाज शीतल देवी की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीरंदाजी एक ऐसा खेल है जिसमें कौशल, सटीकता, दूरदर्शिता, एकाग्रता और अच्छे नियंत्रण की आवश्यकता होती है। जम्मू और कश्मीर राज्य की 16 वर्षीय तीरंदाज शीतल देवी के पास ये सभी चीजें हैं लेकिन हाथ नहीं हैं और फिर भी उन्होंने हांग्जो में एशियाई पैरा गेम्स 2023 में शीर्ष (गोल्ड) पुरस्कार जीता है। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली बिना हाथों वाली पहली महिला तीरंदाज' हैं। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी हैं।

फोकोमेलिया से पीड़ित हैं शीतल

फोकोमेलिया एक दुर्लभ जन्मजात विकार है जिसके कारण अंग विकसित नहीं होते। शीतल ने सभी बाधाओं को पार करते हुए अपने पैरों पर खड़ी होकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया। खेल की शासी निकाय - विश्व तीरंदाजी के अनुसार जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ के लोइधर गांव की रहने वाली शीतल 'अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली बिना हाथों वाली पहली महिला तीरंदाज' हैं।

एक स्वर्ण सहित जीते तीन पदक

इस सप्ताह एशियाई पैरा खेलों में उन्होंने अलग-अलग श्रेणियों में एक स्वर्ण सहित तीन पदक जीते। पहले महिला कंपाउंड में रजत पदक जीतने के बाद शीतल ने मिश्रित युगल और महिला व्यक्तिगत वर्ग में दो पदक जीते। शुक्रवार (27 अक्टूबर) को शीतल ने महिलाओं के कंपाउंड फाइनल में सिंगापुर की अलीम नूर सयाहिदा को हराकर पिछले दो राउंड में लगातार छह दस रिंग लगाकर स्वर्ण पदक जीता।

ये पदक सिर्फ मेरे नहीं, बल्कि पूरे देश के हैं : शीतल

शीतल ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं धनुष ठीक से उठा भी नहीं पाती थी। लेकिन कुछ महीनों तक अभ्यास करने के बाद यह आसान हो गया। मेरे माता-पिता को हमेशा मुझ पर भरोसा था। गांव में मेरे दोस्तों ने भी मेरा साथ दिया। एकमात्र चीज जो मुझे पसंद नहीं आई वह थी लोगों के चेहरे का भाव जब उन्हें एहसास हुआ कि मेरे हाथ नहीं हैं। ये पदक साबित करते हैं कि मैं खास हूं। ये पदक सिर्फ मेरे नहीं, बल्कि पूरे देश के हैं।'

स्वर्ण पदक जीतने के अलावा शीतल ने सरिता के साथ जोड़ी बनाकर महिला टीम में रजत और राकेश कुमार के साथ मिश्रित टीम में स्वर्ण भी जीता। ये उपलब्धियां उस व्यक्ति के लिए बहुत बड़ी लगती हैं जिसने कुछ साल पहले ही तीरंदाजी को एक खेल के रूप में चुना था।

पीठ में दर्द के बावजूद पंजाब की वेटलिफ्टर हरजिंदर ने जीता गोल्ड मेडल

पणजी । पंजाब की हरजिंदर कौर काफी समय से पीठ दर्द से जूझ रही हैं लेकिन इसके बावजूद वह 37वें राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं के 71 किग्रा वेटलिफ्टिंग वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही। हरजिंदर ने स्नैच में 88 किग्रा और क्लीन एंड जर्क वर्ग में 113 किग्रा के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कुल 201 किग्रा वजन उठाया। महाराष्ट्र की तृप्ति माने (190 किग्रा) और मणिपुर की पी उमेश्वोरी देवी (189 किग्रा) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीते। स्वर्ण पदक जीतने के बाद उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह पदक मुझे एक (नौकरी या प्रायोजन) दिलाएगा। पटियाला जिले के नाभा गांव में किसान परिवार में जन्मी हरजिंदर ने 2016 में भारोत्तोलन में उतरने से पहले एथलेटिक्स और कबड्डी में अपना हाथ आजमाया था। उसे लगा कि 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक से उसे नौकरी मिलने की संभावना बढ़ सकती है। लेकिन वैसा नहीं हुआ। इस साल की शुरुआत में, हरजिंदर ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सीनियर महिलाओं के 71 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता और अब उन्होंने अपनी ट्रॉफी कैबिनेट में राष्ट्रीय खेलों का स्वर्ण भी शामिल कर लिया है। हरजिंदर ने कहा कि वह अपने परिवार के सहयोग की बदौलत यहां तक पहुंची हैं लेकिन नहीं जानती कि वह कब तक ऐसा जारी रख पाएंगी।

दानिश कनेरिया ने शाहिद अफरीदी पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाज दानिश कनेरिया ने टीम पर धर्मांतरण को लेकर दबाव बनाने का खुलासा किया है। उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसकी वजह से वह इन दिनों काफी चर्चा में है। कुछ दिन पहले उन्होंने यह बताया था कि पाकिस्तान टीम में रहते हुए उन्हें धर्मांतरण के लिए परेशान किया जाता था। अब उन्होंने पकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दानिश ने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि अगर शाहिद अफरीदी ने अपनी बेटी के साथ ऐसा किया है तो सोचो उन्होंने मेरे साथ क्या किया होगा। दानिश ने अपने ट्विटर अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें शाहिद अफरीदी एक इंटरव्यू में दिखाई दे रहे हैं। इंटरव्यू में पूछा कि आपने कितनी दफा टीवी तोड़ा है। अफरीदी ने कहा मैं एक दफा टीवी तोड़ चुका हूं। मैं बेगम से हमेशा कहता था कि टीवी अकेले में देखा करो। बच्चों को ना बिठाया करो। मैं एक दिन घर पर गया तो मेरी बेटी स्टार प्लस देख रही थी। हाथ में थाली लेके, आरती जैसा कुछ टीवी में चल रहा था। मेरी बेटी भी टीवी के सामने ऐसे ही कर रही थी। मैंने फिर टीवी में एक हाथ मारा और टीवी तोड़ दिया। दानिश कनेरिया ने इसी वीडियो के जरिए अफरीदी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने ट्विटर पर वीडियो के कैप्शन में लिखा, शाहिद अफरीदी ने टीवी तोड़ दिया क्योंकि उसकी बेटी पूजा कर रही थी। आप सोच सकते हो कि वो जब इस तरह की चीजें अपनी बेटी के साथ कर सकते हैं तो उन्होंने मेरे साथ कैसा व्यवहार किया होगा। कुछ दिन पहले दानिश ने एक वीडियो के जरिए बताया था कि पाकिस्तान टीम में रहते हुए उन्हें धर्मांतरण के लिए काफी परेशान किया गया गया था। उन्होंने लिखा था कि ड्रेसिंग रूम से लेकर प्लेग्राउंड, डाइनिंग टेबल तक मुझे धर्मांतरण के लिए कहा गया था। बता दें कि दानिश कनेरिया ने पाकिस्तान के लिए अब तक कुल 61 टेस्ट और 18 वनडे मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने क्रमश- 261 और 15 विकेट लिए हैं। दानिश ने टेस्ट में 2 बार 10 विकेट लेने का कारनामा किया है।

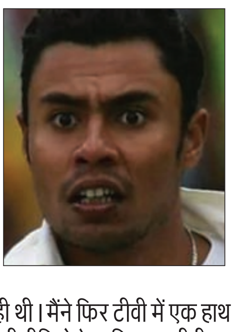

अगले 3 मैच हम पाकिस्तान के लिए खेलेंगे : बाबर आजम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा है कि वह अगले तीन मैच पाकिस्तान के लिए खेलेंगे। गौरतलब है कि क्रिकेट विश्व कप में पहले 2 मुकाबले जीतने वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब लगातार 4 मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो गई है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद अहम मुकाबला एक विकेट से गंवा दिया। मैच के दौरान पाक गेंदबाजों की दिशाहीन गेंदबाजी और अंपायरिंग पर भी सवाल उठाए जा रहे हें। बहरहाल, मैच के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने इस पर बात करते हुए कहा कि हम जीत के बेहद करीब थे लेकिन हमारा अंत अच्छा नहीं रहा। पूरी टीम के लिए बेहद निराशाजनक क्षण है। हमने उनका बहुत अच्छी तरह से मुकाबला किया था। बाबर ने कहा कि मुझे लगता है कि बल्लेबाजी करते हुए हम 10-15 रन कम रह गए। बाबर ने कहा कि तेज गेंदबाजों और स्पिनरों ने अच्छा संघर्ष किया लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो सका। यह खेल का हिस्सा है। डीआरएस भी खेल का हिस्सा है। अगर आऊट हो जाता तो इससे हमें फायदा होता। हमारे पास यह मैच जीतने और दौड़ में बने रहने का अवसर होता लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हम अगले 3 मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और पाकिस्तान के लिए खेलेंगे। देखते हैं उसके बाद हम कहां खड़े होंगे।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए बाबर आजम और सऊद शकील के अर्धशतकों की बदौलत 270 रन बनाए थे। पाक ओपनर शकीफ 9 और इमाम उल हक 12 के आऊट होने के बाद रिजवान 31 ने सहयोग किया। मध्यक्रम में शादाब खान ने 36 गेंदों पर 43 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से तबरेज शम्सी 4 तो मार्को जेन्सन 3, जेराड 2 विकेट लेने में सफल रहे। जवाब में खेलने उतरी साऊथ अफ्रीका की टीम 1 विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही। हालांकि दक्षिण अफ्रीका ने 250 रन पर ही आठ विकेट गंवा लिए थे लेकिन पुछल्ले बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिला दी। तबरेज शम्सी ने दक्षिण अफ्रीका के लिए विजयी चौका लगाया। विश्व कप में पाक का सफर देखें तो नीदरलैंड से 81 रन से जीते, जबकि श्रीलंका से 6 विकेट से जीते। इसके बाद भारत से 7 विकेट से हारे तथा ऑस्ट्रेलिया से 62 रन से हारे। वहीं अफगानिस्तान से 8 विकेट से तथा दक्षिण अफ्रीका से 1 विकेट से हारे हैं।

दीपिका-रणवीर और रणबीर संग इस फिल्म का रीमेक बनाएंगे करण जौहर

करण जौहर के लोकप्रिय सेलिब्रिटी चैट शो कॉफी विद करण 8 का आज यानी 26 अक्तूबर, 2023 से आगाज हो रहा है। इस शो में शामिल होने वाले पहले मेहमान रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण हैं। शो के प्रोमो ने फैंस का उत्साह बढ़ाया हुआ है। इसी कड़ी में करण जौहर अपने हालिया बयानों को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। चैट शो का यह सीजन काफी दिलचस्प मालूम हो रहा है। वहीं, करण जौहर ने सेलिब्रिटी कपल से चैटिंग के दौरान लव ट्राइएंगल पर आधारित फिल्म में दीपिका और रणवीर के साथ तीसरे स्टार को कास्ट करने को लेकर बड़ा बयान दे दिया है, जिसने सोशल मीडिया की हलचल बढ़ा दी है। रैपिड फायर सेगमेंट में, जब रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के निर्देशक ने रणवीर से पूछा, एक लव ट्राइएंगल में जिसमें आप और दीपिका हैं, किस पुरुष अभिनेता को तीसरे किरदार के रूप में लेने पर आपको आपत्ति नहीं होगी। अभिनेता ने करण को याद दिलाया कि कैसे वह उनके और दीपिका के अलावा रणबीर कपूर को लेकर एक फिल्म बनाने पर चर्चा करते रहे हैं। रणवीर सिंह ने जवाब देते हुए कहा, रणबीर। आप हम तीनों के साथ संगम बनाना चाहते थे। उसका क्या हुआ? यह सुनते ही करण बोल उठते हैं कि वह ऐसी फिल्म बनाने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित हैं। रणवीर से शादी से पहले रणबीर संग रिश्ते में रह चुकीं जानकारी हो कि रणबीर कपूर के दादा राज कपूर के जरिए निर्मित और निर्देशित, लव ट्राइएंगल पर आधारित संगम वर्ष 1964 की ब्लॉकबस्टर फिल्म रही थी। इस मूवी में राज कपूर, वैजयंतीमाला और राजेंद्र कुमार जैसे सितारे थे। इतना ही नहीं यह विदेश में शूट होने वाली पहली भारतीय फिल्म थी। यह 238 मिनट की अवधि के साथ उस वक्त की सबसे लंबे समय तक चलने वाली भारतीय फिल्म भी थी।

कैटरीना कैफ ने कहा, डांसिंग मेरे सच्चे जुनून में से एक

टाइगर 3 के गाने लेके प्रभु का नाम को मिल रही प्रतिक्रिया से अभिनेत्री कैटरीना कैफ बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि डांस उनके सच्चे जुनून में से एक है और वह इसे एक प्रशंसा के रूप में लेती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि गाने और डांस संस्कृति का हिस्सा हैं। इस ट्रैक को प्रीतम ने संगीतबद्ध किया है, जिसे अरिजीत सिंह और निखिता गांधी ने गाया है। तमिल और तेलुगु संस्करण को बेनी दयाल और अनुषा मणि ने गाया है। कैटरीना ने कहा, एक कलाकार के रूप में इतने वर्षों तक, एक चीज जिसने मुझे आगे बढ़ाया है वह है मेरे प्रशंसकों, मीडिया और दर्शकों का प्यार। सफलता का असली पैमाना उस प्यार में है जो व्यक्ति को लोगों से स्वाभाविक रूप से मिलता है। लेके प्रभु का नाम हम सभी के लिए एक अद्भुत एहसास है। अभिनेत्री ने कहा, मेरे लिए डांस करना मेरे सच्चे जुनूनों में से एक है और दर्शकों का प्यार देखना पूरी तरह से खुशी की बात है। कैटरीना को लगता है कि लोगों को कलाकारों से बहुत उम्मीदें होती हैं कि वे न केवल अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन करें बल्कि उन्हें संजोने और डांस करने के लिए बेहतरीन गाने भी दें। उन्होंने कहा, एक फिल्म, एक अभिनय प्रदर्शन, एक गीत इन सभी को सफल बनाने के लिए दर्शकों से जुड़ना होगा और मैं आभारी हूं कि मैंने अपने पूरे करियर में ऐसा पाया है। मैं जानती हूं कि फिल्म में प्रदर्शन के साथ-साथ लोग हमारे गाने देखने के लिए भी उत्साहित रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं इसे एक बड़ी प्रशंसा के रूप में लेती हूं क्योंकि गाने और डांस हमारी संस्कृति और हमारी फिल्मों का हिस्सा हैं और हमेशा से यह पसंद किए जाते रहे हैं। मैं हमारे गानों से लोगों की अपेक्षाओं से वाकिफ हूं और यह मुझे हर बार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की टाइगर 3 का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है और इसका निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है। यह इस दिवाली 12 नवंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होने के लिए तैयार है।

केएच 234 के लिए नयनतारा चार्ज करेंगी करोड़ की रकम!

अभिनेत्री को उनकी 2022 की फिल्म कनेक्ट के लिए आठ करोड़ मिल मिले थे। जवान को साइन करने पर नयनतारा ने दक्षिण में सबसे अधिक भुगतान पाने वाली एक्ट्रेस बनकर इतिहास रच दिया था। कमल हासन की आगामी फिल्म केएच 234 इस समय लगातार सुर्खियां बटोर रही है। लंबे समय के बाद वह इस फिल्म में मणिरत्नम के साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। बताया जा रहा है कि इसकी कास्टिंग लगभग पूरी होने के करीब है। साथ ही, यह बात भी सामने आई है कि लेडी सुपरस्टार नयनतारा के साथ फिलहाल अंतिम दौर की बातचीत चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर सौदा पक्का हो जाता है तो अभिनेत्री को इसके लिए पारिश्रमिक के रूप में 12 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है। बता दें कि नयनतारा दो दशकों से अधिक समय से दक्षिणी भारतीय सिनेमा में लीडिंग लेडी के रूप में काम कर रही हैं। आखिरी बार उन्होंने जवान और इराइवन के लिए अपनी फीस में इजाफा किया था। रिपोर्ट्स की मानें तो पहले यह रोल सामंथा, साई पल्लवी और तृषा कृष्णन में से किसी के पास जाता दिख रहा था, लेकिन अब यह फिल्म नयनतारा की झोली में जाती दिख रही है। अभिनेत्री को उनकी 2022 की फिल्म कनेक्ट के लिए आठ करोड़ मिल मिले थे। जवान को साइन करने पर नयनतारा ने दक्षिण में सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्री बनकर इतिहास रच दिया। शाहरुख खान स्टारर जवान की सफलता के बाद नयनतारा की लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिला है। उनके अन्य प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही योगी बाबू के साथ मन्नानगट्टी सिंस 1960 में दिखाई देंगी।

दुरंगा -2 में मैं और बेहतर हो गई हूं

छोटे पर्दे की नामी ऐक्ट्रेस दृष्टि धामी ने टेलीविजन पर कदम रखते ही बड़ी पहचान बना ली थी। वेब सीरीज दुरंगा में उनके किरदार को खूब सराहा गया था।

टीवी से जब आप ओटीटी की दुनिया में आईं तो आपका पहला एक्सपीरियंस क्या था और अंदर से क्या फीलिंग आती है?

पहला एक्सपीरियंस तो ये ही होता है कि जब आप लगातार कोशिश करते हैं कि आपको स्विच करना है सिर्फ एक अलग अनुभव के लिए और आपको एक बेहतरीन शो से और काम करने वाले लोगों के साथ अच्छा वेलकम मिलता है तो बहुत अच्छा अहसास होता है। मुझे लगता था कि मैं और देर तक यहां रह सकती हूं। तो मुझे ऐसी फीलिंग आई थी, जब मैंने ओटीटी पर डेब्यू किया था। मुझे लोग बताते थे कि आपने उस शो में अच्छा काम किया था। जब मैं उस शो में खुद को देखती थी तो बहुत खुश होती थी। दुरंगा कि बात करूं तो ये मेरे लिए चुनौती भरा था। क्योंकि मैं इस किरदार के लिए नौसिखिया थी, क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा ड्रामा नहीं है। इसमें एक साइलेंस है यानी मुझे कुछ नहीं करके भी कुछ करना है, वो मेरे लिए मुश्किल था। उसके लिए मुझे थोड़ा समय और कोशिशें करनी पड़ीं। मुझे लगता है कि सीजन 2 में मैं और बेहतर हो गई हूं।

हमारे यहां कॉप को लेकर काफी क्रेज रहता है। खासकर जब कॉप कोई लेडी हो तो बात ही अलग होती है। तो सीरीज में आपका कैसा अनुभव रहा?

अनुभव काफी अच्छा था। मैं थोड़ा नर्वस थी क्योंकि मैंने कभी इतना मजबूत किरदार अदा नहीं किया था। ना सिर्फ फिजिकली स्ट्रॉन्ग बल्कि बात करने और खड़े होने का तरीका भी काफी स्ट्रॉन्ग होता है। हमने बॉडी लैंग्वेज को समझने के लिए शुरुआत में कुछ रिहर्सल की थीं, क्योंकि मैं हमेशा एक कॉप की बॉडी लैंग्वेज की तरह नहीं रहती हूं। हमने काफी कुछ टेबल रीड्स भी किए थे। लेकिन धीरे-धीरे जब सेट पर आना शुरू किया, कॉस्ट्यूम्स पहना, लाइन्स बोलनी शुरू कीं तब सब बेहतर होता गया।

जब आपको ये रोल ऑफर हुआ तो क्या आपके जहन में कोई लेडी कॉप की या किसी और महिला की इमेज आई थी कि मुझे वैसा ही बनना है?

क्योंकि मुझे पहले ही कहा गया था कि मुझे बहुत ज्यादा कॉप की ड्रेस में नहीं रहना है, तो मैंने कॉप के बारे में सोचा ही नहीं था। मैंने कोई कॉप की फिल्म भी नहीं देखी। मुझे लगता था कि अगर मैं वो देखूंगी तो मैं इन्फ्लूएंस होंगी। तो मेरे डायरेक्टर ने जो कहा मैं वो फॉलो करती रही। अगर आगे भी मुझे कोई कॉप का रोल मिले, तो मैं बिलकुल करना चाहूंगी। मैंने इसे काफी एंजॉय किया था।

दुरंगा शब्द जब आपने पहली बार सुना तब आपके दिमाग में किसी कैरेक्टर की छवि आई या कोई एक्सपीरियंस रहा हो जो इससे रिलेट करता हो?

जब मुझे दुरंगा का ऑफर मिला, तब मुझे नहीं पता था कि इसकी स्टोरी क्या है। मुझे बस इतना कहा गया था कि गुलशन इस शो का पार्ट हैं। तब मुझे लगा था कि ये उनकी कोई कहानी होगी जो बीते वक्त या हाल की किसी चीज से जुड़ी होगी।

पहले पार्ट से 10 गुना बड़ी होगी ब्रह्मास्त्र-2

रणबीर कपूर ने ब्रह्मास्त्र के दूसरे पार्ट पर बड़ा अपडेट दिया है। रणबीर ने कहा कि ब्रह्मास्त्र-2 की राइटिंग पर जोरो-शोरों से काम चल रहा है। डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने रणबीर को पिछले हफ्ते फिल्म की कहानी भी सुना दी है। रणबीर ने कहा कि ब्रह्मास्त्र-2 पहले पार्ट से 10 गुना बड़ी होगी। रणबीर का कहना है कि फिल्म की शूटिंग 2024 के अंत या 2025 की शुरुआत में शुरू हो जाएगी। फिलहाल अयान वॉर-2 पर काम कर रहे हैं। रणबीर ने कहा कि पहले की तुलना में दर्शकों को बेहतर देखने को मिलेगा। पहली वाली गलतियों को दोहराया नहीं जाएगा। बता दें कि ब्रह्मास्त्र पार्ट-1 सितंबर 2022 में रिलीज हुई थी। फिल्म ने 431 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था। फैंस के साथ जूम इंटरेक्शन के दौरान रणबीर कपूर ने कहा- पहले पार्ट को लेकर काफी क्रिटिसिज्म हुआ। हम इसे समझ भी रहे हैं। ऑडियंस को क्या पसंद आएगा और क्या नहीं, इसे लेकर हम विचार कर रहे हैं। लोगों को शिवा और ईशा की केमेस्ट्री अच्छी नहीं लगी। बहुत सारी आलोचनाएं हुईं। इसी वजह से हम कुछ ऐसा सोच रहे हैं जो इससे बेहतर हो सके।

सिल्वर स्क्रीन पर बिग बी के साथ रजनीकांत दिखेंगे

रजनीकांत और अमिताभ बच्चन ने फिल्म थलाइवर 170 की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। इंतजार करना लाजिमी भी है क्योंकि इस फिल्म के जरिए 33 साल बाद बिग बी के साथ रजनीकांत स्क्रीन शेयर करेंगे। इस बात की जानकारी रजनीकांत ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर दी। आखिरी बार दोनों को एक्शन-फैमिली ड्रामा फिल्म हम में नजर आए थे, जो 1991 में रिलीज हुई थी। बिग बी के साथ एक फोटो शेयर कर रजनीकांत ने लिखा- 33 साल बाद, मैं टीजे ज्ञानवेल के डायरेक्शन की अपकमिंग फिल्म थलाइवर 170 में अपने गुरू, श्री अमिताभ बच्चन के साथ फिर से काम कर रहा हूं। मेरा दिल खुशी से धड़क रहा है। तस्वीर में दोनों को एक साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है। जहां बिग बी गुलाबी और नीले जैकेट और चश्मे में दिख रहे हैं, वहीं रजनीकांत भी सफेद शर्ट में बहुत जच रहे हैं। साथ काम करने की खुशी दोनों के चेहरे पर साफ दिखाई दे रही है।

सिर्फ 3 फिल्मों में एक साथ काम किया है

बिग बी और रजनीकांत पहली बार फिल्म अंधा कानून में एक साथ दिखे थे, जो 1983 में रिलीज हुई थी। इसके बाद दोनों साथ में 1985 की गिरफ्तार और 1991 की हम में नजर आए थे। फिल्म हम उस साल की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों में से एक थी। फिल्म थलाइवर 170 का डायरेक्शन टीजे ज्ञानवेल कर रहे है। वहीं इस फिल्म का प्रोडक्शन सुबास्करन अल्लिराजाह लाइका प्रोडक्शन के तहत कर रहे हैं। ये रजनीकांत के करियर की 170वीं फिल्म है, जिस कारण फिल्म के टाइटल में 170 नंबर का जिक्र है। उम्मीद है कि फिल्म 2024 में सिनेमा घरों में रिलीज की जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में रजनीकांत एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। वहीं बिग बी निगेटिव रोल में देखे जा सकते हैं।

माधुरी दीक्षित की मराठी फिल्म पंचक 5 जनवरी को रिलीज के लिए तैयार है

माधुरी दीक्षित अपने पति श्रीराम नेने के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित मराठी फिल्म पंचक को 5 जनवरी को रिलीज करने के लिए तैयार हैं। फिल्म का निर्देशन जयंत जठार और राहुल अवाटे ने किया है। इस बारे में बात करते हुए माधुरी और श्रीराम ने एक संयुक्त बयान में कहा, पंचक का विचार बहुत सरल है। अंधविश्वास हम पर हावी हो सकता है, और हमें अनुचित भय की ओर धकेल सकता है, साथ ही हमें बेतुकी स्थितियों में डाल सकता है। उन्होंने कहा, हम इस फिल्म के निर्माण को लेकर बहुत उत्साहित हैं और हमने उत्कृष्ट कलाकारों और क्रू को इकट्ठा करने के लिए कड़ी मेहनत की है और हमें उम्मीद है कि हम दर्शकों को हास्य की बहुत जरूरी खुराक देंगे। हम दर्शकों को फिल्म दिखाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। आरएनएम मूविंग पिक्चर्स द्वारा निर्मित, पंचक की शूटिंग कोंकण क्षेत्र में की गई है। यह एक डार्क कॉमेडी है जो अंधविश्वास और मौत के डर से संबंधित है। फिल्म में मराठी फिल्म और टेलीविजन उद्योग और थिएटर के बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। यह फिल्म 15 अगस्त के बाद आरएनएम मूविंग पिक्चर्स के दूसरे प्रोडक्शन का प्रतीक है, जिसे सीधे ओटीटी पर रिलीज किया गया। पंचक में आदिनाथ कोठारे, तेजश्री प्रधान, आनंद इंगले, नंदिता पाटकर, भारती आचरेकर, विद्याधर जोशी, सतीश अलेकर, सागर तलशिकर, दीप्ति देवी, आशीष कुलकर्णी और दिलीप प्रभावलकर शामिल हैं। यह फिल्म 5 जनवरी 2024 को रिलीज होगी।